- संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती देने वाली न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज - 7

- आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर में काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक - 10

- रूस ने की ईरान में दखलअंदाजी बल प्रयोग की धमकियों की निंदा- 11

- मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है: हेनिल पटेल - 12

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

7.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.39

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:04 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शनिवार, 17 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 54, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

घनी धुंध से राष्ट्रपति का जालंधर दौरा रद्द

जालंधर। पंजाब में शुक्रवार को घनी धुंध और कड़ाके की ठंड की वजह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का जालंधर का दौरा कर दिया गया। मुर्मू को यहां नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित दीक्षांत समारोह में पहुंचकर विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करनी थीं। सुबह से घनी धुंध के कारण उड़ान भरना मुश्किल हो गया तो राष्ट्रपति की सुरक्षा के मद्देनजर यह दौरा रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति गुरुवार को अमृतसर पहुंची थीं। उनके दौरे को लेकर जालंधर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

नए भाजपा अध्यक्ष की घोषणा 20 जनवरी को

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी किया। इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे और 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह समेत पार्टी का शीर्ष नेतृत्व नवीन की उम्मीदवारी का समर्थन कर रहा है। नड्डा को भी जून 2019 में पहले भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बाद में 20 जनवरी, 2020 को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर ग्रैप-3 लागू किया

नई दिल्ली। एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आगामी दिनों में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका को देखते हुए शुक्रवार को 'ग्रैप-3' प्रतिबंध लागू कर दिए। आईएमडी के मुताबिक धीमी हवा, स्थिर वातावरण, प्रतिकूल मौसम मापदंडों और प्रदूषकों के फैलाव की कमी से दिल्ली का औसत एक्यूआई आने वाले दिनों में 400 को पार कर गंभीर श्रेणी में प्रवेश कर सकता है।

सट्टेबाजी: 242 अवैध वेबसाइट लिंक पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सट्टेबाजी और जुए से संबंधित 242 अवैध वेबसाइट के लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। यह आदेश पिछले साल अगस्त में पैसे के इस्तेमाल वाले गेमिंग ऐप पर लगाए गए सरकारी प्रतिबंध के बाद आया है। सूत्रों ने कहा, भारत सरकार ने शुक्रवार को अवैध सट्टेबाजी और जुआ से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम पारित होने के बाद से अब तक 7,800 से अधिक अवैध सट्टेबाजी और जुआ संबंधी वेबसाइट को बंद किया जा चुका है।

बीएमसी पर ठाकरे राज का अंत, 30 साल बाद भाजपा नीत महायुति ने किया कब्जा

महाराष्ट्र में महाविजय: पुणे, ठाणे और नवी मुंबई में भी जीत, लातूर में कांग्रेस को बहुमत

निकाय चुनाव

- बीएमसी में ठाकरे बंधु 71 और कांग्रेस को मिलीं 24 सीटें, दो सीटों पर सपा का भी कब्जा

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन राज्य भर में भारी बढ़त के साथ उभरा है। करीब 74,000 करोड़ रुपये के बजट वाले देश के सबसे धनी निकाय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) पर भी 30 साल के ठाकरे राज का अंत हो गया। कुल 227 में से 118 सीटों का बहुमत हासिल कर महायुति ने बीएमसी पर कब्जा कर लिया। भाजपा ने इसके साथ राज्य के 29 में से 25 निकायों में जीत का दावा किया है। कांग्रेस को लातूर में बहुमत मिला है।

आधी रात के बाद घोषित नतीजों के मुताबिक बीएमसी चुनाव में भाजपा ने 89 और उसकी सहयोगी शिवसेना ने 29 सीट अपने नाम कीं। शिवसेना उबाठा को 65 और मनसे को छह सीटें मिलीं। वंचित बहुजन आघाडी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 24 सीटें, एआईएमआईएम को आठ, राकांपा को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और राकांपा (शप) को सिर्फ एक सीट मिली। नागपुर महानगर पालिका की सभी 151 सीट के परिणाम घोषित हो चुके हैं। भाजपा को 102 सीट मिलीं, कांग्रेस को 34 सीट प्राप्त हुईं। महायुति ने इसके अलावा ठाणे और नवी मुंबई समेत ज्यादातर निकायों पर जीत हासिल की है।

बीएमसी चुनाव में भाजपा की जीत का पार्टी कार्यालय में जश्न मनाते कार्यकर्ता।

महाराष्ट्र का आभार ! राज्य की उत्साही जनता ने राजग के जनहितकारी सुशासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया है। नगर निकाय चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ राजग का संबंध और गहरा हुआ है। हमारे कामकाज और विकास की दृष्टि ने लोगों का दिल जीता है। – **प्रधानमंत्री मोदी**

वंचित बहुजन आघाडी के साथ चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने लातूर के 70 सदस्यीय निकाय में 43 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, भाजपा 22 सीट के साथ काफी पीछे दूसरे स्थान पर रही। भिवंडी-निजामपुर और कोल्हापुर में भी कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी रही लेकिन उसे बहुमत नहीं मिल पाया।

राज्य में भाजपा ने 1400 और उसकी सहयोगी शिवसेना ने 397 सीट हासिल कीं, शिवसेना उबाठा को 153 और मनसे को 13 सीट मिलीं। कांग्रेस ने 324 सीटों पर विजय प्राप्त की।

चाचा-भतीजे के गढ़ पुणे में भी भाजपा का परचम

भाजपा पुणे में भी विजयी रही, जहां उसने शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) गुटों के गठबंधन को करारी शिकस्त दी। पुणे में भाजपा ने 96 सीट जीतीं, जबकि राकांपा को 20 सीट और राकांपा (शप) को सिर्फ तीन सीट ही मिल सकीं। पिंपरी चिंचवड में भाजपा ने 84 सीट जीतीं, जबकि राकांपा दूसरे स्थान पर रही और उसे 37 सीटें ही मिलीं। एनसीपी (शप) वहां एक भी सीट नहीं जीत सकी।

एआईएमआईएम ने राज्य भर में 114 सीटें जीतीं

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने अपने प्रदर्शन से चौंकाया। राज्य भर के नगर निकायों में उसने 114 सीटों पर कब्जा किया है। पार्टी ने छत्रपति संभाजीनगर में 33, मालेगांव में 21, अमरावती में 15, नांदेड़ में 13, धुले में 10, सोलापुर में 8, मुंबई में 6, ठाणे में 5, जलगांव में 2 और चंद्रपुर में 1 सीट जीतीं। पार्टी के नेता शारिक नक्शबंदी ने कहा पिछले नगर निकाय चुनावों में 80 सीटें जीतने से पार्टी को शहरी मतदाताओं के मिजाज का अंदाजा हो गया था, जिससे उसे जीत हासिल करने में मदद मिली।

गौरी लंकेश का हत्यारोपी जालना से चुनाव जीता

जालना। पत्रकार एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता गौरी लंकेश की 2017 में हुई हत्या का आरोपी श्रीकांत पंगारकर शुक्रवार को जालना नगर निगम से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पार्षद का चुनाव जीत गया। उसने भाजपा के रावसाहेब धोबले को हराया।

मुंबई में भाजपा का पहला मेयर मराठी मानुष होगा

भाजपा ने मुंबई में अपना पहला मेयर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा ने वादा किया है कि महानगर को पहला मराठी मेयर मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का कोई मराठी मेयर पद संभालेगा।

ईडी कार्यालय पर पुलिस का छापा पूर्व नियोजित

- झारखंड हाईकोर्ट का केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश
- ईडी को सीआरपीएफ या बीएसएफ की सुरक्षा भी मुहैया कराने को कहा

रांची, एजेंसी

झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पर हाल में की गई पुलिस का छापा प्रथमदृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने ईडी की ओर से दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले में केंद्रीय एजेंसी को केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह सचिव को ईडी के कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ या किसी और अर्द्धसैनिक बल को तैनात करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति द्विवेदी ने रांची के एसएसपी राकेश रंजन को भी ईडी कार्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा, यदि ईडी कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा में कोई चूक होती है तो एसएसपी रांची को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार की ओर से एयरपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर ईडी अधिकारियों के खिलाफ पुलिस जांच पर भी रोक लगा दी। झारखंड पुलिस के ईडी के रांची कार्यालय पर छापे के खिलाफ संघीय एजेंसी

बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट पहुंची थी।

ईडी ने अपनी याचिका में कार्यालय में छापेमारी की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध करते हुए पुलिस पर संघीय एजेंसी के कामकाज में सीधा हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। ईडी के वकील ने अदालत से कहा कि केंद्रीय एजेंसी संतोष द्वारा 23 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। ईडी द्वारा अब तक नौ करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार द्वारा 12 जनवरी को शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिसकर्मियों ने बृहस्पतिवार को ईडी कार्यालय का दौरा किया और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली। संतोष ने आरोप लगाया था कि पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों ने उनकी पिटाई की थी।

श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण के लिए हुई पहली रजिस्ट्री

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार: मथुरा के वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में शुक्रवार को भूमि की पहली रजिस्ट्री हो गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से कॉरिडोर निर्माण का रास्ता साफ हुआ है।

कॉरिडोर निर्माण के लिए शुक्रवार को बिहारीपुरा क्षेत्र की संपत्ति संख्या- 25 के एक भाग (69.26 वर्ग मीटर) की रजिस्ट्री तहसीलदार सदर के पक्ष में की गई। यति गोस्वामी, अभिलाष गोस्वामी व अनिकेत गोस्वामी ने अपनी भूमि का विक्रय विलेख निष्पादित किया। कॉरिडोर वृंदावन व आसपास के क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। नए होटल, रेस्टोरेंट और दुकानें खुलने से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कॉरिडोर

- सुगम दर्शन का सपना होगा साकार, ब्रज क्षेत्र में बढ़ेगा पर्यटन व रोजगार

बनने के बाद बांके बिहारी के दर्शन आसान हो जाएंगे। यह प्रोजेक्ट वृंदावन की ऐतिहासिक पहचान सुरक्षित रखने के साथ तीर्थयात्रियों की जरूरतों को भी पूरा करेगा।

उच्चाधिकार प्राप्त समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार की अध्यक्षता में प्रशासन, पुलिस, पुरातत्व विभाग और गोस्वामी समाज के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति ने मंदिर के गोस्वामियों, सेवायतों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ निरंतर बैठकें कर सभी के सुझावों को इस योजना में शामिल किया है।

दुनिया भर में ठप हुईं एक्स और ग्रोक की सेवाएं

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग मंच 'एक्स' और इसके एआई चैटबॉट 'ग्रोक' की सेवाएं शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर ठप हो गईं। भारत सहित दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं ने इस तकनीकी खराबी की सूचना दी है।

- फीड रिफ्रेश न होने और पोस्ट करने की समस्याओं से जूझे उपयोगकर्ता

सेवाओं के ठप पड़ने पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, भारतीय समयानुसार रात करीब 8:40 बजे 'एक्स' के काम न करने की खबरें बड़ी संख्या में सामने आने लगीं। उपयोगकर्ताओं ने मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट दोनों में तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों के उपयोगकर्ताओं ने फीड रिफ्रेश करने और नए पोस्ट करने में आ रही दिक्कतों की शिकायत की। वेबसाइट पर 'कुछ गड़बड़ है, लेकिन घबराएं नहीं, इसमें आपका कोई दोष नहीं' का संदेश दिखता रहा।

सड़क पर किसान

किसान संगठनों और मजदूर एवं ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने बिजली विधेयक 2025, बीज विधेयक, वीबी-जी राम जी विधेयक के खिलाफ पटियाला में शुक्रवार को सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। ● एजेंसी

मचाडो का शांति नोबेल पदक ट्रंप को समर्पित

वाशिंगटन। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने बृहस्पतिवार को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट कर दिया।

कुछ ही दिन पहले अमेरिका की ओर से वेनेजुएला में सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने के बाद मचाडो ने यह फैसला लिया। मचाडो ने पदक के साथ संदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के लिए, शक्ति के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने, कूटनीति को आगे बढ़ाने और स्वतंत्रता एवं समृद्धि की रक्षा करने में आपके असाधारण नेतृत्व के लिए कृतज्ञता के तौर पर।'

ट्रंप बोले- थैंक्यू मारिया

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि मचाडो से मिलना उनके लिए सम्मान की बात है। ट्रंप ने कहा, वह एक बेहतरीन महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ झेला है। मारिया ने मेरे किए गए काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया।

यूपी बोर्ड: कक्षा 9 और 11 में व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य

लखनऊ/प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शैक्षिक सत्र 2026 से कक्षा 9 और 11 में व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य किया है। साथ ही आईटी, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, एप्पेरल व ब्यूटी एंड वेलनेस विषयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रम को विषय समितियों के अनुमोदन के बाद परिषद को सौंप दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक पाठ्यक्रम में तकनीकी जरूरतों, उद्योगों की अपेक्षाओं तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को केंद्र में रखते हुए व्यवहारिक व कौशलआधारित विषयवस्तु शामिल की गई है। परिषद का मानना है कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में कौशल विकास, और व्यावसायिक दक्षता को बढ़ावा देगी।

पहल | पारंपरिक व्यंजनों को ब्रांडिंग, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग से जोड़ेगी सरकार

एक जनपद–एक व्यंजन योजना शुरू करने का फैसला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक जनपद–एक व्यंजन योजना की तैयारी को लेकर योगी ने की समीक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 'एक जनपद–एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रांड यूपी को मजबूती देने में जिस तरह ओडीओपी ने भूमिका निभाई है, उसी तरह अब ओडीओसी प्रदेश की पारंपरिक पाक-विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करेगी।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को योजना की तैयारी को लेकर समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश का हर जिला अपने विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ सामने आए।

यही ओडीओसी योजना का मूल उद्देश्य है। यह पहल केवल खानपान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान को भी नई शक्ति देगी। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक जिले के विशिष्ट व्यंजनों को क्यूजीन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए सरकार निर्माताओं को प्रोत्साहन देगी।

ओडीओसी के तहत जिले के विशिष्ट रंग, प्रतीक और शैली के साथ लोगो, हर व्यंजन के साथ उसकी संस्कृति, इतिहास और विधि दर्शाने वाली प्रोडक्ट स्टोरी, फूड-ग्रेड, इको-फ्रेंडली पैकेजिंग, शेल्फ-लाइफ बढ़ाने की आधुनिक तकनीक, क्यूआर कोड, न्यूट्रिशन लेबल, बारकोड और ड्यूल-लैंग्वेज लेबलिंग को अनिवार्य किया जाएगा।

कारीगरों और हलवाइयों को मिलेगा स्थाई रोजगार

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ओडीओसी को ओडीओपी की तर्ज पर जमीनी स्तर पर लागू किया जाए, ताकि पारंपरिक कारीगरों, हलवाइयों और छोटे उद्यमियों को स्थाई आजीविका मिल सके। गुणवत्ता, स्वच्छता और फूड सेफ्टी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सभी उत्पादों को खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया जाएगा और जीआई टैगिंग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने युवाओं और आधुनिक उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए स्वाद में नवाचार और विविधता विकसित करने पर विशेष जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

गौतमबुद्धनगर के जिला आबकारी अधिकारी निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : मदिरा दुकानों पर ओवररेटिंग के मामलों में आबकारी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल के निर्देश पर गौतमबुद्धनगर के जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। मदिरा दुकानों पर तय दर से अधिक मूल्य वसूले जाने की लगातार मिल रही शिकायतों को शासन द्वारा गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई।

मतदाता सूची पर चार दिवसों में होगी सुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अंतर्गत मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से जनमानस की हर शिकायत का समाधान किया जाएगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत चार विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक निर्धारित है। इस दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए 18 जनवरी (रविवार), 31 जनवरी (शनिवार) एवं 1 फरवरी (रविवार) को प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा।

अयोध्या के नाविक सुनाएंगे राम कथा

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या में लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या और सरयू नदी में नौकायन की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उप्र. पर्यटन विभाग ने नाविकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में नाविकों को सरयू में सुरक्षित नौकायन के साथ-साथ राम कथा और अयोध्या की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को पर्यटकों तक पहुंचाने की जानकारी दी जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान (एमकेआईटीएम) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के सहयोग से 15 से 17 जनवरी तक अयोध्या में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

हर जिले में बनेगा सरदार पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन

मुख्यमंत्री योगी ने समीक्षा बैठक में कार्ययोजना को दी सैद्धांतिक मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औद्योगिक विकास को रोजगार और कौशल से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' की कार्ययोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। उन्होंने समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश को केवल निवेश का गंतव्य नहीं, बल्कि स्थायी रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता का केंद्र बनाया जाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल जमीनी स्तर पर युवाओं को अवसर देने, स्थानीय प्रतिभाओं को उद्योग से जोड़ने और जिला स्तर पर आत्मनिर्भर आर्थिक ढांचा विकसित करने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने सभी जिलों में इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रोजगार एवं कौशल विकास केंद्र में ओडीओपी उत्पादों के लिए डिस्प्ले जोन बनेगा। प्रशिक्षण और सेमिनार हॉल, मीटिंग व कॉन्फ्रेंस सुविधाएं, जिला उद्योग केंद्र, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, जिला रोजगार कार्यालय, कॉमन सर्विस सेंटर और बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अपने सरकारी आवास पर शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

एक जनपद–एक व्यंजन योजना शुरू करने का फैसला

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 'एक जनपद–एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रांड यूपी को मजबूती देने में जिस तरह ओडीओपी ने भूमिका निभाई है, उसी तरह अब ओडीओसी प्रदेश की पारंपरिक पाक-विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को योजना की तैयारी को लेकर समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश का हर जिला अपने विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ सामने आए। यह पहल केवल खान-पान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान को भी नई शक्ति देगी। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक जिले के विशिष्ट व्यंजनों को क्यूज़ीन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए सरकार निर्माताओं को प्रोत्साहन देगी। ओडीओसी के तहत जिले के विशिष्ट रंग, प्रतीक और शैली के साथ लोगो, हर व्यंजन के साथ उसकी संस्कृति, इतिहास और विधि दर्शाने वाली प्रोडक्ट स्टोरी, फूड-ग्रेड, इको-फ्रेंडली पैकेजिंग, शेल्फ-लाइफ बढ़ाने की आधुनिक तकनीक, क्यूआर कोड, न्यूट्रिशन लेबल, बारकोड और ड्यूल-लैंग्वेज लेबलिंग को अनिवार्य किया जाएगा।

यह केंद्र युवाओं, उद्यमियों और निवेशकों के लिए वन-स्टॉप सपोर्ट सिस्टम के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना को ओडीओपी, एमएसएमई और कौशल विकास योजनाओं के साथ समन्वय बनाकर लागू किया जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों, उद्योगों और युवाओं को एक साझा मंच मिले।

50 एकड़ में विकसित होगा जोन : बैठक में अवगत कराया गया कि योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 50 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल में सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित किया जाएगा। यह जोन एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल और एम्प्लॉयमेंट इकोसिस्टम के रूप में कार्य करेगा, जहां उद्योग, प्रशिक्षण, सेवाएं और रोजगार से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। हर जोन में जी-3 भवन में 'सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं कौशल विकास केंद्र' की स्थापना की जाएगी।

164 मिनरल वाटर इकाइयों के लाइसेंस होंगे निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : जांच अभियान के तहत 164 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एवं पैकेज्ड मिनरल वाटर प्रसंस्करण इकाइयों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के कारण उनके खाद्य लाइसेंस निलंबित कर खाद्य व्यवसाय बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर 104 प्रसंस्करण इकाइयों को सुधार सूचना जारी करने का निर्णय लिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने प्रदेशभर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एवं पैकेज्ड मिनरल वाटर की प्रसंस्करण इकाइयों पर एक साथ प्रवर्तन अभियान चलाया। यह अभियान उप्र. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के निर्देश पर गठित अंतरजनपदीय टीमों द्वारा चलाया गया है।

रुपये लेकर पट्टा करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : योगी

- जनता दर्शन में अफसरों को मुख्यमंत्री की दो टूक
- कहा- गरीबों के हक से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि पट्टा आवंटन के नाम पर हो रही अवैध वसूली को लेकर अधिकारियों को कड़े और स्पष्ट शब्दों में चेताया है। उन्होंने कहा कि जिस भी गांव या तहसील में रुपये लेकर पट्टा देने की शिकायत मिले, वहां तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। गरीबों के अधिकारों से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सीएम खुद कुर्सियों तक पहुंचे, फरियादियों की बात ध्यान से सुनी और उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान भूमि पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत सामने आते ही मुख्यमंत्री का रुख सख्त हो गया। एक महिला ने गांव में गरीबों के पट्टे के बदले अवैध वसूली का आरोप लगाया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय कर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी चाहे राजस्व कर्मी हो या कोई अन्य, उसे बख्शा न जाए।

अपराध से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। आर्थिक तंगी के कारण बेटी की शादी को लेकर चिंतित एक महिला को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि उसकी बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराया जाएगा।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वालों से मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। जरूरतमंदों के इलाज का एस्टीमेट शीघ्र बनवाकर उपलब्ध कराया जाए, सरकार तत्काल धन जारी करेगी।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं परखेंगी 'हर घर जल' योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जल जीवन मिशन के तहत लागू 'हर घर जल' योजना ने ग्रामीण जीवन की दशा और दिशा दोनों में व्यापक बदलाव किया है। अब इस परिवर्तन की वास्तविक और दीर्घकालिक तस्वीर सामने लाने के लिए प्रदेश के विभिन्न मंडलों में इंपैक्ट असेसमेंट कराया जा रहा है। इस अध्ययन में केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के साथ आईआईटी मद्रास तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं शामिल होंगी। फिलहाल लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी सहित प्रदेश के 11 मंडलों में प्रभाव आकलन की प्रक्रिया चल रही है। इस अध्ययन के निष्कर्ष भविष्य की जल नीतियों और ग्रामीण विकास की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अनुरोध पर हो रहा यह आकलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और आजीविका जैसे संकेतकों पर केंद्रित है। इससे पहले झांसी, चित्रकूट और गोरखपुर मंडलों में कराए गए अध्ययनों में भी नल से जल की आपूर्ति का सकारात्मक सामाजिक असर दर्ज किया जा चुका है।

इन मंडलों में भी जल्द शुरू होगा आकलन : मुरादाबाद, आगरा, मेरठ और देवीपाटन मंडलों में भी शीघ्र ही केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों तथा अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्थाओं के माध्यम से इंपैक्ट असेसमेंट शुरू किया जाएगा। इसके लिए संबंधित संस्थाओं से समन्वय की प्रक्रिया जारी है।

गृह परिक्षेत्र में तैनाती नहीं, बदले नियम

- उप्र. पुलिस की तबादला नीति में बड़ा बदलाव, 2019 के बाद भर्ती कर्मियों के लिए सख्त नियम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. पुलिस मुख्यालय ने विभागीय स्थानांतरण नीति में बड़ा और दूरगामी बदलाव किया है। इसका आदेश बुधवार 14 जनवरी को जारी किया गया। नई व्यवस्था के तहत वर्ष 2019 बैच तक भर्ती हुए उप निरीक्षक और आरक्षियों के सामान्य मामलों में अनुकंपा के आधार पर स्थानांतरण पर विचार किया जाएगा। वहीं, इसके बाद भर्ती हुए कर्मियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस स्थापना बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अब कोई भी निरीक्षक या उप निरीक्षक अपने गृह परिक्षेत्र, गृह जनपद या सीमावर्ती जनपद में तैनात नहीं किया जाएगा। नीति में किया गया यह बदलाव निरीक्षकों और उप निरीक्षकों की तैनाती से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को स्थानीय प्रभाव, दबाव और संभावित हितों के टकराव से दूर रखना है, ताकि उनकी कार्यप्रणाली निष्पक्ष बनी रहे और कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखा जा सके। नई व्यवस्था के तहत किसी भी स्थानांतरण अनुरोध के लिए पुलिसकर्मियों को डीजीपी मुख्यालय, लखनऊ में उपस्थित होकर अपनी पूरी सेवा विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्यालय में उपस्थिति की अनुमति भी निर्धारित शर्तों के अधीन ही दी जाएगी। इन सख्त नियमों का उद्देश्य व्यक्तिगत अनुरोधों को नियंत्रित करना और विभाग में एक समान, जवाबदेह व प्रभावी तैनाती व्यवस्था स्थापित करना है। अनुकंपा स्थानांतरण को लेकर भी नियमों में बदलाव किया गया है। वर्ष 2019 बैच तक भर्ती उप निरीक्षकों और आरक्षियों के सामान्य मामलों में पूर्व की तरह अनुकंपा के आधार पर तबादले पर विचार किया जा सकेगा। हालांकि वर्ष 2019 के बाद भर्ती हुए उप निरीक्षक और आरक्षियों के लिए अनुकंपा स्थानांतरण की सुविधा केवल पति-पत्नी के मामलों तक सीमित कर दी गई है, बशर्ते दोनों पुलिस विभाग में कार्यरत हों। ऐसे मामलों में आवेदन के साथ पति और पत्नी दोनों के पुलिस परिचय पत्र की पठनीय छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा, ताकि पात्रता की पुष्टि की जा सके। विभाग का मानना है कि इससे पारिवारिक परिस्थितियों और विभागीय आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा।

कानपुर में सर्राफ को ठगने वाले दो शातिर गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी

कानपुर की कर्नलगंज व सर्विलांस सेन्ट्रल जोन की टीम ने सर्राफा कारोबारी के साथ टप्पेबाजी के आरोपी दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच लाख रुपये की नगदी बरामद की।

पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि आगरा के निवासी देवेन्द्र गुप्ता (33) और आकाश अग्रवाल (32) को पुलिस ने गुरुवार देर रात एक सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच लाख रुपये की नगदी बरामद की। गिरफ्तार बदमाशों पर आरोप है कि उन्होने कानपुर के एक प्रतिष्ठित आभूषण प्रतिष्ठान बैजनाथ ज्वैलर्स पर पिछले साल 18 अक्टूबर को चांदी की सिल्ली ली थी और बाद में सिल्ली में छेद कर उसमे रांगा और धूल भर कर इस तर्क के साथ वापस की कि उन्हे इसके एवज में सोने के सिक्के चाहिये। उन्होने बताया कि धनतेरस के मौके पर उमड़ी भीड़ का फायदा उठाते हुये ठगों ने सर्राफ के चूना लगा दिया। मामले का पता चलते ही पुलिस सक्रिय हुयी और इस कड़ी में ठगों के गिरोह के पांच सदस्यों को धर दबोचा गया।

निधन/शवयात्रा

नैनं छिन्दन्ति शास्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न नैनं क्लेदयन्त्यापो न शोष्यति मारूतः।।
इस आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते और अग्नि इसे जला नहीं सकती
जल इसे गीला नहीं कर सकता वायु इसे सुखा नहीं सकती

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पति
डॉ. आर. पी. गुप्ता
का आकस्मिक निधन दि. 16.01.2026 को सायं 7.30 बजे हो गया है।
जिनकी अन्तिम यात्रा आज दि. 17.01.2026 (शनिवार)
दोपहर 3.30 बजे हमारे निज निवास 46, मेकनियर रोड, प्रेमनगर से
सिटी श्मशान भूमि, बरेली को प्रस्थान करेगी।

शोकाकुल परिवार
श्रीमती सुषमा गुप्ता (पत्नी)

पुत्र-पुत्रवधू : रितेश मोहन-पूजा गुप्ता, हिमांशू-मिष्ठी गुप्ता
पुत्री-दामाद : शिप्रा-शरद अग्रवाल
भाई : राम कृष्ण अग्रवाल
भतीजा-भतीजवधू : संचित-शालू अग्रवाल
पौत्र-पौत्री एवं धेवता-धेवती : सार्थक, मानसी, राघव, शिवांश, श्रेष्ठ, केशव, अर्पण

प्रतिष्ठान
मेदांता लैब, 35 वी/3, रामपुर गार्डन, बरेली। मो. 8909003294
संजीवनी मेडिकोज (रिटेल), डॉ. शरद अग्रवाल क्लीनिक, ब्रजलोक कालोनी, पीलीभीत रोड, बरेली, मो. 9548843711
दिनेश नर्सिंग होम, सिकलापुर, बरेली।
रामा मेडिकोज (होलसेल), 46, मेकनियर रोड, बरेली, मो. 9761915607
रामा मेडिकोज (रिटेल), रजत लंग केयर सेन्टर, 45-ए, मेकनियर रोड, बरेली, मो. 9761915607
राधिका क्रियेशन (बुटिक), 46, मेकनियर रोड, बरेली, मो. 7520170929

स्मार्ट एप करेगा बिजली उपभोक्ताओं की सभी शिकायतों का समाधान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बिजली के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने यूपीपीसीएल स्मार्ट एप लॉन्च किया है। यह ऐप बिजली से जुड़ी लगभग सभी समस्याओं का एक ही मंच पर समाधान मुहैया कराएगा। इसके चलते अब उपभोक्ताओं को न तो बिजली ऑफिसों के चक्कर लगाने पड़ेंगे, और न ही बिल, रीडिंग या शिकायत को लेकर परेशानी उठानी होगी। यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप डाउनलोड करने के बाद उपभोक्ता प्रतिदिन की बिजली खपत, मौजूदा बैलेंस और रिचार्ज की जानकारी रियल टाइम में देख सकते हैं। इससे वे अपनी खपत पर नियंत्रण रख सकते हैं और समय रहते रिचार्ज कर बिजली कटने से बच सकते हैं। ऐप के जरिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर का रिचार्ज, बैलेंस चेक, भुगतान की रसीद, बिजली कटौती की शिकायत, कनेक्शन कटवाने के लिए अपील और अन्य सेवाएं आसानी से पा सकते हैं। एप पर रजिस्ट्रेशन के लिए उपभोक्ता को केवल अपना 10 अंकों का खाता नंबर और पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करना होता है। ओटीपी सत्यापन के बाद यूजरनेम और पासवर्ड बनाकर लॉगिन किया जा सकता है।

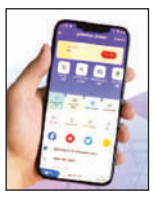

न्यायमूर्तियों की हाईराइज फ्लैट योजना निरस्त

- पांच वर्ष पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्तियों के लिए प्रस्तावित की गई थी आवासीय परियोजना
- 141.06 करोड़ से तीन ब्लॉकों में 42 फ्लैटों का होना था निर्माण, 35.26 करोड़ वापसी का आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों के लिए प्रयागराज स्थित सिविल लाइंस के प्लॉट संख्या-19 पर प्रस्तावित हाईराइज आवासीय परियोजना को औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस संबंध में न्याय विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, वर्ष 2020 में दी गई प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति को वापस लेते हुए अब तक जारी पहली किस्त की धनराशि 35.2656 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) राजकोष में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की आवासीय समस्या को देखते हुए नवंबर 2020 में हुई कैबिनेट बैठक में प्रयागराज में प्लाट संख्या-19 क्लाइव रोड पर भूतल और 7 मंजिल भवन के तीन ब्लॉक बनाने की स्वीकृति दी गई थी। इन तीनों ब्लॉक में कुल 42 फ्लैट बनने थे, इसके निर्माण पर 141 करोड़ 6 लाख 23 हजार रुपये खर्च आंका गया था। इन आवासीय भवनों में फाल्स सीलिंग, सेंट्रल एसी आदि की सुविधाएं देनी थीं। इसे लोक निर्माण विभाग के जरिये ईपीसी मोड में बनाया जाना था। न्याय विभाग की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि सम्यक विचार के बाद पूर्व स्वीकृति को निरस्त किया जा रहा है और जारी धनराशि की वापसी अनिवार्य होगी।

अब बनेंगे 14 बंगले

हाईराइज योजना निरस्त होने के साथ ही सरकार ने उसी प्लॉट पर नई आवासीय रणनीति अपनाई है। अब न्यायमूर्तियों के लिए 14 स्वतंत्र बंगलों के निर्माण की योजना आगे बढ़ाई जा रही है। परियोजना के मुताबिक, हाईराइज फ्लैट्स की जगह कम ऊंचाई वाले स्वतंत्र आवास (बंगले) बनेंगे। इसके लिए जून 2025 में जीएस एक्सप्रेस को ईपीसी मोड पर सबसे कम बोलीदाता घोषित किया गया। इसकी अनुमानित लागत लगभग 49 करोड़ रुपये है। सभी बंगले 18 महीने में तैयार करने होंगे। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि बंगलों का मॉडल कानूनी रूप से अधिक सुरक्षित, लागत में कम और उपयोगिता की दृष्टि से व्यावहारिक है।

बढ़ते कदम | प्रदेश में औद्योगिक विस्तार को नई रफ्तार, 3 .5 हजार करोड़ रुपये निवेश की संभावना

डिफेंस कॉरिडोर में एक हजार एकड़ भूमि के आवंटन की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के अंतर्गत पाइपलाइन में मौजूद निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए लगभग 1000 एकड़ अतिरिक्त भूमि के आवंटन की तैयारी की जा रही है। योगी सरकार की डिफेंस इंडस्ट्रियल नीति, तेज निर्णय प्रक्रिया और सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते देश-विदेश की कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं। उपलब्ध प्रस्तावों के अनुसार, विभिन्न नोड्स में भूमि आवंटन के माध्यम से करीब 3.5 हजार करोड़ के निवेश की संभावना है, जिससे औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बल मिलेगा।

यूपीडीआईसी के अंतर्गत झांसी नोड निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। यहां गुडलक एस्ट्रा द्वारा 247 एकड़ भूमि पर 1000 करोड़ तथा रेडवुड ह्यूजेस द्वारा 247 एकड़ भूमि पर 700 करोड़ के निवेश प्रस्तावित हैं। इसके अलावा सिटाडेल और गुरुत्वा जैसी कंपनियां भी डिफेंस एवं एलाइड मैन्युफैक्चरिंग में निवेश के लिए आगे आई हैं। झांसी में प्रस्तावित यह निवेश बुंदेलखंड को डिफेंस इंडस्ट्रियल क्लस्टर के रूप में विकसित करने के राज्य सरकार के विजन को मजबूती देगा और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देगा।

अलीगढ़ फेज–2 नोड में स्पेसकेम, मराल और जी–1 ऑफशोर जैसी कंपनियों द्वारा केमिकल, ऑफशोर और डिफेंस सपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग में निवेश प्रस्तावित है। चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा 209.95 एकड़ भूमि पर 672 करोड़ का निवेश प्रस्ताव है। साथ ही आईजी ड्रोन्स द्वारा ड्रोन टेक्नोलॉजी सेक्टर में 100 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है, जिससे चित्रकूट को डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्रोन टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम बढ़त मिलेगी। लखनऊ नोड में नेक्सा मुंबई, इंद्रप्रस्थ और प्रोमोटेक जैसी कंपनियों द्वारा कम भूमि में उच्च तकनीक आधारित यूनिट्स प्रस्तावित हैं, जो डिफेंस सप्लाई चेन, टेक्नोलॉजी और सपोर्ट सिस्टम को मजबूती देंगी।

- झांसी, अलीगढ़, चित्रकूट और लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर बना निवेशकों की पहली पसंद

रोजगार, आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया को बल

प्रस्तावित भूमि आवंटन से हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय एमएसएमई और स्टार्टअप्स को डिफेंस सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा और डिफेंस उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी सशक्त करेगी।

महिला ने पांच माह की बेटी के साथ कुंए में कूदकर जान दी

प्रयागराज, एजेंसी: जिले के यमुना नगर में कौंधियारा थानाक्षेत्र के बड़गौना खुर्द गांव में शुक्रवार को एक महिला ने पांच माह की अपनी बेटी के साथ एक कुंए में कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या कर ली।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी-कौंधियारा) अब्दुस सलाम खान ने बताया कि यह सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से महिला और उसकी बच्ची के शव को कुंए से बाहर निकाला। खान के अनुसार मृत महिला की पहचान सोनम पटेल (25) के रूप में की गई है। एसीपी ने बताया कि मृत महिला के भाई ने उसके पति शिव बाबू और शिव बाबू के बहनोई लक्ष्मण पटेल के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी ।

न्यूज ब्रीफ

जर्मन शेफर्ड ने बालिका को घायल किया

बलिया, एजेंसी : जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव में जर्मन शेफर्ड कुत्ते के हमले में नौ वर्षीया एक बालिका घायल हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सोनबरसा के चिकित्साधिकारी डॉ आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि वाजिदपुर गांव के निवासी बबलू सिंह की नौ वर्षीया पुत्री प्रतीक्षा पर बृहस्पतिवार की सुबह उसके पड़ोसी के जर्मन शेफर्ड कुत्ते ने हमला कर दिया। पांचवी कक्षा की छात्रा प्रतीक्षा मोबाइल फोन से कुत्ते का फोटो खींच रही थी कि तभी कुत्ते ने अचानक उस ऊपर हमला कर दिया।

557 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर,एजेंसी : जिले के नकुड थानाक्षेत्र में पुलिस एवं 'एएनटीएफ' की संयुक्त टीम ने एक कथित नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 557 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड 25 लाख रुपये है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आशीष तिवारी ने बताया कि आरोपी आमिर को घाटमपुर तिराहे से गिरफ्तार किया जो बरेली जनपद के कादरगंज गांव का रहने वाला है।

बेटे की हत्या के जुर्म में मां, प्रेमी को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर,एजेंसी : प्रयागराज की जिला अदालत ने एक नाबालिग लड़के की हत्या के जुर्म में शुक्रवार को एक महिला और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सज़ा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मुनेश देवी ने सात अगस्त, 2022 को सत्येंद्र की मदद से अपने बेटे आशीष की गला घोंटकर हत्या कर दी थी और बाद में शव को बुढ़ाना थानाक्षेत्र के कुरथल गांव में एक ट्यूबवेल के पानी की टंकी में फेंक दिया था।

दो पैनकार्ड मामले में 21 को होगी सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म की दो पैनकार्ड मामले में मिली सजा के खिलाफ दायर अपील पर शुक्रवार को सेशन कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई, कोर्ट ने 21 जनवरी अगली तिथि दे दी है। इस दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) सीमा राणा अदालत में आपत्ति दाखिल की। इसमें अपील को खारिज करने की मांग की गई।

चावल से भरा ट्रक बेचने में दो भाई गिरफ्तार

संभल/बहजोई, अमृत विचार : बहजोई थाना पुलिस ने व्यापारी से लाखों रुपये की ठगी कर चावल से भरा ट्रक बेचने के मामले में गिरोह का पर्दाफाश कर मेरठ के रहने वाले दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने मुजफ्फरनगर के रहने वाले अपने साथी के साथ मिलकर 888 बोरे चावल से लदे ट्रक को गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय रास्ते में बेच दिया था। घटना का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा ने बताया कि बहजोई निवासी व्यापारी लोकेश ने 23 नवंबर 2025 को अपनी फर्म श्याम ऑयल एंड राइस मिल से 888 कट्टे चावल ट्रक में लदवाकर कुरुक्षेत्र हरियाणा भेजे थे। कई दिन बाद तक भी ट्रक हरियाणा के व्यापारी के पास नहीं पहुंचा तो लोकेश को संदेह हुआ। चालक और मालिक से संपर्क करने का प्रयास किया तो दोनों के मोबाइल बंद मिले। इसके बाद व्यापारी लोकेश ने बहजोई थाने पर मुकदमा दर्ज कराया।

ड्रोन उड़ाना, रील बनाना या फिल्मांकन करना पूर्णत प्रतिबंधित

हर की पौड़ी पर लगे अहिंदू निषेध क्षेत्र के बोर्ड

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू क्षेत्र घोषित करने तथा उसके तहत आने वाले सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों को गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किए जाने की मांग के बीच शुक्रवार को हर की पौड़ी पर 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगा दिए गए।

श्री गंगा सभा ने इस प्रकार के एक दर्जन से ज्यादा बोर्ड हर की पौड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों, पुलों की रेलिंग और खंभों पर लगाए हैं। ड्रोन उड़ाने, फिल्मी धुनों पर रील बनाने या किसी भी तरह के फिल्मांकन को भी प्रतिबंधित किया गया है। नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई सामग्री यदि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध गंगा सभा कानूनी कार्रवाई करेगी।

वैसे मुख्य स्नान घाट हर की पौड़ी समेत आसपास का क्षेत्र हरिद्वार नगर पालिका अधिनियम 1916 के अनुसार पहले ही गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित है लेकिन तीन दिन पूर्व कंदूरा (अरब के शेखों का लिबास) पहनकर दो युवकों के हर की पौड़ी क्षेत्र में घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद गंगा सभा ने ये बोर्ड लगाए हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि ये दोनों युवक हिंदू थे और अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो बनाने आए थे।

गंगा सभा ने अगले साल होने वाले अर्धकुंभ से पहले पूरे हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों, मंदिरों और गंगा घाटों को गैर हिंदुओं के लिए प्रतिबंधित करने की मांग उठाई है जिस पर धामी सरकार भी गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि हरिद्वार नगर पालिका उपनियम 1916 के अनुसार, हरकी पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इस उपनियम के बारे में सभी को जानकारी देने के लिए इस तरह का बोर्ड लगाया गया है। यह कदम कानून और परंपराओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि तीर्थ क्षेत्र की मर्यादा बनी रहे और किसी भी तरह का भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो। हरिद्वार के नगर आयुक्त नंदन कुमार ने भी कहा कि हरिद्वार नगर पालिका के वर्ष 1916 के उपनियम में हर की पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू का प्रवेश वर्जित है।

लोन चुकाए बिना फर्जी कागजों से बेच दी कार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : उत्तराखंड के युवक को स्थानीय युवक ने फर्जी कागजात से धोखा देकर लोन होने के बावजूद फर्जी कागजात बनवा कर वैगन आर कार बेच दी। एक लाख 83 हजार की बकाया जमा करने को कहा तो विक्रेता ने धमकाया। पुलिस से शिकायत करने पर जांच शुरू कर दी गई।

उत्तराखंड के थाना जसपुर क्षेत्र के रामनगर बन निवासी जाहिद हुसैन पुत्र जाबिर हुसैन ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि नगर के मोहल्ला फतह उल्ला गंज निवासी युवक ने उसे 3 लाख 40 हजार रुपयों में वैगन आर कार बेची थी। उस समय बताया गया कि कार पर कोई लोन नहीं है। जब उसने कार अपने नाम कराने का प्रयास किया तो जानकारी मिली कि कार पर एक लाख 83 हजार रुपयों का लोन बकाया है।

जानवर के टकराने पर पटरी से उतरा मालगाड़ी का डिब्बा

संवाददाता, बदायूं

- उझानी क्षेत्र के बितरोई हाल्ट पर हुई दुर्घटना, रोकी गई ट्रेन
- कासगंज से क्रेन मंगवाकर डिब्बे को सीधा किया गया

अमृत विचार : कोतवाली उझानी क्षेत्र में बरेली से कासगंज की ओर से जा रही मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतार गया। काफी देर तक ट्रेनों का संचालन बाधित रहा। बताया जा रहा है कि किसी जानवर के कटने की वजह से हादसा हुआ था। देर रात तक कासगंज से क्रेन मंगवाकर डिब्बे को सीधा किया गया। हादसे की वजह से ट्रेनों का संचालन बाधित रहा।

हादसा शुक्रवार रात लगभग सवा 9 बजे उझानी क्षेत्र में बितरोई हाल्ट और रियोनिया के बीच हुआ। घने कोहरे से गुजरने के दौरान बरेली से कासगंज की ओर जाने वाली मालगाड़ी का पिछला डिब्बा पटरी से उतरकर गिर गया। जिससे ट्रेन रुक गई। मौके पर आसपास से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बताया जा रहा है कि ट्रेन के आगे अचानक जानवर आने की वजह से चालक ने ब्रेक लगाए थे। जिससे हादसा हुआ। जानवर भी ट्रेन से कट गया था। हादसे की जानकारी रेलवे के आलाधिकारियों को दी गई। जिसके बाद रेल लाइन पर ट्रेन का आवागमन बाधित हुआ।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोया परिवार, दो बच्चों की मौत

परिवार के तीन सदस्यों का निजी अस्पतालों में किया जा रहा उपचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : शीतलहर से बचने के लिए गुरुवार रात पति-पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए थे। शुक्रवार सुबह कमरे का दरवाजा खुलने पर पति को छोड़कर सभी लोग दम घुटने के कारण बेहोशी की हालत में थे। उपचार के दौरान दंपती के बेटे व बेटी को मृत घोषित कर दिया हैं। महिला को मेरठ रेफर कर दिया गया है। परिवार के तीनों सदस्यों का उपचार चल रहा है।

थाना छजलैट क्षेत्र के नायरा पेट्रोल पंप के पास जावेद पुत्र फारूख अपने परिवार के साथ रहता है। वह गुरुवार रात ठंड से बचने के लिए अपनी पत्नी शाहिस्ता तथा अपने पुत्र शिफान 6 वर्ष, आहिल 4 वर्ष, आयरा 3 वर्ष के साथ कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोया था। शुक्रवार सुबह 9 बजे दूसरे कमरे में सोए जावेद के भतीजे सलाउद्दीन व साला आमिर खान निवासी थाना व कस्बा चांदपुर बिजनौर ने जब उनका कमरा बंद देखा तब दरवाजा खटखटाया। तब जावेद ने अर्धमूर्छित अवस्था में किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला। जबकि आग से कमरे में गैस के कारण दम घुटने से परिवार के अन्य चारों लोग अचेत अवस्था में थे। अचेत अवस्था में परिवार के पांच सदस्यों को छजलैट में निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक ने आहिल चार वर्ष एवं आयरा 3 वर्ष को मृत घोषित कर दिया। उपचार के लिए शाहिस्ता को मुरादाबाद के उपरांत मेरठ में भर्ती कराया है। परिवार के शेष सदस्यों का उपचार चल रहा है। एएसपी अभिनव द्विवेदी एवं थाना अध्यक्ष प्रदीप सिंह सहरावत ने मौका मुआयना किया। परिवार के मुखिया ने किसी कार्रवाई से इनकार किया है।

रोत बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

मृत बच्चे आहिल और आयरा।

मौसम का यूटर्न कोहरे ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। कोहरे के बढ़ते असर और धूप के देर से निकलने के कारण ठंड, ठिठुरन और गलन का अहसास तेज हो गया है। शुक्रवार की सुबह कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। सड़कों और हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के करीब 75 प्रतिशत जिलों में घने से अत्यंत घने कोहरे के साथ शीत दिवस की संभावना जताई है।

कोहरे के कारण न्यूनतम तापमान में भले ही कुछ जिलों में आंशिक बढ़ोतरी दर्ज की गई हो, लेकिन सूरज की गैरमौजूदगी ने ठंड की तीव्रता बढ़ा दी। शुक्रवार को हरदोई, कानपुर, नजीबाबाद, अयोध्या और बिजनौर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। मुजफ्फरनगर में 4.1, मुरादाबाद में 4.2, अलीगढ़ में 4.4, फुर्सतगंज में 4.6, गोरखपुर में 4.7 और बरेली में 4.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

खेल प्रतिभाओं को तराशें शिक्षण संस्थान : मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशने का कार्य करें। उन्होंने कहा, इससे न केवल युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन विकसित होगा, बल्कि खेल भावना के जरिए उन्हें नशे और सामाजिक विकृतियों से भी दूर रखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा खेलेगा तो खिलेगा। यही युवा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने से युवाओं में आत्मविश्वास, टीम भावना और अनुशासन आता है। स्वस्थ शरीर से ही जीवन के सभी साधन प्राप्त किए जा सकते हैं। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है।

उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी।

खिलाड़ियों को अभी से करनी होगी तैयारी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स गुजरात में प्रस्तावित हैं और वर्ष 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत प्रयासरत है। ऐसे में राज्यों और खिलाड़ियों को अभी से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयारी करनी होगी। मुख्यमंत्री ने गुब्बारे उड़ाकर और बास्केटबॉल कोर्ट में बॉल उछालकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले यूपी के खिलाड़ी को 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। ओलंपिक में एकल स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये और क्लास-वन नौकरी, जबकि टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर तीन करोड़ रुपये का प्रावधान है।

रजत और कांस्य पदक विजेताओं सहित एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को भी आकर्षक पुरस्कार दिए जाते हैं। अब तक 500 से अधिक पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।

मथुरा स्टेशन से अपहृत मासूम को पुलिस ने 14 घंटे में कराया मुक्त

मथुरा, एजेंसी

- प आरोपी को भी दबोच कर सलाखों के पीछे डाला

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात चार साल के मासूम के अपहरण पर त्वरित कार्रवाई करते हुये राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने वारदात के महज 14 घंटे के भीतर अपहृत को न सिर्फ मुक्त कराया बल्कि आरोपी को भी दबोच कर सलाखों के पीछे डाल दिया। पुलिस ने बताया कि 15 जनवरी को पीड़ित पिता ने जीआरपी थाने में सूचना दी कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनके चार साल के बेटे को गोद में उठाकर ले गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी मथुरा जंक्शन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और तत्काल पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक रेलवे आगरा के निर्देशन में गठित टीम ने स्टेशन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने धौली प्याऊ क्रॉसिंग के पास घेराबंदी की और अभियुक्त बबली माहौर को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी राजस्थान के भरतपुर जिले के थाना अटलबंध क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। जीआरपी टीम ने मासूम बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द किया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य को अंजाम देने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह, आरपीएफ प्रभारी उपदेश कुमार कौशिक और उनकी संयुक्त टीम शामिल रही।

दुष्कर्म कर वीडियो बनाने में दोषी दंपत्ती को 20-20 साल की सजा

बदायूं, अमृत विचार : नाबालिग लड़की को घर पर खाना बनाने के बहाने से बुलाने, दुष्कर्म करने, वीडियो बनाने और सोशल साइट्स पर डालने के आरोपी पति-पत्नी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष संख्या दो के न्यायाधीश नीरज कुमार गर्ग ने दोषी पाया है। दोषियों को 20-20 साल के कठोर कारावास और 75-75 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के लिए रूप में देने का आदेश दिया है।

मुकदमा की वादिनी की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार 12 जुलाई 2022 की शाम लगभग 7 बजे उनकी पड़ोसन सीता देवी ने उनकी 16 साल की बेटी को रोटी सेंकने के लिए बुलाया था। खाना बनाते समय सीता देवी ने मोबाइल फोन देखने के बहाने उनकी बेटी को बुलाया और चारपाई पर गिरा दिया। इसी समय सीता देवी का पति अर्जुन आ गया।

प्रभात फेरी को लेकर बवाल, लाठीचार्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रभात फेरी का रूट बदलने को लेकर इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्योर कासिमाबाद में बवाल हो गया। पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने आ गए। जमकर धक्का-मुक्की हुई। ग्रामीणों ने पुलिस पर लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया।

जिससे लगभग दो दर्जन ग्रामीण घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे एडीएम प्रशासन अरुण कुमार व एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने अपने सामने प्रभात फेरी निकलवाई। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में पुलिस बल और पीएसी तैनात की गई है। ग्रामीणों ने मार्ग की अनुमति देने के लिए एसडीएम बिसौली राशि कृष्णा को प्रार्थना पत्र दिया है। अनुमति के बाद ही रूट निर्धारित होगा।

दो दिनों से गांव में प्रभात फेरी के रूट को लेकर विवाद हो रहा है। गुरुवार को विवाद के बाद ग्रामीणों को थाने बुलाकर समझाया गया था कि प्रभात फेरी निर्धारित रूट से ही निकाली जाएगी। शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे ग्रामीण प्रभात फेरी निकाल रहे थे। निर्धारित से दूसरे रूट की शिकायत पर पुलिस गांव पहुंची और ग्रामीणों से झड़प होने लगी।

हंगामा हुआ और धक्का-मुक्की होने लगी। ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर सीओ बिल्सी संजीव कुमार और एसडीएम बिसौली राशि कृष्णा पहुंचीं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा गया। घायलों के लिए एम्बुलेंस बुलाई गई लेकिन ग्रामीणों ने अस्पताल जाने से मना कर दिया। हालांकि प्रशासन और पुलिस अधिकारी लाठीचार्ज के आरोपों से इंकार किया है। अधिकारियों की मौजूदगी में प्रभात फेरी निकलवाई।

पुलिस पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगाकर धरने पर बैठे ग्रामीण। ● अमृत विचार

- इस्लामनगर क्षेत्र के गांव ब्योर कासिमाबाद का मामला

तीन दिन के भीतर तीसरा तेंदुआ कैद

नैनीताल, अमृत विचार : जनपद नैनीताल के पर्वतीय क्षेत्रों में पिंजड़ों में तेंदुओं के फंसने का सिलसिला जारी है। ओखलकांडा व रामगढ़ में तेंदुए फंसने के 48 घंटे बाद एक और तेंदुए ओखलकांडा ब्लॉक में पकड़ा गया। वन विभाग ने तेंदुए को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा है। जहां उसके सैंपल जांच के लिए लैब भेजे जाएंगे ताकि तस्दीक हो सके कि उक्त तेंदुआ नरभक्षी है।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीती 30 दिसंबर को ओखलकांडा ब्लॉक के चमोली ग्राम पंचायत के तोक किटोडा में तेंदुए ने रेखा देवी पत्नी पान सिंह चिलवाल को निवाला बना लिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा काटा था, जिसके बाद वन टीम ने उक्त क्षेत्र में कई पिंजड़े लगाए थे। इधर, गुरुवार देर रात या शुक्रवार तड़के तेंदुआ भलोन के जंगलों में लगे पिंजड़े में फंस गया। सुबह जब ग्रामीणों ने तेंदुए की दहाड़ सुनी तो पता चला कि तेंदुआ फंस गया है।

नई पहल | बोलीं, राज्यपाल, कहा– महर्षि जी की दूरदर्शिता का परिणाम है महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय

भारत अवसरों की प्रतीक्षा नहीं स्वयं सृजन करता है : आनंदीबेन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : आज का भारत अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करता, स्वयं उनका सृजन करता है। बीते 11 वर्षों में देश में अवसरों और आत्मविश्वास का नया युग आया है। ये बातें शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं। वह महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय परिसर में प्रशासनिक भवन के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थापित 35 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा का बतौर मुख्य अतिथि अनावरण करने के बाद भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित आधुनिक शिक्षा विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं।

उन्होंने कहा कि महर्षि जी की दूरदर्शिता का परिणाम है 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार हो रहा यह विश्वविद्यालय। जो केवल उपाधियां प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय नहीं बल्कि मानव विकास का एक शसक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। रामायण वेद उपनिशद, संस्कृति, योग जैसी भारतीय ज्ञान परंपरा का अनुसरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए आधुनिक शिक्षा के साथ यह विश्व विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कार्य कर रहा है। यह केवल नगरी नहीं बल्कि रामराज्य के अदा का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि अयोध्या क्षेत्र में भगवान श्रीराम की इतनी ऊंची प्रतिमा कहीं और नहीं है। जो विश्वविद्यालय की पहचान का प्रतीक बन गई है। जो परंपरा और आधुनिकता दोनों को दर्शाती है। आज आध्यात्मिक विकास के बिना भारतीय विकास अधूरा है। इससे पूर्व प्रतिमा के अनावरण के मौके पर वैदिक छात्रों के द्वारा रामरक्षास्रोत के साथ पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रो. भानु प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ट्रस्टी और गवर्निंग बॉडी के सदस्य राहुल भारद्वाज, पंकज शर्मा, कुलसचिव गिरीश छिमवाल, मुख्य वित्त अधिकारी वरुण श्रीवास्तव, आलोक प्रकाश श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी शिवम यादव, अवध विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय परिसर में श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव व मौजूद अन्य लोग। ● अमृत विचार

हेलमेट विक्रेता की सिर फोड़कर हत्या

रुद्रपुर। हेलमेट विक्रेता की ईंट से सिर फोड़कर हत्या कर दी गई। वह दो दिन से लापता था, उसका शव शुक्रवार को खंडहरनुमा भवन की झाड़ियों से बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से खून से सनी ईंट भी बरामद की है। निर्ममता से की गई हत्या के पीछे नशेड़ी गैंग का हाथ माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, रंपुरा बस्ती निवासी मलखान कोली (40) हेलमेट बेचता था। बीती 14 जनवरी से मलखान लापता चल रहा था। शुक्रवार दोपहर फाजलपुर महरौला प्रीत विहार इलाके में खंडहर के सामने घनी झाड़ियों में उसका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। कोतवाल मनोज रतूड़ी और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। मलखान का सिर फटा हुआ था और चेहरा भी काफी बिगड़ चुका था। सामने आया कि मलखान को किसी भारी पत्थर या ईंट से प्रहार कर मौत के घाट उतारा गया था।

डीएसओ और सहायक 50 हजार रुपये की घूस लेते हुए गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- दून विजिलेंस की हरिद्वार में कार्रवाई, भ्रष्टाचार पर धामी की सर्जिकल स्ट्राइक जारी

अमृत विचार: देहरादून की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को हरिद्वार के जिला पूर्ति अधिकारी श्याम आर्य और सहायक गौरव शर्मा को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एक राशन डीलर की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई।

जानकारी के अनुसार, देहरादून विजिलेंस टीम को काफी समय से जिला पूर्ति कार्यालय हरिद्वार से जुड़े इन अधिकारियों की रिश्वतखोरी की लगातार सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। सूचनाओं के सत्यापन एवं सटीक योजना के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम द्वारा दोनों आरोपियों से जिला पूर्ति कार्यालय हरिद्वार में ही गहन पूछताछ की गई। संबंधित कार्यालय के अभिलेखों एवं अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा किया जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देशों एवं जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन की नीति के तहत प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार सख्त और निर्णायक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में विजिलेंस विभाग ने हरिद्वार जनपद में बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के प्रति किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं करेगी।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

सीवीओ का ट्रांसफर और वीओ के निलंबन की सीडीओ ने की संस्तुति

अनिरुद्धपुर गोशाला में गोवंशों की मौत के मामले में डीएम ने कार्रवाई को भेजा पत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आंवला तहसील क्षेत्र के गांव अनिरुद्धपुर की वृहद गोशाला में कई गोवंशों की मौत से बरेली से लेकर लखनऊ तक खलबली मची है। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना के बाद मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. मनमोहन पांडेय और पशु चिकित्साधिकारी डा. संजय वर्मा की भी बड़ी लापरवाही मानी गयी है। सीडीओ देवयानी ने पशु चिकित्साधिकारी के निलंबन और सीवीओ का बरेली से ट्रांसफर करने की संस्तुति करते हुए डीएम को रिपोर्ट भेजी है। डीएम ने कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा है।

मझगवां ब्लॉक के गांव अनिरुद्धपुर की गोशाला में बुधवार को दो दर्जन से अधिक गोवंश की मौत का पता चलने गोशाला पहुंचे विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मृत और बुरी दशा में पड़े पशुओं को देखकर जमकर हंगामा किया था। इसकी सूचना जिलाधिकारी को दिए जाने के बाद एडीएम पूर्णिमा सिंह, एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ नितिन कुमार, बीडीओ सुनील कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कई गोवंश बुरी दशा में पड़े पाए गए थे। गोशाला ने जानवरों के लिए हरा चारा नहीं मिला न ही चोकर था। पशुशाला में भूसा भी भरपूर नहीं था, भीषण गंदगी थी। इसके बाद गोशाला में संरक्षित पशुओं की दुर्दशा के जिम्मेदार नोडल अधिकारी मंडी परिषद के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ. विश्वेंद्र कुमार, बीडीओ डॉ. सुनील कुमार वर्मा, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संजय वर्मा और ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह को नोटिस जारी किया गया। वहीं, मामले में प्रधान और उसके पति के खिलाफ अलीगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पांच में से तीन मौतें भूख से और दो पशुओं की मौत आयु व कमजोरी के कारण हुई पाई गई। इसके बाद मामला तूल पकड़ गया। पशुधन मंत्री के साथ ही शासन स्तर से पूरे घटनाक्रम के दौरान की कार्रवाई की जानकारी मांगी गई।

सीडीओ देवयानी ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि गोशाला में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा और देखभाल नहीं की गई, जबकि जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नियमित निरीक्षण करने में नाकाम रहे।

लिहाजा, पशु चिकित्साधिकारी को निलंबित और सीवीओ का बरेली से ट्रांसफर करने की संस्तुति करते हुए डीएम को रिपोर्ट भेजी गई है। डीएम ने कार्रवाई की संस्तुति करते हुए अपर मुख्य सचिव को पत्र भेजा है।

अनिरुद्धपुर गोशाला का निरीक्षण करते अपर निदेशक पशुपालन डॉ. एमपी सिंह। ● अमृत विचार

- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार तीन पशुओं की भूख और दो की बढ़ती आयु से हुई मौत
- पशुधन मंत्री की विधानसभा क्षेत्र की गोशाला में हुई घटना से शासन तक मची खलबली

पशुओं को ठंड से बचाने को झूल डाला

अलीगंज/राजपुर कलां, अमृत विचार : अनिरुद्धपुर गोशाला में एक दर्जन से ज्यादा गोवंश की मौत के बाद अब अफसर सक्रिय हुए हैं। गोशाला के लगातार निरीक्षण से अब गोवंशों को ठंड से बचाव का पुख्ता इंतजाम कर दिया गया है। यही हाल पहले हो जाता तो गोवंशों की क्रूरता से मौत न होती। शुक्रवार को पशु पालन विभाग के अपर निदेशक भी गोशाला पहुंचे और उन्होंने यहां की सफाई और अन्य व्यवस्था पर संतुष्टि जताई है। शुक्रवार को पशुपालन विभाग के अपर निदेशक डॉक्टर एमपी सिंह भी पहुंचे। यहां उन्हें पशुओं के ऊपर झूल (सर्दी से बचाव को टाट) पड़ा मिला। सफाई व्यवस्था भी ठीक मिली है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मनमोहन पांडे ने बताया कि अपर निदेशक ने अनुरूद्धपुर गौशाला में समिति द्वारा किए कार्य पर संतोष जाहिर करते हुए व्यवस्थाओं को सही बताया है। अनिरूद्धपुर गौशाला संचालन में लापरवाही के आरोपी ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह से दो दिन में कारण बताओं नोटिस का जवाब मांगा है इसको लेकर आज ब्लॉक कर्मचारियों में यह प्रकरण सारे दिन चर्चा का विषय बना रहा। गोशाला में हुई लापरवाही और अफसरों की सख्ती का असर इसी ब्लाक की ग्राम पंचायत अन्तपुर की भोजपुर गौशाला में भी पड़ा है। यहां व्यवस्था सुधारने का काम युद्ध स्तर पर चला। नए टाट खरीदकर पशुओं के लिए झूला बनाया गया। गौशाला में कई स्थानों पर ठंड से बचाव के लिए कई जगह अलाव जलाए गये और त्रिपाल की व्यवस्था की गई। इसके अलावा नगर पंचायत विशारतगंज स्थित गौशाला की व्यवस्थाएं काफी बदहाल हैं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मोहन पांडे ने बदहाल व्यवस्था को सही करने के निर्देश दिए हैं।

खड़ी ट्रॉली में घुसी बाइक एक की मौत, दो घायल

संवाददाता, भुता

- कोहरे में खराब ट्राली के सड़क पर खड़े होने से हुआ हादसा

अमृत विचार : घने कोहरे में जब रात में दृश्यता कम थी ऐसे में ओवरलोड भूसा भरी ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे खड़ी कर दी गई। तभी पीछे से आ रही बाइक खड़ी ट्राली में घुस गई। बाइक पर तीन लोग सवार थे। बाइक लड़ने से तीनों घायल हो गये। अस्पताल ले जाते समय एक की रास्ते में मृत्यु हो गई। दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बरेली बीसलपुर मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात रोड किनारे खड़ी खराब भूसा भरी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से बाइक जा घुसी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार तीनों युवकों को उपचार के लिए भेजा अस्पताल। रास्ते में एक युवक की मौत हो गई। दो लोगों का उपचार चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात बीसलपुर की ओर से बरेली की तरफ जा रही ओवरलोड भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्राली गांव नवादा के पास खराब हो जाने के कारण रोड किनारे खड़ी हुई थी, अचानक बीसलपुर की ओर से बरेली के तरफ आ रहे बाइक सवार तीन युवक खड़ी ट्राली में पीछे से जा घुसे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उस पर सवार अनिल, शिशुपाल, देवेंद्र तीनो गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायल युवकों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। जहां रास्ते में बाइक चालक अनिल(30) निवासी ग्राम अब्दुल्ला थाना इज्जत नगर कि रास्ते में ही मौत हो गई। घायल शिशुपाल व देवेंद्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार यह तीनों युवक टाइल पत्थर आदि का काम करते हैं और यह लोग बीसलपुर तरफ की साइड से काम कर अपने घर वापस जा रहे थे। पुलिस में दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार का कहना है कि सूचना पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा गया। जिसमें उपचार के दौरान चालक अनिल की मृत्यु हो गई है।

पीताबंरपुर में ट्रेन के आगे कूदकर युवती ने दी जान

फरीदपुर, अमृत विचार : ट्रेन की चपेट में आने से मौत युवती की मौत सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस और आर पी एफ ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा, और रेलवे ट्रैक को सुचारू कराया।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पीताबंरपुर रेलवे लाइन के खंभा नंबर 1289 के पास एक अज्ञात युवती (20) काफी देर से घूम रही थी। जैसे ही मालगाड़ी ट्रैक पर आई अचानक उसने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना आरपीएफ और स्थानीय पुलिस ने रेलवे ट्रैक से हटकर शवको कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दिया मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों और रेलवे स्टेशनों पर गुमशुदगी की रिपोर्ट की जांच के लिए भेज दिया गया है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

मकान मालिक व किराएदार में विवाद चार पर रिपोर्ट

फतेहगंज पूर्वी , अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम गांगेपुरा में सामान मांगने को लेकर मकान मालिक व किरायेदार के बीच हुए विवाद में दंपति और दो वर्षीय मासूम के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

ग्राम गांगेपुरा निवासी शीतल पत्नी रोहित ने बताया कि वह जिस मकान में किराए पर रहती थी उसे छोड़ा और वहां से अपना सामान लेने के लिए पति के साथ गांव पहुंची थी। तभी मकान मालिक राजेश पाल सिंह , नरेशपाल सिंह, सतवीर सिंह तथा हिमांशी ने पीड़िता व उसके पति के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान नरेशपाल सिंह ने पीड़िता के दो वर्षीय पुत्र अमृत को ईंट मार दी।

पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

धान का भुगतान नहीं किया तो आंदोलन

धान मंडी में पोर्टल बंद होने से प्रदर्शन करते आक्रोशित किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : ओसवाल चीनी मिल में गन्ना किसानों का भुगतान नहीं हो पा रहाहै। अब धान का भी भुगतान नहीं होने से किसान आक्रोशित है। सरकारी धान क्रय केंद्रों पर धान की तौल होने के बावजूद भुगतान न मिलने से नाराज किसानों ने कृषि उपमंडी स्थल पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और शीघ्र भुगतान की मांग उठाई।

तहसील नवाबगंज क्षेत्र की कृषि उपमंडी में समर्थन मूल्य पर धान खरीद के लिए कई सरकारी क्रय केंद्र संचालित किए गए थे। किसानों ने नियमानुसार अपने धान की तौल भी करवा दी, लेकिन 3 जनवरी 2026 को सरकारी पोर्टल बंद हो जाने के कारण भुगतान की प्रक्रिया बाधित हो गई। पोर्टल बंद होने से पॉश मशीन पर फिंगरप्रिंट नहीं लग पा रहे हैं, जिससे दर्जनों किसानों का भुगतान अटक गया है।

भुगतान में देरी से परेशान किसानों ने मंडी परिसर में एकत्र होकर हंगामा किया। आरोप है कि केंद्र प्रभारियों ने धान की तौल तो करा ली, लेकिन भुगतान के नाम पर टालमटोल की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान रामकिशोर व ललित कुमार (याकूबपुर), देवदत्त (बैकेनिया), जानकी प्रसाद, संतराम (दलेलनगर), रामचन्द्र व मायादेवी (बढ़ेपुरा), चौधरी शिशुपाल सिंह, परशुराम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।किसानों ने मांग की कि पोर्टल की तकनीकी समस्या का शीघ्र समाधान कर उनके बकाया भुगतान को जल्द से जल्द कराया जाए, अन्यथा आंदोलन तेज किया जाएगा।

अच्छी शिक्षा के लिए अखबार जरूरी

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार: मिड-डे मील में सभी विद्यालयों में अब बच्चों को थैली बंद दूध ही वितरित किया जाएगा, खुले दूध का वितरण बंद किया जाएगा। सभी विद्यालयों में बच्चों के सामान्य ज्ञान एवं बौद्धिक विकास के लिए समाचार पत्र जरूर लिए जाएं। यह बात बीईओ विजय कुमार ने कही। वह शुक्रवार को बीआरसी में प्रधानाचार्यों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने शिक्षकों से कहा कि अभिभावकों से समन्वय कर सभी छात्र -छात्राओं के लिए स्वेटर, जूते-मोज़े व्यवस्था कर लें, जिससे नौनिहाल ठंड से बच सकें। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस से पहले सभी विद्यालयों में मरम्मत और पेंट का कार्य पूरा हो जाना चाहिए। सभी बच्चों की अपार आईडी भी बनवा लें।

बीईओ ने बताया सभी विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित किये जाने के लिए धनराशि सभी विद्यालयों को भेज दी गयी है। इस दौरान प्रधानाध्यापिका एकता सक्सेना,रमा यादव, राजेश कुमार शर्मा, ऋषिपाल सिंह, राजीव लोचन,केसी पटेल, कृष्ण अवतार सक्सेना, रामप्रकाश शर्मा, ममता वर्मा,सुरजेश कुमार, गंगाराम, डॉ विनय कुमार आदि प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

बीआरसी में प्रधानाचार्यों की बैठक को सम्बोधित करते बीईओ। ● अमृत विचार

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मुजीब अली व उसकी पत्नी तरन्नुम को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा।
छोटे शाह पुत्र खैराती शाह निवासी ग्राम कस्बा व थाना शीशगढ़ जनपद बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

नगर पंचायत में सीसीटीवी एक माह से खराब

शीशगढ़, अमृत विचार : कस्बा शीशगढ़ नगर पंचायत में एक वर्ष पूर्व लगाए गए 29 कैमरे मुख्य चौराहा पर लगभग एक महीने से खराब पड़े हुए है चोरी, एक्सीडेंट एवं अन्य सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे खराब होने से कस्बा में होने वाली घटना केलिए अब लोगों को दुकानों पर लगे सीसी टीवी कैमरे का सहारा लेना पड़ रहा, कस्बे में जैसे कि बरेली बस स्टैंड तिराहा और होली चौराहा एवं नगर पंचायत, बिलासपुर बस स्टैंड मोड, बहेड़ी बस स्टैंड मोहल्ला गौड़ी, सहित सभी कैमरे खराब स्थिति में है। ईओ ने बताया कि चार दिन में कैमरे सही करा दिए जाएंगे।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

बिशारतगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अखा गांव निवासी हुलासी राम पाल ने बताया कि गुरुवार की रात उनका 31 वर्षीय बेटा राकेश घर से गया था वापस नहीं आया तो खोज बीन शुरू की सुबह राकेश का शव रेलवे ट्रैक पर मिला जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया।

एसआईआर : मैपिंग नहीं होने वाले मतदाताओं को भेजे नोटिस

जिले में 220182 मतदाताओं की नहीं हुई मैपिंग, तय स्थान पर होगी सुनवाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मतदाता 2003 की सूची से मिलान के लिए दे सकेंगे साक्ष्य
- मीरगंज एसडीएम ने जारी की सुनवाई के स्थानों की सूची

अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिले में 220182 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हुई। इन मतदाताओं की सुनवाई करने के लिए बीएलओ के स्तर से मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इन नोटिसों पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई करने के लिए स्थान तय किए गए हैं, ताकि 2003 की सूची से मिलान नहीं होने के संबंध में मतदाताओं की बात सुनी जा सके।

मीरगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आलोक कुमार ने जारी किए आदेश में सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग न होने वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिसों पर सुनवाई करने लिए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदेय स्थलों का आवंटन कर दिया है। 444 मतदेय स्थलों का आवंटन किया है, जिन पर नोटिस की सुनवाई होनी है। मीरगंज विधानसभा क्षेत्र में 12581 मतदाता हैं, जिनकी मैपिंग नहीं हुई है। नोटिसों पर सुनवाई के लिए नगर पंचायत शीशगढ़ का सभागार कक्ष, दुनका इंटर कॉलेज कक्ष संख्या एक, बीईओ शेरगढ़ सभागार कक्ष, मीरगंज तहसील सभागार, बीईओ मीरगंज चुरईदलपतपुर कार्यालय, नगर पंचायत मीरगंज के ईओ कार्यालय, एसडीएम न्यायालय तहसील परिसर, खंड विकास अधिकारी कार्यालय, पूर्ति निरीक्षक कार्यालय, तहसीलदार न्यायालय, नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी कार्यालय, बीईओ फतेहगंज पश्चिमी कार्यालय में होगी।

विशेष अभियान को तीन तिथियां घोषित

बरेली : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के लिए तीन विशेष अभियान संचालित करने के लिए तिथियां घोषित कर दी हैं। इसमें 18, 31 जनवरी और 1 फरवरी शामिल हैं। जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एक अतिरिक्त तिथि घोषित करेंगे। इन तिथियों में आलेख मतदाता सूची, गणना अवधि के दौरान अप्राप्त श्रेणी में चिन्हित मतदाता सूची, अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृतक, डुप्लीकेट की सूची बूथों पर उपलब्ध रहेगी। हर मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क बनेगी और फार्म भरने में सहायता मिलेगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 फरवरी तक है। मतदाताओं की सुविधा के लिए 18 जनवरी (रविवार), 31 जनवरी (शनिवार) एवं 1 फरवरी (रविवार) तिथि तय की गई हैं। चौथी विशेष अभियान तिथि जिला निर्वाचन अधिकारी तय करेंगे। इन तिथियों के दौरान मतदान केंद्रों पर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सहायक स्टाफ निर्धारित समय पर उपस्थित रहेगा। फार्म-6 (घोषणा-पत्र सहित), 6 ए, 7 एवं 8 (घोषणा-पत्र सहित) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। मतदाता अपनी जरूरत के मुताबिक फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा करा सकेंगे।

दिन भर ठप रही सप्लाई शाम हो हुई बहाल

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : नगर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था शुक्रवार को दूसरे दिन भी ठप रही। देर शाम सप्लाई बहाल हो पाई थी। आए दिन बिजली व्यवस्था ठप होने से लोगों में रोष व्याप्त है। क्षेत्र में बुधवार आधी रात के बाद से 33 केवी विद्युत लाइन में फाल्ट आ जाने से समूचे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। जो बमुश्किल गुरुवार की देर शाम चालू हो पाई। कुछ घंटे ही सप्लाई चल पाई थी कि गुरुवार की आधी रात को फिर से लाइन में फाल्ट आने से बिजली सप्लाई ठप हो गई। शुक्रवार को पूरे दिन विद्युत सप्लाई ठप पड़ी रही।

बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। टीम मौके पर पहुंची और 33 केवी लाइन में फाल्ट तलाशने के साथ मरम्मत कार्य में जुट गई। जेई राम सिंह का कहना है कि ठंड की वजह से 33 केवी लाइन में खराबी आ रही है। फिलहाल देर शाम विद्युत सप्लाई सुचारू रूप से चालू हो गई थी।

गीली लकड़ियों से जल रहे नगर पंचायत में अलाव

गीली लकड़ियों के सहारे ठंड से राहत पाने का प्रयास करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, शीशगढ़

अमृत विचार : कस्बे में अलाव जलाने को पहुँचाई गई लकड़ी गीली और अधपकी है, इससे ठंड से बचाव तो दूर, आग जलाना तक मुश्किल है।

कई दिनों अलाव के लिए लकड़ी न मिलने से लोग ठिठुरते रहे। मजबूर होकर व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकुश गुप्ता ने एक्स पर इस गंभीर समस्या की शिकायत जिलाधिकारी से की है। दुकान दार सारमोद गुप्ता, मुनीश गंगवार, अमित गुप्ता, महेंद्र शर्मा, छत्रपाल गंगवार, तनवीर अहमद, वसीम अकरम, आदि लोगों ने कस्बा में अलाव पर चेयरमैन से शिकायत की है। शीशगढ़ में दुकानदारों द्वारा अपने पैसे से लकड़ी मंगा कर अलाव जलाये जा रहे है। नगर पंचायत द्वारा पक्षपात कर सिर्फ उन्हीं स्थानों पर डाली गई है जहां खाना पूर्ति की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह लकड़ी इतनी गीली है कि जलने के बजाय धुआँ ज़्यादा देती है। कई स्थानों पर तो लकड़ी के नाम पर बुरादा और सड़ी-गली लकड़ी डाल दी जाती है।

सीएचसी में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता, शेरगढ़

सीएचसी शेरगढ़ में निरीक्षण करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

- राज्यस्तरीय टीम ने देखी सीएचसी में व्यवस्थाएं

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग की राज्य स्तरीय दो सदस्यीय टीम ने कायाकल्प योजना के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। टीम ने मुख्य गेट से लेकर अस्पताल के अंदर तक सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

टीम ने अस्पताल के बाहर नगर पंचायत के नाले में जल भराव और गंदगी को लेकर नाराजगी व्यक्त की। स्वास्थ्य विभाग की राज्य स्तरीय टीम में शामिल शाहजहांपुर के डिप्टी सीएमओ डॉ मोहम्मद आसिफ और बदायूं जिला चिकित्सालय के क्वालिटी मैनेजर अरविंद कुमार ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कायाकल्प योजना के तहत निरीक्षण किया। उन्होंने सीएचसी का निरीक्षण करते समय बाहरी स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया। । चिकित्सा अधीक्षक डॉ गजेंद्र सिंह के साथ भ्रमण के दौरान टीम ने व्यवस्थित हर्बल गार्डन की सराहना की। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ दीपक, डॉ नैतिक, प्रमोद कुमार, दिनेश चंद्रा, बीपीएम प्रेम गंगवार, बीसीपीएम अनीता विश्वकर्मा, स्टाफ नर्स राहुल गौतम, एआरओ अजीत कुमार, आईओ लालबहादुर सिंह, मोनिका साहनी, रीता, किरन सिंह, प्रीती, राजू मौर्य, यशपाल, अश्वनी गौतम, इरफान आदि रहे।

भूड़ के संतोषी माता मंदिर का विवाद सुलझा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस की मौजूदगी में मंदिर में भूमि पूजन और निर्माण कार्य शुरू
- प्रेमनगर में हिंदू परिवारों ने किया था धर्म परिवर्तन का ऐलान

अमृत विचार: प्रेमनगर के भूड़ इलाके में लंबे समय से चले आ रहे संतोषी माता मंदिर के निर्माण का विवाद शुक्रवार को निपट गया। कुछ दबंग तत्वों के कारण 70 साल पुराने इस मंदिर पर का निर्माण कार्य लगातार बाधित हो रहा था। यह विवाद सुबह उस वक्त चरम पर पहुंच गया था, जब इलाके के करीब 50 हिंदू परिवारों ने सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन करने का एलान कर दिया।

प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार और चौकी इंचार्ज मो. सरताज ने इसकी जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों को मौके बुलाकर बातचीत करवाई और आपसी सहमति से विवाद का समाधान करा दिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में ही मंदिर परिसर में विधिवत भूमि पूजन कराकर निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई गई। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि मंदिर निर्माण को लेकर अब किसी तरह का विवाद नहीं है और सभी पक्ष सहमत हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस लगातार इलाके पर नजर बनाए रखेगी, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की तनाव की स्थिति पैदा न हो। स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर समय रहते पुलिस हस्तक्षेप न करती, तो विवाद कहीं और गंभीर रूप ले सकता था।

बेसिक शिक्षा : एजुकेटरों को सात महीने से नहीं मिला मानदेय, फूटा आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बीएसए कार्यालय पर एकत्रित एजुकेटर। ● अमृत विचार

- बीएसए कार्यालय में शिकायत कर मानदेय दिलाने की उठाई मांग

> मामले की जानकारी है, अगर ऐसा तो पता किया जाएगा। शीघ्र मानदेय दिलाया जायेगा। -डॉ. विनीता, बीएसए

अमृत विचार : प्री-प्राइमरी शिक्षा देने के लिए लगाए गए इसीसीइ-एजुकेटरों को पिछले सात महीने से मानदेय नहीं मिला है। इसके लिए वे कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक एजुकेटर बीएसए कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मानदेय दिलाने की मांग उठाते हुए आक्रोश जताया।

जनपद में कार्यरत इसीसीइ-एजुकेटरों ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग में जून 2025 में एक कम्पनी की ओर से आउट-सोर्सिंग के माध्यम से उनकी भर्ती हुई थी। जिले में उनकी संख्या करीब 175 है। वे विद्यालय में अपनी सेवाएं लगातार देते आ रहे हैं। सात महीने से उन्हें मानदेय नसीब नहीं हुआ है। हर बार कंपनी के अधिकारी विभाग की ओर से धनराशि नहीं मिलने की बात कह देते हैं। मानदेय न मिलने के कारण परेशान हो रही है। दरअसल, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ की ओर से 26 जुलाई 2024 को प्री-प्राइमरी शिक्षा को बेहतर करने के लिए मानदेय के आधार पर इसीसीइ-एजुकेटरों की भर्ती की गयी थी। इस दौरान लवली, किरन कुमारी, विनीता, कुसुमा देवी, वीरेश कुमार, तेवेन्द्र सिंह, शेर सिंह, नरोत्तम दिवाकर, कंचन पटेल, उर्वशी देवी आदि मौजूद रहे।

बसई गांव में सांसद ने की बैठक, योजनाएं बताईं

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : बसई गाँव में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन योजना की जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा की।

साथ ही एस आई आर विशेष मतदाता सघन पुनरीक्षण के संबंध में भी आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक के माध्यम से ग्रामीण जनता को योजनाओं की पारदर्शी जानकारी, लाभ प्राप्ति की प्रक्रिया एवं लोकतांत्रिक सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। यह प्रयास ग्रामीण विकास और सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक सशक्त कदम है।

मतदाता सूची को लेकर सांसद ने की बैठक

मीरगंज : शाही मंडल में नई मतदाता सूची बनाने के अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं हुईं। अध्यक्षता शाही मंडल अध्यक्ष अनुरोध सिंह ने की। शाही के मिर्जापुर चौराहे पर प्रधान छोटे लाल गंगवार की मार्केट में आयोजित किया गया। इसमें सांसद छत्रपाल गंगवार ने भाग लिया और बीएलओ 2 से एसआईआर के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिक से अधिक नए मतदाता बनाने पर जोर दिया। सांसद ने कनुनगला गांव में बैठक् कर नए मतदाता बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान अमित कुमार, सत्यपाल यदुवंशी, तेजपाल फौजी, प्रधान अशोक गंगवार रहे।

बंदर के हमले से बचने में गिरकर युवक घायल

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

इसी लिंटर से गिरकर हुआ घायल।

- मकान की दीवार नहीं उठाने से जर्जर हुआ था लिंटर
- लिंटर के टूटने से छत से नीचे गिरा युवक, गंभीर घायल

अमृत विचार : छत पर धूप सेक रहे एक युवक पर बंदरों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। बंदरों से जान बचाने के प्रयास में युवक क्षतिग्रस्त लिंटर की ओर दौड़ पड़ा लेकिन जर्जर लिंटर भरभराकर नीचे गिर गया इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

नगर के मोहल्ला साहूकारा निवासी उमेश (45 वर्ष) मकान की छत पर बैठे धूप सेक रहे थे। उसी दौरान अचानक कई बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। बंदरों को देखकर उमेश घबरा गए और उनसे बचने के लिए छत पर इधर-उधर दौड़ने लगे। इसी अफरा तफरी में वह मकान के उस हिस्से की ओर पहुंच गए जहां लिंटर पहले से ही कमजोर और जर्जर अवस्था में था। वजन पड़ते ही लिंटर टूट गया और उमेश उसके साथ नीचे गिर पड़े।

तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने किसी तरह घायल उमेश को उठाया और तत्काल उपचार के लिए फरीदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों के अनुसार उमेश को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पड़ोस के दबंग भाइयों ने मकान की दीवार उठाने नहीं दी थी जिसके कारण लिंटर अधूरा और कमजोर बना रहा। यदि समय रहते दीवार उठाने दी जाती तो लिंटर इतना कमजोर न होता और यह दर्दनाक हादसा टल सकता था। घटना के बाद से इलाके में बंदरों को लेकर दहशत का माहौल है।

क्षेत्र में बंदर और आवारा कुत्तों का ज्यादा आतंक है। लोगोंका कहना है कि जमीन पर कुत्ते और छत पर बंदरों के आतंक से लोग सहमे रहते हैं। बंदर कब कहां छिपे बैठे रहते हैं और लोगों के जाने पर उन पर हमला करते हैं।

न्यूज डायरी

सड़क सुरक्षा किसी एक की नहीं, साझा जिम्मेदारी है

भोजीपुर, अमृत विचार : सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भोजीपुरा में एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के साथ-साथ यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। हाईवे से गुजर रहे राहगीरों और चालकों को रोककर समझाया कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। अभियान के दौरान दोपहिया चालकों से अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की गई। इसके अलावा, गलत दिशा में वाहन न चलाने, तय गति सीमा का पालन करने और ट्रैफिक सिग्नल का सम्मान करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर इंद्रजीत यादव, दीपक पांडे, शुभम रावत, अदीब, अखिलेश कुमार, अमित, भूपेंद्र सिंह और गुरमीत सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रैली का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि सड़क सुरक्षा किसी एक की नहीं, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। बीएनएचएल प्रबंधन ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियान जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

व्यापारियों ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

नवाबगंज, अमृत विचार : शुक्रवार को भी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सामूहिक खिचड़ी सहभोज के कार्यक्रम आयोजित किए गए। उद्योग व्यापार मंडल द्वारा सियाराम मार्केट में सामूहिक खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इस मौके पर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रमोद आनंद, महामंत्री इकरार अहमद, एवं डॉ. विनय गंगवार ने निर्धन महिला-पुरुषों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में डॉ. ए.के. गंगवार, जितेंद्र चड्ढा, संजोग गुप्ता, प्रेम प्रकाश रस्तोगी, संजय राठौर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। तहसील में तहसील प्रशासन एवं लेखपाल संघ के संयुक्त तत्वावधान में भी सामूहिक खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लेखपाल संघ के अध्यक्ष अजय गुप्ता, मंत्री योगेश कुमार, रंजीत सिंह, गौरव कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह भी शामिल हुए।

बार काउंसिल के चुनाव में पहले दिन 102 अधिवक्ताओं ने डाले वोट

नवाबगंज, अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव के पहले दिन अधिवक्ताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन कुल 147 मतदाताओं में से 102 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगर की मुंसिफ कोर्ट परिसर में शुक्रवार को सुबह 10 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। मतदान चुनाव अधिकारी न्यायालय विशेष मजिस्ट्रेट एमपी/एमएलए कोर्ट एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-2 दीपक कुमार मिश्रा की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। तहसील क्षेत्र के अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया। जानकारी के अनुसार शेष 45 अधिवक्ता अपने मत आज मतदान के दूसरे दिन डालेंगे। प्रशासन की ओर से मतदान को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

मनरेगा संवाद चौपाल में भाजपा पर साधा निशाना

मनरेगा संवाद चौपाल में बोलते जिलाध्यक्ष अशफाक सकलैनी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शुक्रवार को मनरेगा संवाद चौपाल का आयोजन दमखोदा ब्लॉक के गांव मिलक में हुआ।

जिलाध्यक्ष अशफाक सकलैनी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से चल रही योजनाओं का नाम बदलना भाजपा सरकार की सोची-समझी साजिश है। भाजपा एक कंपनी की तरह कार्य कर रही है। जहां सरकार का काम केवल अपने मित्रों को लाभ पहुंचाना रह गया है। जनता से सरकार का कोई सरोकार नहीं है। जिला महासचिव सुखविंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष एजाज खान ने भी विचार रखे। संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। सरदार चरणजीत, हसनैन कादरी, मुख्तार, राजदीप सिंह, रमेश श्रीवास्तव, अफसार अहमद, अरबाज, कमरूद्दीन सैफी आदि मौजूद रहे।

शिक्षक नेता पर हमले का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

नवाबगंज, अमृत विचार : शिक्षक नेता टी.आर. गंगवार पर जानलेवा हमले के मामले में नवाबगंज पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मामले में नामजद तीनों आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।

करीब पांच दिन पहले कार को ओवरटेक किए जाने से नाराज दबंगों ने शिक्षक नेता पर तमंचे से फायरिंग कर जानलेवा हमला किया था। इस घटना को लेकर पीड़ित की ओर से अनूप सरदार समेत तीन लोगों के खिलाफ थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फायरिंग के बाद आरोपी कार से क्योलडिया की ओर फरार हो गए थे। कुछ देर बाद ही पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शुक्रवार को पुलिस ने तीसरे आरोपी थाना हाफिजगंज क्षेत्र के गांव सुंडियावा निवासी दिनेश को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

छोटे जुगाली पशुओं में रोग निदान व प्रजनन प्रबंधन पर जोर

प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिक व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आईवीआरआई में सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, लेह से भी पहुंचे दो प्रतिभागी

अमृत विचार: आईवीआरआई में 'छोटे जुगाली पशुओं में संक्रामक रोगों के निदान की उन्नत तकनीक एवं प्रजनन प्रबंधन' विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को शुरू हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य लेह-लद्दाख क्षेत्र की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय पशुपालकों और वैज्ञानिकों की क्षमता को मजबूत बनाना है।

मुख्य अतिथि एवं संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ. रूपसी तिवारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संक्रामक रोग निदान और प्रजनन रोग प्रबंधन में दक्ष बनाएगा, जिससे बकरी और भेड़ उत्पादन की दक्षता में सुधार संभव होगा। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. रवि कांत अग्रवाल, पशु पुनरुत्पादन विभाग के डॉ. एमएच खान, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अजय कुमार यादव, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. बबलू कुमार, डॉ. केके. रजक, डॉ. सोनालिका महाजन भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में लेह से दो प्रतिभागियों में डॉ. एम. अब्बास और डॉ. रऊफुल हसन ने भाग लिया।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,17 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

भारी बारिश और बाढ़ के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग,एजेंसी : दक्षिण अफ्रीका, मोजाम्बिक और जिम्बाब्वे में भारी बारिश तथा बाढ़ के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि दक्षिणी अफ्रीका के कई देशों में मौसम के और खराब होने की आशंका है। दक्षिण अफ्रीका में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद उसके उत्तरी प्रांतों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। पड़ोसी देश मोजाम्बिक में आपदा प्रबंधन संस्था ने बताया कि देश में अब तक बारिश के कारण 103 लोगों की मौत हो चुकी है।

यूक्रेन कर रहा अभूतपूर्व बिजली संकट का सामना

कीव। यूक्रेन के नए ऊर्जा मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि रूस ने अपने हमलों से यूक्रेन के एक भी बिजली संयंत्र को नहीं बख्शा है और हवाई बमबारी में हालिया वृद्धि के कारण कई वर्षों की सबसे भीषण ठंड के बीच हजारों लोगों को बिजली से वंचित होना पड़ा है। डेनिस श्मिहाल ने कहा कि रूस ने पिछले वर्ष यूक्रेन की ऊर्जा अवसंरचना पर 612 हमले किए तथा हाल के महीनों में ये हमले और भी तेज हो गए जब रात का तापमान शून्य से 18 डिग्री नीचे तक जा रहा है।

माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर रात्रि के समय यातायात पर रोक की तैयारी

पीलीभीत, अमृत विचार : बाघ समेत वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक यातायात प्रतिबंधित करने की तैयारी की जा रही है। रात में बाघ समेत अन्य वन्यजीव सड़कों पर आने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों की जान को खतरा भी है। दरअसल यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए आदेश के अनुपालन में लिया जा रहा है। वन्यजीवों की सुरक्षा की दृष्टि से टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इसको लेकर तैयारी भी शुरू कर दी है।

संदेह नहीं, सजा के लिए विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा निरस्त की

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के एक अपहरण-दुष्कर्म मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा को निरस्त कर आरोपी को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा और साक्ष्यों में मौजूद गंभीर विरोधाभासों को नजरअंदाज कर सजा देना न्यायोचित नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अचल सचदेव ने भगवत कुशवाहा की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए कहा कि पीड़िता के अलग-अलग बयानों में निरंतरता का अभाव है।

मामले के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध सीआरपीसी की धारा 161 और 164 के तहत दर्ज पीड़िता के बयानों, चिकित्सकीय साक्ष्य और परिस्थितिजन्य तथ्यों को समग्र रूप से देखने पर अभियोजन की कहानी की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। अभियोजन के अनुसार पीड़िता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस आधार पर ट्रायल कोर्ट ने दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने अपने फैसले में उल्लेख किया कि ट्रायल कोर्ट स्वयं पीड़िता को घटना के समय बालिग मान चुका था। ऐसे में सहमति का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसे समुचित रूप से नहीं परखा गया।

रिकॉर्ड पर मौजूद परिस्थितियों से यह संभावना भी सामने आती है कि पीड़िता आरोपी के साथ अपनी इच्छा से गई थी। मामले में ट्रायल कोर्ट ने 5 सितंबर 2019 को अपीलकर्ता को सजा सुनाई थी। कोर्ट ने इस आदेश को रद्द करते हुए कहा कि यदि साक्ष्यों से दो संभावित निष्कर्ष निकलते हों, तो आरोपी के पक्ष में जाने वाला निष्कर्ष अपनाया न्यायोचित है। इन्हीं टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने आरोपी को सभी आरोपों से बरी करते हुए स्पष्ट किया कि आपराधिक मामलों में केवल संदेह के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती, इसके लिए अभियोजन को ठोस व विश्वसनीय साक्ष्यों के जरिए अपराध सिद्ध करना अनिवार्य है।

पति और बेटे ने महिला को पीटकर मार डाला

तिलहर, अमृत विचार: भैंस निकालने के विवाद का विवाद इतना बढ़ गया कि पति और बेटे ने महिला की पीटकर हत्या कर दी। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। हत्या के बाद बाप-बेटे मौके से फरार हो गए। जानकारी मिलने पर सीओ ज्योति यादव, कोतवाली पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव जोधपुर नवदिया निवासी महाराज सिंह अपने बेटे हरिसुमरन के साथ रहता है। जबकि महाराज सिंह की पत्नी माया देवी अपने छोटे बेटे अतुल के साथ रहती थी। शुक्रवार शाम को माया देवी भैंस लेकर निकल रहीं थीं। इसी दौरान महाराज सिंह और उसके बेटे हरिसुमरन के बीच भैंस निकालने को लेकर विवाद होने लगा। विवाद के दौरान मायादेवी ने रास्ते में बने शौचालय हटाने की बात कही थी।

जल्लीकट्टू का आयोजन

तमिलनाडु के पोंगल फसल उत्सव के दौरान मदुरै में शुक्रवार को आयोजित जल्लीकट्टू कार्यक्रम में एक प्रतिभागी बैल को काबू करने का प्रयास करते हुए। ● एजेंसी

पाकिस्तान में 159 सांसद और विधायक निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी, पाकिस्तान के शीर्ष चुनाव निकाय ने वार्षिक संपत्तियों और देनदारियों का विवरण प्रस्तुत करने में विफल रहने के कारण 159 संघीय तथा प्रांतीय सांसदों और विधायकों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने 2025 से संबंधित विवरण प्रदान करने की 15 जनवरी की समय सीमा के बाद यह कार्रवाई की। पाकिस्तान संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली', ऊपरी सदन 'सीनेट' और प्रांतीय असेंबली के सदस्यों के लिए वार्षिक संपत्तियों और देनदारियों का विवरण प्रस्तुत करना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

महिला ने बेटा-बेटी को जहर देकर खुद भी खाया, तीनों की मौत

सहारनपुर, एजेंसी

● **सहारनपुर का मामला, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की**

जिले के गागलहेड़ी थानाक्षेत्र में एक महिला ने कथित रूप से घरेलू विवाद के चलते अपने बेटे और बेटी को जहर देने के बाद फिर खुद भी विष खा लिया, जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृत महिला के मायके वालों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि ससुराल में उनकी बेटी का सास-ससुर, जेठ और जेठानी उत्पीड़न करते थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बलियाखेड़ी में गुरुवार रात करीब 10 बजे मनीता (30) का अपने जेठ और जेठानी से झगड़ा हुआ जिसके बाद वह अपनी छह वर्षीय बेटी नित्या और चार वर्षीय बेटे कार्तिकेय के साथ घर से निकल गई थी। बिंदल के अनुसार मनीता ने अपने पति नीटू को फोन कर कहा कि वह अपने बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या करने जा रही है। नीटू एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस का कहना है कि इसी बीच, राहगीरों ने महिला और उसके बच्चों को संकट में देखा एवं पुलिस को सूचना दी। गागलहेड़ी पुलिस ने तुरंत तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों की मौत हो गई।

मनीता के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज अपनी बेटी और उसके बच्चों की मौत के लिए उसके जेठ और जेठानी को जिम्मेदार ठहराया है। मनीता के मायके वालों ने आरोप लगाया है कि सास, ससुर, जेठ और जेठानी ने उनकी बेटी को प्रताड़ित किया और दामाद ने भी अपने परिवार का साथ दिया।

दरोगा ने कोर्ट में दिलाई झूठी गवाही

हल्द्वानी, अमृत विचार : लालकुआं कोतवाली में तैनात रही दरोगा अंजू नेगी को एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने सस्पेंड कर दिया है। उसके सस्पेंड होने के बाद असली कहानी सामने आई। अंजू पर एक दुष्कर्म के आरोपी को बचाने और पीड़िता को धमकाने का आरोप है, लेकिन अंजू इससे भी चार कदम आगे थी।

आरोप है कि, अंजू ने दुष्कर्म के आरोपी को बचाने और मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाने के लिए न सिर्फ एसएसपी को गुमराह करने का प्रयास किया बल्कि कोर्ट में भी उसकी पत्नी से झूठी गवाही दिलाई। पत्नी ने भी अपने पति को बचाने के लिए खुद को उसकी लिव इन पार्टनर बता दिया। मामले में दरोगा अंजू को तो सस्पेंड कर दिया गया, लेकिन अब झूठी गवाही देने वाली पत्नी पर भी कार्रवाई की तलवार लटक चुकी है।

अमीरात में आंतरिक तनाव सबसे बड़ा खतरा

काबुल, एजेंसी

● **अफगान तालिबान के सर्वोच्च नेता ने हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने दी चेतावनी**

अफगान तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने चेतावनी दी है कि इस्लामिक अमीरात के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बाहरी नहीं, बल्कि संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद हैं। इससे तालिबान नेतृत्व के अंदर गहराते तनाव के संकेत मिलते हैं। बीबीसी वर्ल्ड सर्विस द्वारा प्राप्त एक ऑडियो रिकॉर्डिंग के अनुसार अखुंदज़ादा ने जनवरी 2025 में तालिबान अधिकारियों की एक बैठक में कहा था कि यदि आपसी खींचतान जारी रही तो अमीरात ढह जाएगा। यह भाषण कंधार के एक जिहादी मदरसे में दिया गया था और इसे तालिबान प्रमुख द्वारा संगठन की एकता को लेकर असामान्य रूप से स्पष्ट स्वीकारोक्ति माना जा रहा है।

तालिबान सार्वजनिक रूप से आंतरिक मतभेदों से इनकार करता रहा है, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के हालिया बयान इसके विपरीत संकेत देते हैं। अफगानिस्तान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने हाल ही में खोस्त में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डर और ताकत से चलाया गया शासन असली सरकार नहीं होता। उन्होंने तालिबान सदस्यों से एक-दूसरे को अपमानित या बदनाम न करने की अपील की और कहा कि प्रभावी शासन के लिए जनता और सत्ता के बीच भरोसा जरूरी है। उनके इस बयान को तालिबान की सख्त और दमनकारी कार्यप्रणाली पर परोक्ष आलोचना के रूप में देखा गया। इसके अगले दिन अखुंदज़ादा के करीबी सहयोगी नेदा मोहम्मद नदीम ने असहमति के स्वर पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अमीर की अवज्ञा से व्यवस्था कमजोर होगी।

नदीम ने जोर देकर कहा कि एक इस्लामिक राज्य में केवल एक ही नेता हो सकता है और "कई अमीरों" का उभरना भ्रष्टाचार और विफलता को जन्म देगा। इससे कंधार नेतृत्व की निर्विवाद निष्ठा की मांग फिर सामने आई। अक्टूबर 2025 में सत्ता के प्रतिद्वंद्वी केंद्रों के बीच तनाव खुलकर सामने आया, जब सूत्रों के अनुसार अखुंदज़ादा ने देशभर में इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया। इस फैसले से सार्वजनिक सेवाएं और तालिबान के दफ्तर ठप हो गए। काबुल स्थित मंत्रियों के दबाव के बीच प्रधानमंत्री हसन अखुंद ने 48 घंटे बाद, इंटरनेट बहाल करने का आदेश दिया। एक सूत्र ने इसे काबुल और कंधार नेतृत्व के बीच सीधा टकराव बताया। बाद में बीबीसी की रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि सीमित अंतर्राष्ट्रीय संपर्क के पक्षधर मंत्रियों की लगातार पैरवी के बाद यह फैसला पलटा गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के भीतर दो धड़े उभरकर सामने आए हैं-एक काबुल आधारित समूह, जो व्यावहारिक अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और प्रशासनिक कार्यक्षमता का पक्षधर है, और दूसरा कंधार आधारित धड़ा, जो अखुंदज़ादा के नेतृत्व में अलगाव की नीति को तरजीह देता है। दोनों ही इस्लामी कानून के सख्त पालन के समर्थक हैं, लेकिन शासन और विदेश नीति को लेकर उनके विचारों में गहरा अंतर है।

बीबीसी ने कहा कि अक्टूबर का इंटरनेट बंद करने का फैसला उसी खतरे को दर्शाता है, जिसकी चेतावनी अखुंदज़ादा ने महीनों पहले दी थी।तालिबान प्रमुख अखुंदज़ादा स्वयं एक रहस्यमयी और एकांतप्रिय शख्सियत बने हुए हैं। उनसे मिलने वालों के अनुसार, वह बहुत कम बोलते हैं और अक्सर इशारों के माध्यम से संवाद करते हैं, जिनकी व्याख्या वरिष्ठ मौलवी करते हैं। वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी चेहरा, यहां तक कि आंखें तक ढके रखते हैं, फोटोग्राफी पर प्रतिबंध है।

बरेली

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर

पत्रांक: 3770/तहसील सदर/ई-निविदा सूचना/2025-26 दिनांक: 16.01.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) शाहजहांपुर द्वारा तहसील सदर जनपद शाहजहांपुर के भवन में पूर्व से निर्मित सभागार कक्ष, जीना, गैलरी में मरम्मत एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य कराये जाने हेतु दिनांक 17.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 तक समय सायं 05:00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा का विवरण एवं ई-निविदा संबंधी नियम एवं शर्तें www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जिसे नियत समय के अन्तर्गत डाउनलोड/ अपलोड किये जा सकता है। तदोपरान्त प्राप्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 31.01.2026 को समय अपरान्ह 02:00 बजे निविदा समिति के समक्ष परियोजना अधिकारी, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्यदिवस में उसी समय निविदा खोली जायेगी।

परियोजना अधिकारी
जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा)
शाहजहांपुर

कार्यालय नगर पंचायत बिलसण्डा, पीलीभीत

पत्रांक : 375/न.पं.बि./2025-26 दिनांक : 16.01.2026

ई-निविदा सूचना

पंजीकृत ठेकेदारान्/कम्पनी को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बिलसण्डा वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासनादेश संख्या-203/2025/आर.एफ.-1949/नौ-9-2025/2025/005-ई-1948524 के अन्तर्गत दिनांक 31 अक्टूबर 2025 पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना की प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य कराने और एल.ई.डी. लाईट, पोल की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य कराने प्रतिशत दर पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिनके लिए ई-निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई- प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि उक्त ई-निविदा में किसी प्रकार का संशोधन/परिवर्तन को देखने के लिए उक्त वेबसाइट पर समय-समय पर अवलोकन करते रहे। विवरण निम्नांकित है -

बिड प्रकाशन/अपलोड करने की तिथि	19.01.2026	अपरान्ह 12:00 बजे से
आनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	19.01.2026	अपरान्ह 12:30 बजे से
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	09.02.2026	अपरान्ह 12:30 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	09.02.2026	अपरान्ह 1:30 बजे से खुलने तक

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बिलसण्डा

अध्यक्ष
नगर पंचायत बिलसण्डा

एमपी-एमएलए ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया

खिचड़ी भोज में मौजूद सांसद और भाजपा नेता। ● अमृत विचार

संवाददाता, क्योलड़िया

अमृत विचार : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मौजम नगला ठाकुरदास मे शुक्रवार को शनि देव मंदिर पर भंडारे का आयोजन सर्वेश गंगवार ने किया। इसमें तमाम लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इनमें सांसद छत्रपाल गंगवार विधायक डॉ एमपी आर्य, ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, विशाल गंगवार अखिलेश गंगवार, राजीव गंगवार, राजू गंगवार, ग्राम प्रधान जितेंद्र गंगवार, हीरालाल गंगवार विश्व देव राठौर जयपाल गंगवार देवेश गंगवार दीपक गंगवार जयदेव गंगवार देव दत्त गंगवार मनोहर लाल गंगवार भोले राम गिरधारी लाल आदि ने प्रसाद ग्रहण किया भंडारे के बाद मंदिर पर दुर्गा जागरण का आयोजन किया गया

मीरगंज : मीरगंजमें विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी भोज (भंडारा) का आयोजन किया गया। इन में सैकड़ों राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कस्बे एवं देहात क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इस दौरान शिवकुमार शर्मा, शीलू शर्मा,संजय गुप्ता,पंकज गंगवार,गोपाल शर्मा, विशेष गुप्ता, मुनीश पाराशरी, कौशलेंद्र गौड़, के पी राणा, खेमेंद्र मौर्य, शिवकुमार उर्फ कक्कू आदि मौजूद रहे।

कोटेदार के खिलाफ ग्रामीण लामबंद

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : हरेली गांव के कोटेदार के खिलाफ ग्रामीण लामबंद हो गए हैं । ग्रामीणों ने पूर्ति कार्यालय पहुंचकर शिकायती पत्र दिया है जिस पर विभागीय जांच की जा रही है ।

हरेली गांव के प्रियांश गंगवार ,सर्वेश कुमार, रेखा देवी, सुनीता, बिजरानी, आदि ग्रामीण ने पूर्ति निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि कोटेदार राशन में घटतौली कर रहे। अंत्योदय कार्ड पर 35 किलो राशन की जगह 32 किलो राशन एवं प्रति यूनिट पर 4:50 किलो गल्ला 5 किलो प्रति यूनिट की जगह दिया जा रहा है।

पॉलीथिन की बिक्री नहीं होने दी जाएगी

शेरगढ़, अमृत विचार : सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के प्रयोग को बंद करने को लेकर बड़े व्यवसायियों को पॉलिथीन बिक्री पर रोक लगाने की हिदायत दी है। अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह का कहना है कि कस्बे में पॉलिथीन का प्रयोग और बिक्री नहीं होने दी जाएगी। बिक्री करने वाले व्यवसायियों से जुर्माना वसूलने के साथ ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसपी उत्तरी ने शीशगढ़ थाने का किया निरीक्षण

थाने के निरीक्षण के दौरान एसपी उत्तरी मुकेश मिश्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, शीशगढ़

● **मालखाने में धूल देखकर मुंशी से जताई नाराजगी**

अमृत विचार : शुक्रवार को एस पी उत्तरी मुकेश मिश्र ने शीशगढ़ थाना का निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाने में रखी कन्सील्ट पर धूल देख हेड मोहर्रिर पर नाराजगी जताई और सफाई कराने के निर्देश दिये।इसी के साथ मैस का निरीक्षण किया। जिसमे खाना बनाने वाली महिला कन्नी से उसके हाथों को देखा,साफ दिखने पर खाने के मीनू के बारे में जानकारी कर खाना मीनू के आधार पर बनाने का निर्देश दिया। एस पी ने थाना में बनी पुलिस कर्मियों की बैरिकों के निरीक्षण में कुछ कमरों की दीवारों में पानी से आ रही सीलन देख थाना प्रभारी से उसे दुरस्त कराने को निर्देशित किया। उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर टीम का कार्य सन्तोष जनक पाए जाने पर उन्हें सम्मानित करने को एस एस पी से सिफारिश करने की बात कही। कस्वे में मुख्य चौराहो पर लगाए गए सी सी टी वी कैमरों के निष्क्रिय होने की शिकायत पर सभी कैमरों को जल्द क्रियाशील कराए जाने को थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह को निर्देशित किया।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

रिठौरा,अमृत विचार : कोहरा में बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई दूसरा घायल हो गया है।

जानकारी के अनुसार थाना हाफिजगंज के गांव सावरखेड़ा के जयकाश (30) वेदप्रकाश उर्फ बब्लू गौतम(35)वाल पेंटिंग का काम करते थे। शुक्रवार शाम को शहर से काम करके बाइक से गांव लौट रहे थे।भंडसर -बंजरिया मार्ग पर सिरोही फार्म हाउस के निकट किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। सड़क से गुजर रहे राहगीरों की सूचना पर 112 नंबर पुलिस तथा रिठौरा पुलिस चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता मय फोर्स मौके पर पहुंचे तुरंत घायलों को तुरंत एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने वेदप्रकाश उर्फ बब्लू गौतम को मृत घोषित कर दिया।

हरिश्चंद्र महाराज की जय से वातावरण हुआ गुंजायमान : कैंट, अमृत विचार : पुराना मोहनपुर स्थित पीपल वाले महाराज मन्दिर प्रांगण में मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन शुक्रवार को कथा में प्रख्यात कथा वाचक आचार्य हृदयेश शास्त्री ने सत्य हरिश्चंद्र की कथा सुनाई।

कार्यालय स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, बरेली

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 858/स्वा.वि./न.स्वा.अधि./2025-26 दिनांक 16.01.26

ई-निविदा सूचना ठेकेदारों से 05 वार्डो की सफाई कार्य हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 05 तक)

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	19.01.2026 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	19.01.2026 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	27.01.2026 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	27.01.2026 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यों का विवरण, नियम व शर्तें नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम, बरेली

सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा क्लब ने रैली निकाली।

अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा क्लब एवं एनएसएस इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। रैली के जरिये लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया गया।

रैली के दौरान हेलमेट लगाने, यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमों का पालन, नियंत्रित गति, हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग अत्यंत जरूरी है। सभी प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक रहने एवं दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। कुलपति प्रो. केपी सिंह के संरक्षण और कुलसचिव हरीश चंद के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। संयोजन सड़क सुरक्षा क्लब के समन्वयक डॉ. आशीष जैन और एनएसएस समन्वयक डॉ. पवन कुमार सिंह ने किया। डॉ. आशीष शंकवार, डॉ. अनिल बिष्ट सहित छात्र-छात्राओं, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं सड़क सुरक्षा क्लब के सदस्यों ने भाग लिया।

गन्ना लदे वाहन टकराए हाईवे पर लगा जाम

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : हाईवे पर पट्टी के पास मीरगंज गन्ना मिल जा रहे गन्ना लदे दो ट्रैक्टर आगे पीछे चल रहे थे। कुछ देर में ही ओवर टेक करने के चक्कर में गन्ना लदे ट्राला आपस में भिड़ गये। इससे दोनों वाहन एक-एक पटरी पर चले गये। इससे गन्ना रोड पर फैलने से कुछ समय के लिए जाम लग गया। शुक्रवार की शाम फतेहगंज इलाके के गन्ना क्रय केन्द्र से गन्ना लादकर दो ट्रैक्टर ट्राला आगे पीछे मीरगंज गन्ना मिल जा रहे थे।नेशनल हाइवे पर टोल प्लाजा से आगे गांव पट्टी से पहले आगे निकलने के चक्कर में एक दूसरे को ओवर टेक करने लगे।अचानक ट्राली से बाहर निकला गन्ना टकराने से दोनों ट्रैक्टर ट्राला भिड़कर दोनों अलग-अलग साइट में चले गए। जिससे रोड पर आवा गमन बंद हो गया। इसे कुछ देर में पुलिस ने खुलवा दिया।

हाईवे पर मार्गपर बीच में खड़ा ट्राला।

न्यूज ब्रीफ

कर्नाटक के लक्कुंडी गांव में खजाने की खोज

गडग। कर्नाटक के गडग जिले में एक भवन निर्माण के दौरान खुदाई में सोने के सदियों पुराने आभूषण मिलने के बाद राज्य सरकार पूरे लक्कुंडी गांव के निवासियों को दूसरी जगह बसाने पर विचार कर सकती है। लक्कुंडी में खजाने की तलाश में शुक्रवार को राज्य सरकार के खुदाई शुरू करने के बीच, गडग के उपायुक्त सी एन श्रीधर ने कहा कि ग्रामीणों को दूसरी जगह बसाने का निर्णय खुदाई के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा। श्रीधर ने कहा कि खुदाई के निष्कर्षों के आधार पर ग्रामीणों को दूसरी जगह बसाने का निर्णय लिया जाएगा। सरकार ने लक्कुंडी में कोटे वीरभद्रेश्वर मंदिर परिसर में खुदाई शुरू करने का निर्णय लिया है।

मेफेड्रोन फैक्ट्री पकड़ी 15 लोग गिरफ्तार

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में पुलिस ने नशीला पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए शुक्रवार को 15 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर चिकलाना गांव में दिलावर लाला (50) के घर छापा मारा गया और वहां मादक पदार्थ एमडी बनाने के अवैध कारखाने का पर्दाफाश किया गया। उन्होंने बताया कि लाला समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें उसके परिजन भी हैं।

डीसी दफ्तर को बम से उड़ाने की मिली धमकी

अंबाला/कुरुक्षेत्र। अंबाला के उपायुक्त कार्यालय (डीसी) और कुरुक्षेत्र जिले के मिनी सचिवालय को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद अधिकारियों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के बाद अधिकारियों ने बताया कि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और यह झूठी धमकी थी। ईमेल में अंबाला स्थित डीसी कार्यालय में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की मदद से रिकॉर्ड रूम सहित पूरे कार्यालय की व्यापक तलाशी ली।

सीआईसी ने सहकारी रजिस्ट्रार को फटकारा

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने कहा कि सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार के इस दावे में कोई दम नहीं दिखता कि सहारा जमाकर्ता द्वारा भेजे पत्रों का कार्यालय के स्थानांतरण से पता नहीं लग पा रहा है। इस संबंध में की कार्रवाई के बारे में प्राधिकार को चार सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज

संसदीय पैनल की वैधता को दी थी चुनौती, उच्चतम न्यायालय ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाए जाने से संबंधित प्रस्ताव पर सभापति की ओर से मसौदा निर्णय तैयार करने के राज्यसभा के महासचिव के कदम पर शुक्रवार को नाखुशी जाहिर की। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने हालांकि न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष के उन्हें पद से हटाने की मांग वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने संबंधी फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिका में न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को भी चुनौती दी गई थी।

पीठ ने कहा कि राज्यसभा के महासचिव ने विशुद्ध प्रशासनिक भूमिका से परे जाकर काम किया, जैसा कि दस्तावेज में इस्तेमाल भाषा से स्पष्ट है। उसने कहा, मामले में आगे बढ़े बिना, हम यह कहना उचित समझते हैं कि प्रस्ताव पर सचिवालय स्तर पर जिस तरह से कार्रवाई की गई, वह कानून के तहत परिकल्पित भूमिका के साथ पूरी तरह से मेल नहीं खाती है। शीर्ष अदालत ने राज्यसभा के उपसभापति के न्यायमूर्ति वर्मा को हटाए जाने संबंधी प्रस्ताव को स्वीकार न करने के फैसले की सात पृष्ठों की प्रमाणित प्रति का अवलोकन करने के बाद कहा कि मसौदा निर्णय उपसभापति के समक्ष रखा गया था, जिन्होंने महासचिव के फैसले से स्पष्ट रूप से सहमति जताई थी। न्यायालय ने कहा, हम आशा करते हैं कि किसी अन्य न्यायाधीश को भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर सेवा से हटाए जाने संबंधी कार्यवाही का सामना न करना पड़े। अगर दुर्भाग्यवश किसी न्यायाधीश के प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार में शामिल होने का मामला फिर से सामने आता है और जनप्रतिनिधि इन आरोपों के आधार पर जांच की मांग करते हैं, तो सचिवालय की ओर से संयम बरतना और प्रस्ताव स्वीकार करने का फैसला लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा सभापति पर छोड़ना उचित होगा, न कि आगे की कार्रवाई तय करना।

● राज्यसभा महासचिव के मसौदा निर्णय तैयार करने से कोर्ट नाखुश

उम्मीद वक्फ पोर्टल याचिका पर सुनवाई से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों के आरोप वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया है। एक याचिकाकर्ता ने वक्फ सम्पति की जानकारी अपलोड करने के लिए इस्तेमाल होने वाले उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों का आरोप लगाया था।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की छूट दी। पीठ ने कहा कि हमें इस रिट याचिका पर सुनवाई का कोई आधार नहीं दिखता।

अधिकारी को क्या टूट जाने तक जेल में रखेंगे

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना के विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव की ओर से फोन टैपिंग मामले में दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा कि क्या उसकी मंशा सेवानिवृत्त अधिकारी को तब तक जेल में रखने की है, जब तक कि वह टूट न जाएं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने सुनवाई के शुरुआत में ही भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी को दी गई अंतरिम जमानत के आदेश को स्थायी करने का संकेत दिया।

मुकुल रॉय को अयोग्य घोषित करने पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय को भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद बंगाल विधानसभा के विधायक के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने हाईकोर्ट के 13 नवंबर 2025 के आदेश पर रोक लगा दी। दलबदल विरोधी कानून का सहारा लेते हुए हाईकोर्ट ने पहली बार दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी निर्वाचित सदस्य को अयोग्य घोषित करने के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया था।

अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार का दुरुपयोग

उच्चतम न्यायालय ने बंबई हाईकोर्ट में एक याचिका लंबित होने के बावजूद अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता से शुक्रवार को नाराजगी जताई। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर शीर्ष अदालत से अनुरोध करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों में स्थगन जैसे मामलों को लेकर भी अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है।

अवैध हथियार निर्माण गिरोह का भंडाफोड़ पांच संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सक्रिय गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों को कथित तौर पर हथियार मुहैया करने वाले एक अवैध आग्नेयास्त्र निर्माण और आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह से पहले अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू किए गए एक विशेष अभियान के तहत की गई कार्रवाई में हत्या सहित जघन्य अपराधों के आरोप में पांच संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 20 देसी पिस्तौल, 12 कारतूस और अवैध आग्नेयास्त्र बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में मशीनरी और कच्चा माल जब्त किया। चार जनवरी को कापसहेड़ा इलाके में पुलिस ने जाल बिछाया और दिल्ली के पालम निवासी भरत उर्फ भारु (35) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और एक कारतूस जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ शस्त्र कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद उससे लगातार पूछताछ में एक बड़े पैमाने पर आग्नेयास्त्र निर्माण गिरोह का खुलासा हुआ।

अल फलाह विवि की 140 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने शुक्रवार को कहा कि हरियाणा स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की 140 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन और इमारत को शुक्रवार को कुर्क कर लिया। ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके ट्रस्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। अल फलाह विवि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट के बाद केंद्रीय एजेंसियों की जांच के घेरे में है।

ईडी ने कहा कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी अंतरिम आदेश के तहत फरीदाबाद के धौज क्षेत्र में स्थित विवि की 54 एकड़ भूमि, इमारतों, विभिन्न स्कूलों और विभागों से संबंधित इमारतों और छात्रावासों को कुर्क किया गया है। ईडी ने कहा कि इन संपत्तियों का मूल्य 139.97 करोड़ है। एजेंसी ने दावा किया कि शिक्षण संस्थानों के पास शिक्षण के लिए आवश्यक वैध मान्यता नहीं थी। पीएमएलए की विशेष अदालत में सिद्दीकी और अल फलाह ट्रस्ट के खिलाफ भी आरोप-पत्र दायर किया गया है।

ईडी के अनुसार, ट्रस्ट ने सिद्दीकी के परिवार द्वारा नियंत्रित फर्मों को 110 करोड़ से अधिक की रकम भेजी। वह फिलहाल जेल में बंद है। जांच के दौरान जवाद अहमद सिद्दीकी की सक्रिय भूमिका पाई गई है। उसने अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट, अल-फलाह विवि (जिसमें अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर भी हैं) और संबंधित संस्थाओं पर नियंत्रण कायम रखा और वह अवैध रूप से अर्जित धन का प्रमुख लाभार्थी पाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों को आरोपी बनाकर अदालत में पेश किया गया है और ईडी ने धनशोधन रोधी कानून के तहत उन पर मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है।

● ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष और उनके ट्रस्ट के खिलाफ दाखिल किया आरोप-पत्र

● दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट के बाद जांच के घेरे में अल फलाह

गोवा क्लब आगजनी की 1999 से की जाएगी जांच

पणजी, एजेंसी

● अलग-अलग नाम से संचालित हो रहा था नाइट क्लब : सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन वर्षों से अलग-अलग नामों से संचालित होता रहा है और उनकी सरकार 1999 से यहां किए गए नियमों के उल्लंघन की जांच करेगी। इसी नाइट क्लब में पिछले महीने आग लगने की घटना हुई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गयी थी। सावंत ने राज्य विधानसभा को सूचित किया कि उनकी सरकार ने आवश्यक परमिट के बिना संचालित होने वाले पर्यटन प्रतिष्ठानों पर व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि उल्लंघन करने वालों को कोई वीआईपी सुरक्षा नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित बर्च बाय रोमियो लेननामक नाइट क्लब में पिछले महीने लगी आग के संबंध में विपक्ष की ओर से पूछे गए कई सवालों का जवाब दिया। इस घटना में 25 लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने बताया कि बर्च बाय रोमियो लेन कुछ साल पहले एक दूसरे नाम से संचालित हो रहा था। उन्होंने कहा कि नाइट क्लब का नाम बार-बार बदलता रहा। क्लब द्वारा किए गए उल्लंघनों की जांच 1999 से ही की जा रही है। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया कि किराये की जमीनों पर संचालित वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ ने सरकार से तटीय विनियमन क्षेत्र कानूनों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के बारे में आंकड़े उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण पर काम ठीक से न करने का आरोप लगाया।

आईआरसीटीसी घोटाला

राबड़ी की याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा दायर उस याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के मामले में आरोप तय किए जाने को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तारीख तय की, जिस दिन उनके पति और बेटे तेजस्वी यादव की इसी तरह की याचिकाएं भी सूचीबद्ध हैं। निचली अदालत ने 13 अक्टूबर 2025 को धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोपों में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए। राबड़ी देवी ने कहा कि निचली अदालत ने कथित साजिश में पहले ही मान लिया की उनकी भूमिका है।

भारत-जापान साझेदारी से घटेगा आर्थिक जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी

● विदेश मंत्री जयशंकर ने की जापानी समकक्ष तोशिमित्सु मोतेगी के साथ रणनीतिक वार्ता

भारत और जापान ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर शुक्रवार को सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच साझेदारी में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है। जयशंकर ने यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता में हिस्सा लेने के बाद यह टिप्पणी की। वार्ता में दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिजों पर एक संयुक्त कार्य समूह और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर एक संवाद तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए।

जयशंकर के साथ बातचीत से पहले मोतेगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "हमारे बीच विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी में लगातार प्रगति हो रही है और इसमें विश्व व्यवस्था को आकार देने तथा अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है।

उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा दोनों पक्षों के बीच साझा हितों की सूचक है। जयशंकर ने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ।

जापान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता तोशिहिरो कितामुरा ने कहा कि जयशंकर और मोतेगी ने अपने विचारों को एकमत करने के लिए विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया और क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के महत्व पर जोर दिया। कितापुरा ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया और दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिजों पर एक संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने पर सहमत हुए।

जापानी समकक्ष के साथ विदेशमंत्री जयशंकर।

वैश्विक साझेदारी की मजबूती पर दिया जोर

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जयशंकर और मोतेगी ने भारत-जापान के बीच विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि दोनों मंत्रियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को नई गति देने के लिए एआई संवाद की शुरुआत की। जायसवाल के मुताबिक, भारत और जापान ने दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए आर्थिक सुरक्षा पहल के तहत महत्वपूर्ण खनिजों पर एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का भी फैसला किया है। वार्ता में अपने शुरुआती संबोधन में जयशंकर ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत का दृष्टिकोण स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के जापान के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है।

निर्वाचन आयोग पर गुमराह करने के राहुल गांधी के आरोप पर भाजपा ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना जारी रहने के दौरान चुनाव प्रक्रिया को बदनाम करके वह लोगों को गुमराह कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया गांधी के इस बयान पर आई है कि वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है और निर्वाचन आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा है।

राहुल ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में मार्कर पेन में इस्तेमाल होने वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच यह बयान दिया। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कहा कि बहाना ब्रिगेड की वापसी! गिनती खत्म होने से पहले हार स्वीकार रहे हैं? उन्होंने कहा कि राहुल वही कर रहे हैं जिसमें वह सबसे अच्छे हैं- बदनाम करना, तोड़-मरोड़कर पेश करना और गलत जानकारी देना। पूनावाला ने कहा कि बिहार चुनाव पर राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का क्या नतीजा निकला। भाजपा के एक और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि हर मौसम में परिवारवादी जांच से बचने के लिए कोई न कोई आरोप लगाते हैं, जो अदालत और जनता की अदालत में बेकार साबित होते हैं। भंडारी ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान से समर्थन पाने वाली देश विरोधी पार्टी, बीएमसी चुनावों में हार सुनिश्चित देखते हुए बलि का बकरा ढूंढ रही है। भाजपा ने कई मौकों पर गांधी के वोट चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश बताया है। भाजपा ने राहुल गांधी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के दूसरे नेताओं से पूछा है कि उन्होंने बिहार चुनाव के नतीजों को न्यायालय में या दूसरे मंचों पर चुनौती क्यों नहीं दी।

● राहुल के पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच दिए बयान पर वाकयुद्ध

भैरव बटालियन करेगी अपना पहला प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

● गणतंत्र दिवस परेड : फ्लाईपास्ट में राफेल, सुखोई-30, मिग-29, अपाचे, हेलीकॉप्टर होंगे शामिल

नवगठित भैरव लाइट कमांडो बटालियन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में अपना पहला प्रदर्शन करेगी और स्वदेशी प्लेटफार्मों सहित प्रमुख सैन्य संपत्तियां कर्मियों के साथ चरणबद्ध युद्ध संरचना में कर्तव्य पथ पर नजर आएंगी।

अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि इसके अलावा, समारोह में होने वाले फ्लाईपास्ट में राफेल, सुखोई-30, पी8आई, मिग-29, अपाचे, एलसीएच (हल्के लड़ाके हेलीकॉप्टर), एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर), एमआई-17 हेलीकॉप्टर विभिन्न संरचनाओं में दिखेंगे और परिवहन विमान सी-130 तथा सी-295 भी परेड की शोभा बढ़ाएंगे।

रक्षा सचिव आर के सिंह ने साउथ ब्लॉक में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह की व्यापक रूपरेखा साझा की, जिसमें इस बार कई चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह पूछे जाने पर कि स्वदेशी रूप से निर्मित एलसीए तेजस को परेड में शामिल क्यों नहीं किया गया, और क्या दुबई एयर शो में प्रदर्शन के दौरान तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना इसका एक कारण है।

गिनीज रिकॉर्ड के लिए रिहर्सल...

असम के गुवाहाटी में बोडो समुदाय के बटरफ्लाई डांस के अब तक के सबसे बड़े प्रदर्शन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए सरुसजाई स्टेडियम में पारंपरिक पोशाक में रिहर्सल करते बगुरुम्बा नर्तक।

भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला बोलने वाले प्रताड़ित : ममता

कोलकाता, एजेंसी

● प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद में लोगों ने किया प्रदर्शन

प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों को बांग्ला बोलने के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रशासनिक कार्यक्रमों में जाने के लिए उत्तरी बंगाल रवाना हुईं बनर्जी ने कहा कि भाजपा राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि उसे एहसास है कि वह 2026 का विस चुनाव नहीं जीत पाएगी।

प. बंगाल के बाहर प्रवासी श्रमिकों पर हुए हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय का गुस्सा जायज है। यह प्रदर्शन प्रवासी श्रमिकों के खिलाफ हिंसा की बार-बार होने वाली घटनाओं से हुआ। पुलिस ने बताया कि मुर्शिदाबाद के लोगों ने अन्य राज्यों में जिले के प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के विरोध में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिले से संबंधित प्रवासी अन्य राज्यों में बांग्ला बोलने के कारण अत्याचार का सामना कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि काम की तलाश में झारखंड गए मुर्शिदाबाद के एक निवासी की मौत की खबर फैलने के बाद बेलडांगा में प्रदर्शन हुआ।

गृह मंत्रालय, कार्मिक विभाग को पक्षकार बनाएं : ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असामान्य कदम उठाते हुए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल कर अपनी उस याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को भी पक्षकार बनाने का अनुरोध किया है, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोयला घोटाले की जांच के क्रम में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के खिलाफ एजेंसी की छापेमारी में दखल देने व बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

ईडी ने अपनी अर्जी में प्रस्तावित प्रतिवादियों सात, आठ और नौ को वर्तमान आपराधिक रिट याचिका में प्रतिवादी के रूप में शामिल करने का अनुरोध किया है।

महत्वपूर्ण भूमिका | भारतीय स्टार्टअप से मोदी ने किया विनिर्माण और गहन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि स्टार्टअप इंडिया का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक क्रांति करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें से करीब 125 स्टार्टअप एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न दर्जा हासिल कर चुके हैं। मोदी ने कहा कि इसके साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। आपका साहस, आत्मविश्वास और नवाचार भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे। एआई पर सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो देश एआई क्रांति में आगे रहेगा, उसे उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत एआई विकास से जुड़ी उच्च कंप्यूटिंग लागत की चुनौती से निपटने के लिए 38,000 से अधिक जीपीयू जोड़े गए हैं।

परिश्रम और साहस के साथ जोखिम उठाना जरूरी

मोदी ने कहा कि नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम के साथ साहस और जोखिम उठाने की क्षमता भी जरूरी है। 'स्टार्टअप इंडिया' ने देश में उद्यमिता की संस्कृति को लोकतांत्रिक बनाया है और छोटे शहरों, कस्बों एवं गांवों तक कारोबारी आकांक्षाओं को पहुंचाया है। 'स्टार्टअप इंडिया' की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। कई यूनिकॉर्न कंपनियां अब अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं और बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित कर रही हैं।

अमृत विचार

शनिवार, 17 जनवरी 2026

गलतियां करते हुए बिताया गया जीवन बिना कुछ किए बिताए गए जीवन की तुलना में न सिर्फ अधिक सम्मानजनक है, बल्कि अधिक उपयोगी भी है।
-जॉर्ज बर्नार्ड शा

स्पष्ट सीख

आईपैक छापे के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया अंतरिम आदेश उचित विधायी हस्तक्षेप और संघीय ढांचे, एजेंसियों की भूमिका तथा चुनावी राजनीति के जटिल रिश्तों पर एक सख्त टिप्पणी है। अदालत की यह टिप्पणी कि ईडी की याचिकाओं से उठे गंभीर सवालों की जांच नहीं हुई तो "देश में अराजकता" का संदेश जाएगा, बताती है कि अदालत राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज को प्रशासनिक या राजनीतिक तरीकों से बाधित करने को हल्के में नहीं ले रही। कोर्ट परिसर में टीएमसी समर्थकों की भीड़ जुटाना भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सर्वथा विपरीत हैं। न्यायालय जनदबाव से नहीं, विधि से चलता है। ऐसा आचरण पार्टी की संवैधानिक समझ पर सवाल खड़े करता है। जब सरकारी तंत्र और राजनीतिक शक्ति एक ही व्यक्तित्व में निहित हो, तब यह दलील कि मुख्यमंत्री वहां पार्टी अध्यक्ष के रूप में गईं, कानूनी तौर पर कमजोर है। ईडी अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर पर रोक, राज्य सरकार को नोटिस और जवाब तलबी इत्यादि टीएमसी के लिए तत्काल राजनीतिक असहजता पैदा करते हैं। हालांकि ईडी की टाइमिंग पर भी सवाल स्वाभाविक हैं। पांच वर्षों से लंबित जांच में ऐन चुनावों के पहले छापे क्यों? एजेंसी को यह स्पष्ट करना होगा कि नई सामग्री, हवाला चैनल और कैश ट्रांसफर जैसी कई ताजा कड़ियों का मिलान ही इस देरी और कार्रवाई का आधार बनी। ईडी के दुरुपयोग की जनधारणा को नजरअंदाज न करते हुए अंतिम सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को दोनों वास्तविकताओं एजेंसियों की स्वायत्तता और उनके कथित दुरुपयोग के बीच संतुलन साधना होगा। राजनीतिक प्रश्न यह है कि क्या इससे ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मुसीबतें बढ़ेंगी या वे इसे "विपक्षी प्रताड़ना" का मुद्दा बनाकर लाभ उठा पाएंगी? चुनाव अंततः जनमत तय करेगा, पर बंगाल की राजनीति का इतिहास बताता है कि ममता बनर्जी अक्सर पीड़ित-कार्ड को प्रभावी ढंग से भुनाती रही हैं। परंतु इस बार मामला केवल बयानबाजी का नहीं, बल्कि अदालती प्रक्रियाओं, नोटिस और एजेंसियों की विकट और जटिल जांच का है यह प्रक्रिया दीर्घकाल में उनके लिये राजनीतिक जोखिम को बढ़ाता है।

ममता बनर्जी के आरोप कि आईपैक के पास एसआईआर से जुड़ा पार्टी का चुनावी डेटा था, ईडी उसे जब्त करने पहुंची या भाजपा द्वारा पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर मतदान कराने की साजिश अथवा चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर एआई की मदद से मतदाता सूची से नाम हटा रहा है, राजनीतिक रूप से तीखे हो सकते हैं, पर कानूनी कसौटी पर ठोस सबूत के बिना प्रमाण के ये आरोप समर्थकों को प्रभावित भले करें, लेकिन अदालत में टिकना कठिन है। तथ्यात्मक परीक्षण में मात्र आशंका पर्याप्त नहीं। हां, कोयला घोटाले की रकम सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचने के दावे यदि प्रमाण सहित सामने आते हैं, तो राजनीति और तेज होगी अन्यथा यह सियासी पलटवार जोखिम से भरा है। अब अंतिम अदालती फैसला चाहे जो हो, यह मामला बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों और उसके बाद भी राजनीतिक विमर्श में बना रहेगा। गैर-भाजपाई राज्यों के लिए सीख स्पष्ट है कि कानूनी लड़ाई को सड़क और भीड़ की राजनीति से अलग रखें, संस्थानों से टकराव में संयम बरतें और हर आरोप को दस्तावेजी प्रमाण से जोड़ें।

प्रसंगवश

डिजिटल शोर में शब्दों का शाश्वत स्वर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में विश्व पुस्तक मेला चल रहा है। यह 18 जनवरी तक चलेगा। विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है, बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का इतिहास भी इसकी महत्ता को और गहराई देता है। 1972 में विंडसर प्लेस से शुरू हुआ यह सफर आज 53 वर्षों का हो चुका है। तब केवल 200 प्रकाशक और कुछ ही देश शामिल होते थे, आज यह एशिया के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े बी 2 सी बुक फेयर में गिना जाता है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि हर दौर में नए रूप में सामने आया है।

इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की,

योगेश कुमार गोयल
लेखक

बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं, बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद यह है कि जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं, बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है।

इस वर्ष मेले की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। पुस्तकें केवल जानकारी नहीं देती, वे सोचने की क्षमता विकसित करती हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया हमें त्वरित सूचनाएं तो देते हैं, लेकिन अक्सर निष्क्रिय स्वीकृति की आदत डाल देते हैं। इसके विपरीत, पुस्तकें ध्यान, एकाग्रता और कल्पनाशीलता की मांग करती हैं। वे प्रश्न पूछने की क्षमता जगाती हैं और उत्तर खोजने का धैर्य सिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, उदास या परेशान होते हैं, तब किताबें ही सच्ची मित्र बनकर हमारा साथ देती हैं।

विज्ञान के सहारे विकसित भारत की ओर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विज्ञान और वैज्ञानिक सोच को दिशा देने वाली प्रमुख संस्था इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) ने इसी महीने 7 तारीख को अपना 91 वां स्थापना दिवस मनाया। दिल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक संस्थान के स्थापना दिवस तक सीमित नहीं था। यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बना। नौ दशकों से अधिक समय से आईएनएसए देश में विज्ञान, अनुसंधान और तार्किक सोच को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। इस संस्था ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों को एक सशक्त मंच दिया है, बल्कि सरकार और समाज के बीच विज्ञान को जोड़ने का काम भी किया है।

आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया। समय के साथ आईएनएसए विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करने, शोध को प्रोत्साहित करने और वैज्ञानिक नीतियों पर मार्गदर्शन देने वाली एक विश्वसनीय संस्था के रूप में स्थापित हुई। 91 वर्षों की इसकी यात्रा भारत के वैज्ञानिक विकास की कहानी को भी दर्शाती है।

इस अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर ने एक विशेष सार्वजनिक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत के विज्ञान और तकनीक के बदलते स्वरूप और विकसित भारत की दिशा में हो रही प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का वास्तविक विकास केवल आर्थिक वृद्धि या भौतिक ढांचे से नहीं होता, बल्कि उसकी वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और ज्ञान निर्माण से तय होता है। आज के दौर में वही देश आगे बढ़ रहे हैं, जो विज्ञान और तकनीक को अपनी विकास नीति का आधार बनाते हैं। भारत अब उस दौर से आगे निकल चुका है, जब वह केवल दूसरे देशों की तकनीक और ज्ञान पर निर्भर रहता था।

आज भारत स्वयं ज्ञान का निर्माण कर रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी है। इसके लिए शोध, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार निवेश और सुधार की आवश्यकता है। आज भारत विज्ञान और इंजीनियरिंग से जुड़े शोध प्रकाशनों के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिखाती है कि भारतीय वैज्ञानिक न केवल बड़ी संख्या में शोध कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान भंडार में सक्रिय योगदान भी दे रहे हैं। यह तथ्य इस बात का संकेत है कि देश में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की क्षमता लगातार बढ़ रही है। भारत में अब नवाचार की संस्कृति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। भारत में रहने वाले भारतीयों द्वारा पेटेंट दाखिल करने के मामले में देश-दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है।

यह बदलाव देश में स्टार्ट-अप संस्कृति, उद्योग और अनुसंधान के बीच बढ़ते सहयोग का परिणाम है। भारत की प्रगति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में उसकी स्थिति है। पिछले एक दशक में भारत ने इस सूचकांक में 90 वें स्थान से छलांग लगाकर 30 वें स्थान तक का सफर तय किया है। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली, बल्कि यह लगातार किए गए प्रयासों, नीतिगत सुधारों और अनुसंधान एवं विकास में बढ़ते निवेश का परिणाम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और व्यवस्थित हो रहा है।

सरकार अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रयोगशालाओं में होने वाला शोध केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज और आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके। युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप्स को वित्तीय सहायता, आधुनिक सुविधाएं और नीतिगत समर्थन दिया जा रहा है, जिससे नए विचारों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। आईएनएसए की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण बन जाती है। यह संस्था केवल वैज्ञानिकों को सम्मानित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञान से जुड़ी नीतियों पर सरकार को सलाह देने और समाज में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का भी कार्य करती है। आईएनएसए वैज्ञानिक समुदाय को एक साझा मंच उपलब्ध कराती है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने विचार साझा कर सकें और राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकें। 91 वर्षों की इसकी यात्रा यह दिखाती है कि मजबूत और स्वतंत्र वैज्ञानिक संस्थाएं किसी भी देश की प्रगति की आधारशिला होती हैं।

स्थापना दिवस का यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, कृषि की उत्पादकता और डिजिटल सुरक्षा जैसे मुद्दे ऐसे हैं, जिनका समाधान विज्ञान और तकनीक के माध्यम से ही संभव है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को समाज के हर स्तर तक पहुंचाना आवश्यक है।

आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया।

आमने

SIR प्रक्रिया के अंतिम दिन, ERO के माध्यम से BLO पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काटें। कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और BLO ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इंकार किया तो उन्हें सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने तबादलों की धमकी दी है।
- **अशोक गहलोत**
पूर्व सीएम राजस्थान

सामने

कांग्रेस इस तरह के विषयों पर ध्यान भटकाने का काम करती है। पहली बात तो यह पूछना चाहता हूं कि पूरे देश आजाद होने के बाद 11 बार SIR हुई, जिसमें 10 बार कांग्रेस शासन के कार्यकाल में हुई, उस समय जब कांग्रेस के नेता आरोप लगाते रहे, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इस तरह के आरोप जनता में भ्रम पैदा करते हैं, इसीलिए जनता को कांग्रेस ने पूरे भारत में नकार दिया है।
-**सुमित गोदारा**, मंत्री राजस्थान

बीच चुनाव में बिखर गई नेपाली कांग्रेस

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक सरकार में रही नेपाली कांग्रेस अंततः दो फांक हो गई। पार्टी में व्याप्त असंतोष और अंतर्विरोध का यह परिणाम है। पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पर कमजोर नेतृत्व का आरोप लग रहा था। युवाओं की उपेक्षा और दिशाहीन होने का भी आरोप था। उन पर इन सब मसलों के हल और विचार विमर्श के लिए विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन की मांग जोर पकड़ रही थी।

देउबा इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि राष्ट्रीय अधिवेशन सहित अन्य मुद्दों पर चुनाव बाद विचार और मंत्रणा होगी। पार्टी के दो महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा इसके लिए तैयार नहीं थे। इन दोनों ने पिछले रविवार को ही दो दिवसीय विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन आमंत्रित किया था। अधिवेशन की वैधता के सवाल पर गगन थापा का कहना था कि पार्टी विधान की धारा 17/2 के तहत यदि राष्ट्रीय परिषद के 54 प्रतिशत सदस्य और पदाधिकारी सहमत हैं, तो विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन कभी भी बुलाया जा सकता है। पार्टी में प्रदत्त इसी विधान के तहत अधिवेशन बुलाया गया।

इस अधिवेशन में शेर बहादुर देउबा सहित उनके निकटवर्ती अन्य पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे लोग अधिवेशन में नहीं आए। पूर्व में आयोजित दो दिवसीय यह अधिवेशन चार दिवसीय हो गया, जो काठमांडू के भृकुटी मंडप में आयोजित था। शेर बहादुर देउबा की सहमति के बिना आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के विभाजन की आशंका न केवल पार्टी के अन्य तमाम वरिष्ठ नेताओं को थी, बल्कि दूसरे राजनीतिक दलों को भी ऐसा ही अंदेशा था। देउबा और उनके गुट के वरिष्ठ सदस्यों ने पार्टी को विभाजन से बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। अधिवेशन के चौथे दिन मामला तब बिगड़ गया, जब देउबा गुट के कार्यवाहक सभापति पूर्ण बहादुर खड़का ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में में बैठक कर दोनों महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा सहित उप महामंत्री फरकुल्लाह मंसूर को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस निष्कासन के बाद ही पार्टी में विभाजन की रूपरेखा तैयार हुई। बुधवार को देर रात अधिवेशन में ही गगन थापा को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। विश्व प्रकाश शर्मा और कमला भुसाल को उपसभापति और फरकुल्लाह मंसूर को महामंत्री चुना गया।

पार्टी में विभाजन के बाद देउबा का अपने नेतृत्व वाली पार्टी का असली नेपाली कांग्रेस का दावा है, तो गगन थापा का कहना है कि पार्टी विभाजित नहीं हुई, यह और मजबूत और संगठित हुई है। बहरहाल नेपाली कांग्रेस के विभाजन का मामला चुनाव आयोग में जाना तय है और वहीं असली नकली का फैसला भी होगा। हां यह एक मामला जरूर पेचीदा हो गया कि चुनाव में देउबा के चयनित उम्मीदवार मैदान में होंगे या गगन थापा के? उच्च सदन के नामांकन की तिथि समाप्त हो गई है और उसके उम्मीदवार भी तय हो गए हैं, जबकि निचले सदन के उम्मीदवारी के नामांकन की तिथि अभी शेष है। चुनाव पांच मार्च को है। इसके पहले यदि देउबा और गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में फैसला नहीं आया, तो देउबा द्वारा चयनित उम्मीदवार और रूख चुनाव चिन्ह पर ही उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, लेकिन पार्टी के विभाजन का दंश उम्मीदवारों को झेलना तय है।

नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा। नेपाली कांग्रेस नेपाल की राजनीति में केवल एक पार्टी भर नहीं है। इसके साथ स्वर्गीय वीपी कोइराला, गिरिजा प्रसाद कोइराला, केपी भट्टराई, सुशील कोइराला आदि का नाम जुड़ा होने के नाते इसकी एक विचारधारा है, जो समावेशी विकास और जनसरोकार की बात करती है। स्वर्गीय वीपी कोइराला ने राजशाही के वक्त 1960 में ही लोकतंत्र का बिगुल बजा दिया था। इसके लिए उन्हें तत्कालीन राजा महेन्द्र के षड्यंत्रों का शिकार होना पड़ा था। लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा और निर्वसन तक का जीवन जीने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि वीपी कोइराला लोकतंत्र की जंग जीत नहीं पाए थे। राजा महेन्द्र अपनी कुटिल चालों से नेपाली कांग्रेस में फूट डालकर राजशाही बचाने में सफल रहे थे, जो लंबे समय से नेपाली कांग्रेस में फूट डालकर राजशाही बचाने में सफल रहे थे, जो लंबे समय तक चला। राजशाही विरोधी कई दलों के एक जुट विरोध और लंबे आंदोलन के बाद 2008 में नेपाल राजशाही से मुक्त हो पाया और यहां गणतंत्र का उदय हुआ। लोकतंत्र बहाली आंदोलन में नेपाली कांग्रेस के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता, जिसका नेतृत्व वीपी कोइराला के बाद स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला ने किया था। गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल में गांधी के नाम से जाना जाता है।

नेपाली कांग्रेस संघर्ष, त्याग और लोकतांत्रिक आंदोलनों की जीवंत विरासत है। जिस पार्टी ने नेपाल में लोकतंत्र की नींव रखी, राजतंत्र को चुनौती दी और गणतंत्र की स्थापना में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उस पार्टी का आज यह हाल चिंताजनक है। पार्टी के युवा नेताओं की अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाने वाले देउबा यदि स्वेच्छा से हट जाते तो पार्टी को विभाजन से बचाया जा सकता था। देउबा के नेतृत्व में नेपाली कांग्रेस देश में तेजी से बदलते राजनीतिक हालात के बीच पीछे छूट जा रही था, जो एक सच्चाई है। फिलहाल संख्या बल और स्वीकार्यता के लिहाज से गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस का पलड़ा भारी है। आसन्न संसदीय चुनाव में देउबा अथवा थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में कितना दम है यह देखना होगा।

नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा।

सोशल फोरम

सदैव अकेला होता है सच्चे विद्रोह का मार्ग

जैसे-जैसे मनुष्य की आयु बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे उसका अनुभव और ज्ञान भी परिपक्व होता जाता है। जीवन की घटनाएं, समाज की वास्तविकताएं और सत्ता के व्यवहार धीरे-धीरे उसके भीतर प्रश्न खड़े करने लगते हैं। एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति के सामने दो ही स्पष्ट रास्ते बचते हैं या तो वह भक्त बन जाए या फिर विद्रोही। भक्ति सहज मार्ग है। यह सामाजिक रूप से स्वीकार्य है, सुरक्षित है और सम्मान दिलाने वाला है। भक्त बनकर व्यक्ति न केवल समाज की अपेक्षाओं में फिट हो जाता है, बल्कि उसे पहचान, संरक्षण और प्रशंसा भी प्राप्त होती है। भक्ति में प्रश्न नहीं होते, केवल स्वीकार्यता होती है और यही कारण है कि यह मार्ग भीड़ द्वारा सबसे अधिक चुना जाता है। इसके विपरीत, विद्रोह का मार्ग अत्यंत कठिन और खतरनाक है। विद्रोह व्यक्ति को समाज से बहिष्कृत कर सकता है, उसे पूर्णतः अकेला कर सकता है। यह मार्ग जेल, सामाजिक अपमान और कभी-कभी मृत्युदंड तक ले जा सकता है। इसलिए विद्रोह का चयन वही करता है, जो सत्य के लिए मूल्य चुकाने को तैयार हो और ऐसे लोग सदैव बिरले होते हैं। नास्तिकता भी वस्तुतः विद्रोह का ही एक रूप है-ठीक उसी प्रकार, जैसे धर्मपरिवर्तन। दोनों ही किसी स्थापित मान्यता, परंपरा या विश्वास-तंत्र के विरुद्ध खड़े होने की घोषणा हैं। परंतु नास्तिकता में एक प्रकार की सामूहिक सुरक्षा निहित होती है। इसके समर्थक, तर्क, मंच और सहयोगी आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे व्यक्ति पूरी तरह अकेला नहीं पड़ता।

विशुद्ध चैतन्य
लेखक

वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है, जब व्यक्ति केवल धर्म या ईश्वर ही नहीं, बल्कि समाज और सत्ता-दोनों के विरुद्ध खड़ा हो जाए। वह यह समझ ले कि समाज वास्तव में स्वतंत्र चेतना से युक्त नागरिकों का समूह नहीं, बल्कि मवेशियों और गुलामों का वह झुंड है, जिसे लुटेरों और माफियाओं ने अपनी बपौती संपत्ति बना रखा है। वह जब इन मान्यताओं और परंपराओं को चुनौती देता है, तब संघर्ष का स्तर कहीं अधिक गहरा और खतरनाक हो जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कहीं कोई समर्थक या सहयोगी नहीं मिलता, क्योंकि अधिकांश लोग अपने तथाकथित पालनहारों-सत्ता, व्यवस्था और संरचनाओं के विरुद्ध जाने का साहस नहीं कर पाते। वे सत्य को देखना नहीं चाहते, क्योंकि सत्य देखने का अर्थ है सुविधा, सुरक्षा और पहचान खो देने का जोखिम उठाना। यही कारण है कि सच्चा विद्रोह सबसे अकेला मार्ग होता है, परंतु वही मार्ग मनुष्य को वास्तव में स्वतंत्र भी बनाता है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महाराष्ट्र में चुनाव परिणामों के निहितार्थ

महाराष्ट्र में मुंबई सहित सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने उन राजनीतिक दलों और नेताओं को करारा संदेश दिया है, जो बड़े गुमान में देश के लोगों को बांटने की राजनीति करते रहे हैं। क्षेत्रीय पार्टी मनसे के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हिंदी भाषी राज्यों के लोगों को "लात मारकर महाराष्ट्र से बाहर करने" जैसे गैर-जिम्मेदाराना बयान से न केवल हिंदी भाषी नागरिकों की भावनाएं आहत हुईं, बल्कि महाराष्ट्र के मराठी समाज को भी यह बयान नागवार गुजरा। इसी का परिणाम रहा कि महाराष्ट्र की जनता, विशेषकर मराठी मतदाताओं ने, चुनावों के माध्यम से ऐसे बयानों की राजनीति करने वाले नेताओं को न केवल अपने दिलों से बल्कि सत्ता से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश का जनमानस अब जाति, धर्म और भाषा के नाम पर की जाने वाली विभाजनकारी राजनीति के बहकावे में आने वाला नहीं है।

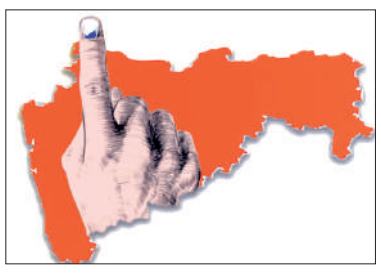

अरविंद रावल
लेखक

आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की स्थानीय राजनीति में भाजपा ने अपने दम पर नया इतिहास रचा है। पहली बार क्षेत्रीय दलों को पीछे छोड़ते हुए भाजपा को सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने का जनादेश मिलना, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की देवेंद्र फड़नवीस सरकार की साफ नीयत और विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है। महाराष्ट्र के इन स्थानीय चुनावों ने उन राजनीतिक दलों के नेताओं को आत्ममंथन का अवसर दिया है, जो आज भी जाति, धर्म और भाषा के सहारे सत्ता के सपने देखते हैं। आज देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म या वर्ग से हो अपने और अपने देश का विकास चाहता है। अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, मज़बूत कानून व्यवस्था, शांति और सुरक्षा आज आम नागरिक की प्राथमिकताएं हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की महानगरपालिका, जिसका बजट कई राज्यों के बजट के बराबर है, वहां तीन दशक बाद भाजपा का सत्ता में लौटना जनता के सरकार के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उम्मीद है कि भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र की जनता की अपेक्षाओं और जनादेश की कसौटी पर खरा उतरेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

INSV कौंडिन्य

समुद्र की लहरों पर भारतीय गौरव

ओमान के मस्कट पहुंचने पर INSV कौंडिन्य को वॉटर कैनन सैल्यूट मिला। 29 दिसंबर 2025 को पोरबंदर, गुजरात से शुरू हुआ 18 दिनों का सफर बीती 14 जनवरी को ओमान के मस्कट में खत्म हुआ। इंडियन नेवी का INSV कौंडिन्य जहाज 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित है। यह जहाज भारत-ओमान की गहरी दोस्ती और समुद्री सुरक्षा में दोनों देशों के सहयोग का सम्मान है। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 4 वीं-5 वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। जहाज बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। कहां से आया कौंडिन्य का आइडिया? चलिए आपको इसके पूरे सफर के बारे में बताते हैं।

जहाज की विशेषताएं

- 65 फुट लंबे इस जहाज का निर्माण पारंपरिक सिलाई तकनीक से किया गया है, जिसमें प्राकृतिक सामग्रियों और सदियों पुरानी विधियों का उपयोग किया गया है। भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने साल 2023 में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी, जिसके बाद संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और गोवा की निजी बोट बिल्डर कंपनी होड़ी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। जहाज को फरवरी 2025 में गोवा में लॉन्च किया गया।
- INSV 'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5 वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित है। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल के रेशे से सिला गया है। जहाज में कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगे हैं। यह पूरी तरह हवा के सहारे, कपड़े के पाल (सढ़) से चलता है। इस प्रोजेक्ट की कल्पना संजीव सान्याल ने की थी। स्वदेशी रूप से बने इस जहाज के पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य के प्रतीक हैं। आगे की ओर सिंह याली की आकृति उकेरी गई है, जबकि डेक पर हड़प्पा शैली का प्रतीकात्मक पत्थर का लंगर लगाया गया है।
- कमांडर विकास शेओरान इस अभियान के कप्तान थे, जबकि कमांडर वाई हेमंत कुमार अभियान के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। हेमंत कुमार परियोजना की अवधारणा से ही इससे जुड़े हुए हैं। दल में चार अधिकारी और 13 नौसैनिक शामिल थे। मस्कट के सुल्तान काबूस बंदरगाह पहुंचने पर कौंडिन्य को वाटर सैल्यूट (जल सलामी) दिया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए।

सामने आएंगी समुद्री परंपराएं

यह पोत भारत के पुराने समुद्री रास्तों को फिर से जिंदा करेगा। यह जहाज हिंद महासागर की दुनिया से भारत के हजारों साल पुराने रिश्तों को दिखाएगा। इस यात्रा से भारत की पुरानी पोत बनाने की कला और समुद्री परंपराएं फिर से सामने आएंगी।

ऐसे हुआ जहाज का नामकरण

जहाज का नाम पहली सदी के प्रसिद्ध भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह जहाज भारत की समुद्री खोज, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है।

- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) के सदस्य संजीव सान्याल ने ही INSV कौंडिन्य मिशन का वैचारिक आधार तैयार किया और इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखा। एक प्रखर इतिहासकार होने के नाते सान्याल ने भारत की समुद्री चेतना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका मानना था कि भारत को अपनी प्राचीन समुद्री शक्ति को पहचानते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में पुनः स्थापित करना चाहिए। उन्होंने इस मिशन को केवल एक नौसैनिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और रणनीतिक वापसी के रूप में परिभाषित किया।
- 'कौंडिन्य' नाम का चयन भी संजीव सान्याल की गहरी ऐतिहासिक समझ का परिणाम है। उन्होंने इस मिशन को प्रधानमंत्री के नारी शक्ति विजन से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। नौसेना और सरकार के बीच सेतु बनते हुए, उन्होंने दो महिला अधिकारियों द्वारा विश्व परिक्रमा के कठिन लक्ष्य को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाया। उनके मार्गदर्शन में यह मिशन भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा, जिसने वैश्विक मंच पर भारत की आधुनिक सोच और क्षमता को दर्शाया।
- यह यात्रा केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुल है। सदियों पहले भारतीय नाविक मसाले, वस्त्र और संस्कृति लेकर अरब देशों तक जाते थे। आज INSV कौंडिन्य उन्हीं समुद्री मार्गों पर शांति, मित्रता और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर आगे बढ़ा है। यह मिशन दर्शाता है कि भारत अपनी पुरानी मित्रताओं को नए युग में और अधिक सशक्त बनाना चाहता है।
- INSV कौंडिन्य पूरी तरह स्वदेशी नौका है, जिसे भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह 'मेक इन इंडिया' की सफलता का प्रमाण है। इसकी मजबूती और संतुलन इसे दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों-जैसे रोरिंग फोर्टीज को पार करने में सक्षम बनाते हैं और आत्मनिर्भर भारत का संदेश देते हैं।
- इस मिशन के लिए महिला अधिकारियों का चयन एक लंबी और कठोर प्रक्रिया के बाद किया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर वर्तिका जोशी के पहले सफल अभियान के अनुभवों के आधार पर इस बार दो नई महिला अधिकारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। महीनों तक उन्हें तूफानों, तकनीकी चुनौतियों और समुद्र के एकाकीपन से जूझने के लिए कमांडो स्तर की ट्रेनिंग दी गई।
- यात्रा के दौरान महिला अधिकारी समुद्र की सेहत, प्रदूषण और समुद्री जीवों से संबंधित डेटा भी एकत्र कर रही हैं, जो जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार यह मिशन साहस, विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त संगम बन गया है। समुद्र की लहरें कभी स्थिर नहीं रहतीं। इस यात्रा में INSV कौंडिन्य को कई बार 20-30 फीट ऊंची लहरों और तेज तूफानी हवाओं का सामना करना पड़ा। बिना इंजन, केवल हवा के सहारे आगे बढ़ना एक असाधारण कौशल की मांग करता है। महिला अधिकारियों का धैर्य और आत्मविश्वास यह सिद्ध करता है कि कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प से हर चुनौती पर विजय पाई जा सकती है।

-रोहित टंडन (लेखक रक्षा मामलों में रुचि रखते हैं।)

जॉब का पहला दिन

पहली बार ऑफिस पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

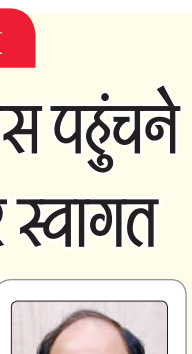

आलोक कुमार सिंह
एआरटीओ कानपुर

मैं स्वभाव से सरल हूं और अपने कार्यों के प्रति पूरी गंभीरता रखता हूं। वर्तमान में मैं कानपुर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यरत हूं। जब मैं पहली बार परिवार कल्याण विभाग में जिला प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सहारनपुर पहुंचा, तो स्नेहपूर्ण और भव्य स्वागत मेरे लिए उत्साहवर्धक था, लेकिन मेरा लक्ष्य केवल प्रशंसा पाना नहीं था। मेरी दृष्टि हमेशा आगे बढ़ने और ऊंचाइयों को छूने पर केंद्रित रही है। मेरी इस यात्रा में मेरे पिता ओ.पी. सिंह का आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए संस्कार मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। उन्होंने मुझे अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी का महत्व सिखाया। इन्हीं मूल्यों के कारण मैंने प्रतिदिन 8 से 9 घंटे अध्ययन कर पीसीएस परीक्षा की तैयारी की। निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वर्ष 2013 में

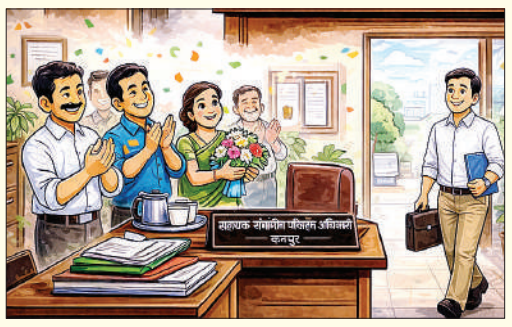

मुझे पीसीएस में सफलता प्राप्त हुई। मेरी पहली नियुक्ति मुजफ्फरनगर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के रूप में हुई। उस समय लोगों की शुभकामनाएं और बधाइयां मुझे नई जिम्मेदारियों के लिए और अधिक प्रेरित करती रहीं। इसके बाद मुझे लखनऊ, बिजनौर और लखीमपुर खीरी जैसे जिलों में सेवा करने का अवसर मिला, जहां मैंने प्रशासनिक अनुभव को और गहराई से समझा।

वर्तमान में कानपुर में कार्य करते हुए मेरा प्रयास रहता है कि जनता की समस्याओं का समाधान ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके लिए मन लगाकर परिश्रम किया जाए, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। मेरा जीवन अनुभव आज के युवाओं के लिए यही संदेश है कि सफलता का मार्ग अनुशासन, संघर्ष और आत्मविश्वास से होकर ही गुजरता है।

जेन-जी में कैंची धाम की बढ़ती प्रसिद्धि

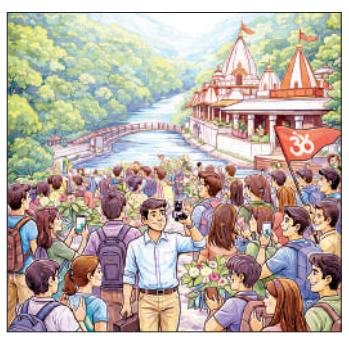

त्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका

नैनीताल स्थित बाबा नीम करौली के कैंची धाम की प्रसिद्धि में पिछले कुछ वर्षों में काफी वृद्धि हुई है। श्रद्धालुओं के जत्थे पर जत्थे यहां सिर नवाते हुए देखे जा सकते हैं। छुट्टियों में इतनी अधिक भीड़ हो जाती है कि नैनीताल जाने वाली सड़क पर मीलों लंबा जाम लग जाता है। सड़क के दो, कैंची जैसे तीखे मोड़ों पर स्थित होने के कारण इसका नाम कैंची धाम पड़ा। पर्यटन विभाग के सहयोग से कराए गए एक अध्ययन में पाया गया कि इस धाम में बाबा नीम करौली और उनके द्वारा स्थापित हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में अधिकांशतः 15 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के युवा हैं। यह कुल आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का लगभग 67 प्रतिशत है।

कैंची धाम पहुंचने वाली पीढ़ी व पीढ़ी है, जिसे हम जेन-जी के नाम से जानते हैं। रील्स के माध्यम स्वयं को व्यक्त करने वाली, सोशल मीडिया पर अपने छोटे से छोटे अधिकार के लिए आवाज उठाने वाली, तेजी से डिजिटल एक्सपर्ट होने वाली यह पीढ़ी एकाएक इतनी आध्यात्मिक और आस्थावान कैसे हो गई, यह भी शोध का विषय हो सकता है। क्या यह पीढ़ी किसी आध्यात्मिक शांति की तलाश

में है? या फिर नीम करौली बाबा में उनकी आस्था को सचमुच में आधार मिला है? या फिर वे किसी चमत्कार की आस में वहां जा रहे हैं?

गौरतलब है कि यह स्थान एप्पल व फेसबुक के संस्थापकों जैसी प्रसिद्ध हस्तियों की यात्राओं के कारण यह स्थान, जिसके बारे में पहले कम ही लोग जानते थे, अब अचानक चर्चित हो गया। कहा जाता है कि एप्पल कंपनी के संस्थापक, स्टीव जॉब्स, 1974 में नीम करोली बाबा से मिलने भारत आए थे। बाबा के निधन के बाद भी वे कुछ दिन आश्रम में रुके थे, जिससे उन्हें आध्यात्मिक प्रेरणा मिली और यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। उनके आशीर्वाद के कारण ही वे एक सफल बिजनेसमैन बन सके। इसी प्रकार यह भी कहा जाता है कि फेसबुक के संस्थापक, मार्क जुकरबर्ग, स्टीव जॉब्स की सलाह पर, फेसबुक के शुरुआती मुश्किल दौर में कैंची धाम आए थे। इस यात्रा से उन्हें नई दिशा मिली और यह उनके जीवन में एक परिवर्तनकारी घटना थी। उसके बाद उनकी सफलता के हम सब साक्षी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या युवा वर्ग में कैंची धाम के प्रति बढ़ता क्रेज वास्तव में बाबा में उनकी श्रद्धा का परिणाम है या फिर वैश्विक स्तर के उनके दो आदर्शों ने उनके मन में यह प्रेरणा भरी है? युवा वर्ग के हृदय में अध्यात्म ने वास्तव में घर कर लिया है या इस लालच ने कि उनके धनी और सफल आदर्शों की तरह ही बाबा के दर्शनों से उनके जीवन में रातोंरात चमत्कार हो जाएगा और वे भी सितारे बन जाएंगे? अनुसरण उसी का किया जाता है, जिसकी तरह हम बनना चाहते हैं। वास्तव में अनुसरण तो बाबा नीम करौली द्वारा दी गई शिक्षाओं का होना चाहिए था। वे सेवा, त्याग, धर्म, तप के जीती जागती मिसाल थे। ऐसा प्रतीत होता है कि बाबा के द्वार पर सिर नवाकर युवा पीढ़ी यह आशीर्वाद चाहती है कि यू ट्यूब, इंस्टाग्राम पर हमारे मिलियंस फॉलोअर्स हो जाएं, लाखों में हमारी इनसे आय होने लगे, हमारी प्रसिद्धि विश्व के कोने-कोने तक पहुंच जाए। इन्हें संत नहीं, मन की मुराद पूरी करने वाला सांता चाहिए।

सक्सेस स्टोरी

हाना अल रस्तमानी अरेबिया वुमन 2025

मुस्लिम समुदायों में, खासकर कुछ परंपरागत या ग्रामीण क्षेत्रों में, लड़कियों की शिक्षा पर अक्सर कम जोर दिया जाता है, जो एक सामाजिक चुनौती बनी हुई है, लेकिन हाना अल रस्तमानी जैसी महिलाएं इस धारणा को तोड़ने वाली मिसालें हैं, जो न केवल अपनी शिक्षा और मेहनत से ऊंचाइयों पर पहुंचीं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन गईं। हाना अल रस्तमानी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक प्रमुख व्यवसायिक नेता हैं, जो फर्स्ट अबू धाबी बैंक (एफएबी) की ग्रुप चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के रूप में जानी जाती हैं। फरवरी 2021 से इस पद पर आसीन, वे यूएई की सबसे बड़ी बैंक, जिसकी संपत्ति 2025 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है, की पहली महिला सीईओ हैं। फोर्ब्स मिडिल ईस्ट ने उन्हें 2025 में टॉप 100 सीईओ की सूची में 10 वें स्थान पर रखा और 100 सबसे प्रभावशाली व्यवसायिक महिलाओं में शामिल किया। 25 वर्षों से अधिक के अनुभव वाली हाना ने बैंकिंग में इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा दिया है, जो यूएई की आर्थिक प्रगति का प्रतीक बनी हुई हैं।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

हाना अल रस्तमानी का जन्म यूएई में एक प्रमुख व्यवसायिक परिवार में हुआ था, जो रस्तमानी वंश से जुड़ा है। वे एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप की बोर्ड सदस्य हैं, जो 1954 में अबू धाबी के अल रस्तमानी भाइयों, अब्दुल्लाह और अब्दुल वहिद, द्वारा स्थापित एक प्रमुख कॉन्ग्लोमरेट है। यह ग्रुप ऑटोमोटिव, रियल एस्टेट, फाइनेंस और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय है और यूएई की आर्थिक नींव का हिस्सा माना जाता है। हालांकि उनके निजी पारिवारिक जीवन के बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन उनकी पारिवारिक विरासत ने उन्हें व्यवसायिक मूल्यों और नेतृत्व की समझ प्रदान की। अबू धाबी में पली-बढ़ी हाना ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व दिया, जो उनकी नेतृत्व शैली में झलकता है।

शिक्षा

हाना अल रस्तमानी ने अपनी शिक्षा अमेरिका में पूरी की, जहां उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त की। यह शिक्षा ने उन्हें वित्तीय प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स और रणनीतिक निर्णय लेने के कौशल प्रदान किए, जो बाद में उनकी डिजिटल बैंकिंग और इनोवेशन-केंद्रित करियर में सहायक सिद्ध हुई, उनकी शिक्षा ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण दिया, जो यूएई जैसे उभरते बाजार में महत्वपूर्ण है।

करियर की यात्रा- हाना अल रस्तमानी के पास बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और कॉर्पोरेट लीडरशिप में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी यात्रा पारिवारिक व्यवसाय से शुरू होकर वैश्विक स्तर की संस्थाओं तक फैली हुई है। उनके प्रारंभिक करियर की बात करें, तो उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत 1990 में एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। इसके बाद, वे सिटी बैंक में शामिल हुईं, जहां उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को संभाला। फिर, फर्स्ट गल्फ बैंक में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर रहीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग और कंज्यूमर फाइनेंस को मजबूत किया। 2000 में फर्स्ट अबू धाबी बैंक (तब नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी का हिस्सा) ज्वाइन करने के बाद, हाना ने तेजी से प्रगति की। 2017 में एफएबी के गठन (नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी और फर्स्ट गल्फ बैंक के विलय से) के बाद, उन्होंने पर्सनल बैंकिंग ग्रुप हेड का पद संभाला। इस भूमिका में, उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को विकसित किया। 2020 तक, वे डिप्टी ग्रुप सीईओ बनीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग के साथ-साथ समग्र रणनीति का नेतृत्व किया। फरवरी 2021 में ग्रुप सीईओ बनने के बाद, उन्होंने बैंक को सस्टेनेबल फाइनेंस और एआई-ड्रिवन इनोवेशन की ओर निर्देशित किया। उनकी यात्रा में अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियां शामिल हैं, जैसे एफएबी प्राइवेट बैंक स्विस की चेयरपर्सन और मास्टरकार्ड एडवाइजरी बोर्ड में सदस्यता।

प्रमुख इनिशिएटिव्स

सस्टेनेबिलिटी - 2030 तक 136 बिलियन डॉलर के सस्टेनेबल फाइनेंस लक्ष्य का 53 प्रतिशत 2024 तक हासिल। 2025 में 4 बिलियन डॉलर के ग्रीन बॉन्ड्स और सुकूक जारी। वे नेट-जीरो बैंकिंग एलायंस की प्रिंसिपल्स ग्रुप की चेयर हैं और पूर्व में यूएन एसडीजी क्लीन एनर्जी काउंसिल की चेयर।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन - अप्रैल 2024 में माइक्रोसॉफ्ट के साथ एआई इनोवेशन हब लॉन्च। 2025 में बोर्ड एआई ऑब्जर्वर, वॉयस कॉन्सियरेज और प्लानिंग टूल्स जैसे एआई उपकरण पेश। अप्रैल 2025 में आईएचसी, एडीक्यू के साथ यूएई दिरहम-बैक्ड स्टेबलकॉइन परियोजना।

ग्लोबल एक्सपैंशन - दिसंबर 2025 में अमुंदी के साथ एमओयू, जो एसेट मैनेजमेंट को मजबूत करेगा। एसएमई फाइनेंसिंग में 245 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग।

सोशल इम्पैक्ट- महिलाओं के सशक्तिकरण और एसएमई को प्रोत्साहन, जो यूएई की विजन 2031 के अनुरूप है।

उनका विजन - बैंकिंग को अधिक समावेशी, सस्टेनेबल और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना, जो मिडिल ईस्ट की अर्थव्यवस्था को गति दे।

उपलब्धियां और पुरस्कार

हाना अल रस्तमानी की उपलब्धियां, उन्हें मिडिल ईस्ट की शीर्ष महिलाओं में शुमार करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2021 - यूएई की प्रमुख बैंक की पहली महिला सीईओ।
- 2024 - फोर्ब्स पावर वुमन लिस्ट में सम्मिलित।
- 2025 - फोर्ब्स मिडिल ईस्ट 100 मोस्ट पावरफुल बिजनेसवुमन।
- 2025 - फोर्ब्स मिडिल ईस्ट टॉप 100 सीईओ में 10 वें नवंबर पर।
- 2025 - जीसीसी की 26 सबसे प्रभावशाली फाइनेंस महिलाओं में शामिल।
- 2025- फोर्ब्स मिडिल ईस्ट सस्टेनेबिलिटी लीडर्स।
- 2025 - बाजार अरेबिया वुमन ऑफ द ईयर।

अन्य - ग्लोबल काउंसिल ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की चेयर, बोर्ड मेंबर, बूना (अरब मॉनेटरी फंड), इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट, यूएस-यूएई बिजनेस काउंसिल।

उनके नेतृत्व में एफएबी ने 2024 के पहले नौ महीनों में 3.5 बिलियन डॉलर शुद्ध लाभ दर्ज किया।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,570.35	25,694.35
बढ़त	187.64	28.75
प्रतिशत में	0.23	0.11

सोना 1,46,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,92,600 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 17 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11200

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

युवाओं को रोजगार की नई दिशा दिखाएगा एक्सपो : केशव मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ के रिगेलिया ग्रीन्स में तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 का किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी के गोमतीनगर स्थित रिगेलिया ग्रीन्स में शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये एक्सपो युवाओं को रोजगार की नई दिशा दिखाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे उद्योग की तरफ कोई युवा एक कदम बढ़ाएगा तो सरकार चार कदम बढ़कर उसकी मदद करेगी। युवाओं के पीछे डबल इंजन की सरकार है। युवाओं को चाहिए कि वह अपनी इंडस्ट्री लगाएं। बैंक लोन देगा, सरकार सब्सिडी देगी, किसान उपज देगा और बाजार तो पहले से इंतजार कर रहा है। दुनिया का बाजार हमारी प्रतीक्षा कर रहा है।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने कहा कि एमएसएमई विकास, उद्यमिता को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और औद्योगीकरण, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में आईआईए की 40 वर्षों की निरंतर सेवा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंडिया फूड एक्सपो-2026 सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि एक व्यापक विकास पारिस्थितिकी तंत्र है। ये एमएसएमई को नीतिगत सुविधा, भूमि और बुनियादी ढांचे तक पहुंच, वित्त, कौशल विकास, आधुनिक प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता अनुपालन, ब्रांडिंग, निर्यात और बाजार संबंधों के माध्यम से सशक्त बनाता है।

गोयल ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि यह एक्सपो उत्तर प्रदेश सरकार के पूरे राज्य में लगभग 75,000 फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के विज़न के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जिसका मतलब है कि हर जिले में लगभग 1,000 यूनिट होंगी, जिससे बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा होगा और किसानों की आय बढ़ेगी।

उन्होंने उत्तर प्रदेश को भारत का एक प्रमुख फूड प्रोसेसिंग हब बनाने के लिए कृषि में वैल्यू एडिशन, आधुनिक प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी अपनाने, वैश्विक गुणवत्ता मानकों और निर्यात पर ध्यान देने के महत्व पर ज़ोर दिया।

तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 के उद्घाटन समारोह में एक्सपो की डायरेक्टरी का विमोचन करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, विधायक नीरज बोरा, आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल, आलोक अग्रवाल व अन्य। अमृत विचार

फूड इंडस्ट्री नहीं होगी तो खेतों में ही बर्बाद हो जाएंगी किसानों की फसलें : उप मुख्यमंत्री

फूड एक्सपो में खाद्य सामग्री के स्टाल पर उत्पाद देखते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या।

- उप मुख्यमंत्री ने कहा कि, फूड इंडस्ट्री नहीं होगी तो किसान की बहुत सी पैदावार खेत में ही बर्बाद हो जाएगी। युवा इंडस्ट्री लगाएगा तो वह किसान को बता सकता है कि वह क्या पैदा करें। गांवों में रहने वाली 70 प्रतिशत आबादी को काम मिलेगा तो देश अपने आप समृद्धि की ओर बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हम खाद्य प्रसंस्करण के उत्पादों का हब बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपनी इंडस्ट्री में सिर्फ गुणवत्ता पर ध्यान दे दें तो छोटा ब्रांड कब बड़ा बन जाएगा इसका उसे अंदाजा भी नहीं होगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में दूध और इससे बने उत्पाद बड़ी तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। केशव मौर्या ने कहा कि खानपान की तरफ तो पूरी दुनिया की निगाहें हैं। लखनऊ के खानपान को यूनेस्को ने अपनी सूची में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार 3 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में जोड़ने का काम करेगी।

सब्जी, आलू और दूध उत्पादन में देश विश्व में दूसरे नंबर पर

- प्रमुख सचिव खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीना ने कहा कि सब्जी, आलू और दूध उत्पादन में 2016 में हम दुनिया में 14वें स्थान पर थे, अब दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में सरकार लगातार मदद कर रही है। विदेशों से मशीन मंगाने पर भी सरकार सब्सिडी दे रही है। सरकार तरह-तरह के प्लांट लगाने में मदद दे रही है। फूड प्रोसेसिंग स्कीम में भी सरकारी सहायता आसानी से मिल जाती है।

दीप प्रज्जवलित कर इंडिया फूड एक्सपो का उद्घाटन करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधायक नीरज बोरा व अन्य।

एक्सपो आकर सीखें, कम बजट में कैसे शुरू करें कारोबार

- इंडिया फूड एक्सपो में छोटे उद्योग लगाने के इच्छुक युवाओं के लिए सीखने को बहुत कुछ है। 70 हजार से डेढ़ लाख रुपये खर्च कर छोटी दाल मिल लगाई जा सकती है। सिर्फ 100 वर्ग फुट के कमरे में यह बिजनेस शुरू किया जा सकता है। 2 किलोवाट के बिजली कनेक्शन पर यह मशीन आसानी से चल जाएगी। इस मशीन के स्टाल में मौजूद विशेषज्ञ तकनीकी सहायता के लिए तैयार हैं। यह विशेषज्ञ बताएंगे कि किस तरह से कम बजट में दाल मिल लगाई जा सकती है। फूड एक्सपो में रोटी बनाने की मशीन भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी है। एक लाख रुपये मूल्य की यह मशीन होटल बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए बहुत काम की है। इसमें आटे का पेड़ा डालने पर गोल रोटी अच्छी तरह से सिकी हुई बाहर निकलती है।

इंडिया फूड एक्सपो आईआईए की प्रभावशाली पहल : आलोक अग्रवाल

- स्वागत भाषण देते हुए आईआईए आलोक अग्रवाल ने बताया कि इंडिया फूड एक्सपो आईआईए की सबसे प्रभावशाली पहल में एक के रूप में उभरा है। ये एक साझा मंच पर नीतिगत समर्थन, उद्योग, वित्त और प्रौद्योगिकी को जोड़कर खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है।

फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना विषय पर सेमिनार

- इंडिया फूड एक्सपो के पहले दिन फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के संबंध में सेमिनार आयोजित किया गया। अपर मुख्य सचिव बीएल मीना की अध्यक्षता में हुए इस तकनीकी सेमिनार में निदेशक बागवानी टीके शिबू ने भी विस्तार से अपनी बात कही। प्रोजेक्ट प्लानिंग, फाइनेंसिंग विकल्पों, सरकारी योजनाओं, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों, पैकेजिंग नवाचारों और बैंकों से फंडिंग सहायता पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। सेमिनार का संचालन चेतन देव भल्ला ने किया।

आईआईए के चेयरमैन ने किया संचालन

- आईआईए के चेयरमैन चेतन देव भल्ला के संचालन में हुए आयोजन में राजयमंत्री रविंद्र जायसवाल, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, विधायक डॉ. नीरज बोरा, प्रमुख सचिव पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मुकेश मेश्राम, उपाध्यक्ष बरेली विकास प्राधिकरण डॉ. मणिकंदन भी मौजूद रहे।

इंडिया फूड एक्सपो में लगे स्टाल पर सामानों का प्रचार करते कलाकार।

बिजनेस ब्रीफ

एलटीआई को मिला 3000 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी परामर्श एवं डिजिटल समाधान कंपनी एलटीआई माइंडट्री को भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के वास्ते एआई-आधारित कार्यक्रम बनाने के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से 3,000 करोड़ का ठेका मिला है। यह ठेका 7 वर्ष में पूरा होगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इनसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है जिसके तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के लिए एक एआई-संचालित कार्यक्रम विकसित किया जाएगा।

मारुति के विक्टोरिस मॉडल का निर्यात शुरू

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि उसने अपनी मिड-साइज एसयूवी विक्टोरिस को विदेशी बाजारों में भेजना शुरू कर दिया है। मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से इस मॉडल की 450 से अधिक इकाइयां वैश्विक बाजारों के लिए रवाना की गई हैं। इस एसयूवी को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में एक्रॉस नाम से बेचा जाएगा। इस वाहन को 100 देशों और क्षेत्रों में बेचने की उम्मीद है, जिनमें लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका शामिल हैं। कंपनी ने विक्टोरिस मॉडल को पिछले साल सितंबर में पेश किया था। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने इसकी जानकारी दी है।

कोका-कोला के शीर्ष तीन बाजारों में होगा भारत

नई दिल्ली। कोका-कोला के वैश्विक अध्यक्ष एवं मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जॉन मर्फी ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस साल मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा और जल्द कंपनी के शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल होगा। सीएफओ ने कहा कि 2025 में मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद भारतीय बाजार की नींव और उपभोक्ता भावना काफी मजबूत है। कोका-कोला भारतीय बाजार को लेकर बेहद सकारात्मक है। जॉन मर्फी ने कहा कि कुछ वर्षों में हमारे सामने आई तमाम चुनौतियों के बावजूद मुझे लगता है कि उपभोक्ताओं का बुनियादी रुझान काफी मजबूत है। कुछ बाजार ऐसे हैं जहां स्थिति ऐसी नहीं है, लेकिन आने वाले साल के लिए हमारे पास एक बहुत ही ठोस आधार है। वर्तमान में मात्रा के हिसाब से भारत कोका-कोला का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि नौ जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डॉलर घटकर 550.866 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं।

काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक

अमरावती, एजेंसी

- जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में आपूर्ति करने वाले देशों में शामिल होगा भारत
- 10 अरब डॉलर वाली हरित हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजना महत्वपूर्ण चरण में

आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर काकीनाडा में 10 अरब डॉलर की लागत वाली हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परियोजना एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। इसके पहले प्रमुख उपकरण के स्थापना समारोह के साथ ही भारत जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में हरित ऊर्जा की आपूर्ति करने वाले देशों की सूची में शामिल होने की ओर अग्रसर है।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि ''एएम ग्रीन'' के हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परिसर के उपकरण स्थापना समारोह में 17 जनवरी को मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री कोनिडाला पवन कल्याण शामिल होंगे। 10 अरब डॉलर के निवेश वाली परियोजना भारत में सबसे बड़े स्वच्छ ऊर्जा निवेशों में से एक है। इसके निर्माण चरण के दौरान 8,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इसके परिचालन से नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक और बंदरगाह सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उच्च-कुशल रोजगार के अवसर मिलेंगे। एएम ग्रीन अमोनिया-यूरिया इकाई को परिवर्तित कर भारत का पहला और दुनिया का सबसे बड़ा हरित अमोनिया परिसर विकसित कर रहा है। इसकी नियोजित क्षमता 15 लाख टन प्रति वर्ष है। यह परियोजना चरणों में शुरू होगी।

पहले चरण में 2027 तक पांच लाख टन, दूसरे चरण में 2028 तक 10 लाख टन और तीसरे चरण में 2030 तक पूरी क्षमता (15 लाख टन) हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। दुनिया भर में स्वच्छ पोत परिवहन ईंधन, बिजली उत्पादन और हरित हाइड्रोजन के वाहक के रूप में किया जाता है। इस परियोजना में 7.5 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता और 1,950 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता शामिल है। पंप हाइड्रो स्टोरेज से चौबीसों घंटे दो गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति की जाएगी, जिसमें आंध्र प्रदेश के पिन्नापुरम में स्थित देश की पहली ऐसी सुविधा भी शामिल है।

एएम ग्रीन का जर्मनी से दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता

एएम ग्रीन ने जर्मनी की कंपनी यूनिपर के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और वह जापान तथा सिंगापुर के खरीदारों के साथ भी संपर्क में है। यह यूरोप और उन्नत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के पहले हरित ऊर्जा निर्यात संपर्क को दर्शाता है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य राज्य को हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस इकाई के चालू होने के बाद भारत से हरित ऊर्जा का पहला निर्यात संभव हो सकेगा। यह ऊर्जा आयात पर निर्भरता खत्म कर स्वच्छ ऊर्जा निर्यात की दिशा में एक बड़े बदलाव का प्रतीक होगा और इससे आंध्र प्रदेश वैश्विक हरित ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के केंद्र में आ जाएगा। ग्रीनको के संस्थापकों द्वारा समर्थित एएम ग्रीन अमोनिया दरअसल एएम ग्रीन, मलेशिया की जेंटारी, सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के बीच एक साझेदारी है।

आरबीआई ने जारी की संशोधित एकीकृत लोकपाल योजना

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को संशोधित रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना, 2026 जारी की। इसका उद्देश्य बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं के पीड़ित ग्राहकों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के समाधान की दक्षता में और सुधार करना है। यह योजना एक जुलाई, 2026 से लागू होगी।

संशोधित योजना के अनुसार, चूंकि इस योजना का उद्देश्य शिकायतों का कम लागत में और त्वरित निवारण प्रदान करना है, इसलिए इसके तहत कार्यवाही संक्षिप्त प्रकृति की होगी और यह साक्ष्य के किसी भी नियम से बाध्य नहीं होगी। रिजर्व बैंक इस योजना के तहत सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए अपने एक या अधिक अधिकारियों को आरबीआई लोकपाल और आरबीआई उप-लोकपाल के रूप में नियुक्त करेगा।

डाक से भेजने वाले माल पर 15 से निर्यात प्रोत्साहन योजना लागू : सीबीआईसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- योजनाओं से निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होने की उम्मीद

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक से भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन प्रोत्साहनों से एमएसएमई निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा।

सीबीआईसी ने ड्यूटी ड्रॉबैक, निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी 2026 से डाक के जरिये इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है। ड्यूटी ड्रॉबैक निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता है। इसके तहत निर्यात किए गए माल के निर्माण या उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क (या उनके समकक्ष कर) का पूरा या आंशिक रिफंड निर्यातक को दिया जाता है। ईवाई इंडिया के कर साझेदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि डाक मार्ग के लिए आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल के लाभों का विस्तार करके, सरकार ने दूरस्थ क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए एक लंबे समय से चली आ रही अनुपालन बाधा को दूर कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य डाक माध्यमों का उपयोग करने वाले निर्यातकों के लिए समान अवसर प्रदान करना एवं सीमा पार ई-कॉमर्स के विकास के लिए एक अनुकूल तथा समावेशी परिवेश बनाना है।

8 ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी बिक्री को लेकर 44 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीसीपीए ने बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वत: संज्ञान पर की कार्रवाई

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी की बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए आठ कंपनियों पर कुल 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों पर यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार नियमों के उल्लंघन को लेकर की गई है।

सीसीपीए ने 13 ई-कॉमर्स कंपनियों- चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मीशो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, कृष्णा मार्ट और अमेजन को नोटिस जारी किए थे। जांच में कई ई-कॉमर्स मंचों पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पाद सूचीबद्ध मिले। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है जबकि चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक-एक लाख का जुर्माना लगा है। इनमें से मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने जुर्माने की राशि जमा कर दी है।

सीसीपीए के मुताबिक, कई मंच ऐसे पर्सनल मोबाइल रेडियो (पीएमआर) की बिक्री की सुविधा दे रहे थे जो लाइसेंस-मुक्त 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड से बाहर संचालित होते हैं और जिनके लिए अनिवार्य इक्विपमेंट टाइप अप्रूवल (ईटीए) यानी लाइसेंस की जानकारी नहीं दी गई थी। नियमों के तहत इन उपकरणों के आयात, बिक्री या उपयोग से पहले ईटीए लेना अनिवार्य होता है।

आगामी बजट में एमएसएमई निर्यात के लिए ऋण बढ़ाए सरकार : डेलॉयट

नई दिल्ली, एजेंसी

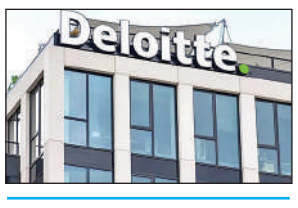

- छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को वित्तपोषण पर करें विचार

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में व्यापारिक स्थिरता बढ़ाने एवं बाहरी कमजोरियों को कम करने के लिए निर्यात ऋण तथा रियायती वित्तपोषण के माध्यम से छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए वित्तपोषण जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने यह बात कही।

डेलॉयट ने बजट को लेकर अपनी आकांक्षाओं पर कहा कि भारत के निर्यात में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का 46 प्रतिशत हिस्सा है और कृषि के बाद ये दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं। वित्तीय एवं अनुपालन संबंधी दबावों को कम करने से इन उद्यमों को वैश्विक अस्थिरता से निपटने, उत्पादन बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। एमएसएमई को मजबूत करने से रोजगार सुरक्षित होंगे और समावेशी आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, ग्रामीण आय में वृद्धि होगी तथा भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने और सरलीकृत डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण का सुझाव दिया। इसने यह भी सुझाव दिया कि शुल्क के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों (तैयार वस्त्र, रत्न, आभूषण, चमड़ा) को लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या बढ़ी हुई शुल्क छूट प्रदान की जाए।

निर्यातकों के लिए बढ़ सकती है अनिश्चितता

डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ते वैश्विक संरक्षणवाद एवं तदर्थ उपायों से भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ जाती है। वैश्विक व्यापारिक टकरावों का जीडीपी की वृद्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव 0.40 से 0.80% तक सीमित हो सकता है लेकिन एमएसएमई और रोजगार पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित और वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच के उद्देश्य से डेलॉयट ने विदेशी अधिग्रहण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित करने को समर्पित महत्वपूर्ण खनिज कोष के आवंटन का सुझाव दिया।

सुपीरियर का बिहार में निवेश, उप मुख्यमंत्री से मिले

बरेली। सुपीरियर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन के नेतृत्व में प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, सीएचआर एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स डॉ. सुनील मिश्रा ने बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने सुपीरियर ग्रुप द्वारा नालन्दा, बिहार स्थित चंद्रिका पावर प्राइवेट लिमिटेड के टेकओवर एवं संचालन की जानकारी साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने अपर पुलिस महानिदेशक बिहार एवं डीआईजी (लॉ एंड ऑर्डर) से भी मुलाकात कर प्लांट संचालन के दौरान की चुनौतियों से अवगत कराया। इस पर अपर पुलिस महानिदेशक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार एथनॉल आधारित उद्योगों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। एथनॉल उत्पादन न केवल किसानों को उनकी फसलों में विशेषकर मक्का, गन्ना और चावल का बेहतर मूल्य दिलाएगा, बल्कि यह राज्य की ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएगा। बिहार को देश का एक प्रमुख ग्रीन एनर्जी और एथनॉल हब बनाने की दिशा में सरकार उद्योगों के साथ मिलकर काम कर रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान तट के पास से अमेरिकी लड़ाकू विमान रडार से गायब

जापान। जापान के उत्तरी तट के पास अमेरिकी वायुसेना का एक एफ-35ए लड़ाकू विमान रडार से गायब हो गया। फ्लाइट रडार24 सेवा के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब विमान ने आपातकालीन संकेत (डिस्ट्रेस सिग्नल) भेजा था। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के मुताबिक, लॉकहीड मार्टिन का एफ-35ए लाइटनिंग-दो, लड़ाकू विमान जापान सागर के उत्तरी हिस्से से उड़ान भरकर आओमोरी शहर के दक्षिण में ज़मीनी हिस्से के ऊपर से पूर्व दिशा में गया और फिर उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ गया। भारतीय समयानुसार लगभग 03:09 जीएमटी पर यह विमान रडार से ओझल हो गया। उड़ान संबंधी जानकारी में यह भी सामने आया है कि विमान ने उड़ान के दौरान 7700 स्क्वॉक कोड प्रसारित किया था, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपात स्थिति का संकेत माना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लगभग 47 लाख सोशल अकाउंट बंद

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम आयु सीमा कानून लागू होने के बाद प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों ने दिसंबर के पहले पखवाड़े में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लगभग 47 लाख खातों तक पहुंच बंद कर दी। ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन सुरक्षा की निगरानी करने वाली नियामक संस्था ई सेफ्टी के प्रारंभिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। ई-सेफ्टी ने कहा है कि अब उसका ध्यान तैयारी से हटकर निगरानी और प्रवर्तन पर केंद्रित हो गया है, खासकर उन प्लेटफॉर्मों पर जिन्हें आयु-प्रतिबंधित माना जाता है और जिन पर 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों का उपयोग अधिक होता है। ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने कहा, मैं इन प्रारंभिक परिणामों से बहुत खुश हूं।

श्रीलंका में बंदरगाह का विकास करेगा भारत

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शुक्रवार को कहा कि उत्तरी श्रीलंका के जाफना जिले में स्थित कंकेसंथुरई (केकेएस) बंदरगाह के नवीनीकरण के लिए भारत ने छह करोड़ अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है। दिसानायके ने जाफना के पास एक सभा में इस संबंध में घोषणा की। जाफना, तमिल समुदाय की सांस्कृतिक राजधानी है। उन्होंने कहा कि जाफना में खूबसूरत तटरेखा और कई आकर्षणों के कारण पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं।

अमेरिका का समर्थन न करने वाले देशों पर लगाएंगे शुल्क

कोपेनहेगन, एजेंसी

- ग्रीनलैंड को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को संकेत दिया कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का समर्थन नहीं करने वाले देशों पर शुल्क लगाकर उन्हें दंडित किया जा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी संसद का एक प्रतिनिधिमंडल, कोपेनहेगन में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के सांसदों से मिला तथा तनाव कम करने की कोशिश की।

ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को कब्जे में लेने की बात कह रहे हैं। ग्रीनलैंड, नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) का एक अर्ध स्वायत्त क्षेत्र है और ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि आर्कटिक द्वीप पर अमेरिका के नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है।

व्हाइट हाउस में ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित एक अलग कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने शुक्रवार को बताया कि कैसे उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों को दवाओं पर शुल्क लगाने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, मैं ग्रीनलैंड के लिए भी ऐसा कर सकता हूं। ट्रंप ने कहा, अगर कोई देश ग्रीनलैंड के मामले में सहयोग नहीं करता है, तो मैं उस पर शुल्क लगा सकता हूं, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। इसलिए मैं ऐसा कर सकता हूं।

पर्यावरण-समाज पर अलग प्रभाव

आसमानी बिजली

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। नॉर्स मिथक में थोर और हिंदू धर्म में इंद्र की बात करें या ऑस्ट्रेलिया में फर्स्ट नेशन्स की चट्टानी कला में दिखाई गई सृजन संबंधी पुरातन कथाओं को देखें, आसमानी बिजली का जिक्र जरूर मिलता है। बिजली के कई प्रकार हैं और यह समाज और पर्यावरण दोनों पर अलग-अलग तरह से असर डालती है। जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है तब बिजली उत्पन्न होती है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने के कारण होता है।

दो मुख्य प्रकार...

- **इंट्रा-क्लाउड (बादल के भीतर) :** यह बिजली बादल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाती है, लेकिन जमीन तक नहीं पहुँचती। इसे देखने पर बादल झिलमिलाता हुआ दिखाई देता है।
- **क्लाउड-टू-ग्राउंड (बादल से जमीन तक) :** यह तब होता है जब बादल और जमीन के बीच विद्युत आवेश का अंतर बहुत अधिक होता है। यह मानव सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकती है और हर साल कई मौतों का कारण बनती है। इसे हम कहते हैं कि बिजली गिर गई।

गर्म होती दुनिया में बिजली

- गर्म हवा अधिक जल वाष्प रख सकती है, जिससे अधिक तीव्र तूफान और बिजली आ सकती है। यदि भविष्य में आसमानी बिजली कड़कने की आवृत्ति बढ़ती है तो यह वातावरण में ओज़ोन पैदा कर सकती है, जो गर्मी और वायु प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देती है। हालांकि, बिजली ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण नहीं है। अगली बार जब आप तूफान में बिजली का करिश्मा देख रहे हों तो सोचें कि यह कितने अलग रूप ले सकती है। यह न केवल हमारे ग्रह का चमत्कार है, बल्कि अन्य ग्रहों पर भी इसकी मौजूदगी है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती, वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

दुर्लभ प्रकार ...

सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन बिजली के दुर्लभ प्रकार भी होते हैं।

- **पायरोजेनिक बिजली :** यह कभी-कभी बड़े जंगल की आग के दौरान धुएं में उत्पन्न होती है और नई आग जला सकती है।
- **ट्रांजिएंट ल्यूमिनस इवेंट्स :** इनमें स्प्राइट्स, ब्लू जेट्स, ईएलवीईएस और पीआईएक्सआईईएस शामिल हैं। स्प्राइट्स लाल झील जैसी दिखती हैं, ब्लू जेट्स नीली किरणें हैं जो ऊपर की ओर जाती हैं, ईएलवीईएस लाल पुंज के रूप में दिखते हैं और पीआईएक्सआईईएस बिजली के नीले रंग की चमक के छोटे फ्लैश हैं।
- **बॉल लाइटनिंग :** कई लोगों ने इसे देखने का दावा किया है, लेकिन इसे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं किया गया है।

रूस ने की ईरान में दखलंदाजी व बल प्रयोग की धमकियों की निंदा

सुरक्षा परिषद की बैठक में दी चेतावनी-अमेरिका अपने बढ़ते कदमों को रोके

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

रूस ने ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में रूस राजदूत वसीली नेबेंजिया ने गुरुवार को कहा कि उनका देश ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा करता है। उन्होंने ईरान की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका से अपने बढ़ते कदमों को रोकने का आग्रह किया और कहा कि हाल के दिनों में अमेरिकी नेतृत्व की बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी इतनी आगे बढ़ गई है कि वह खुले तौर पर ईरान के सरकारी संस्थानों पर कब्जा और प्रदर्शनकारियों की मदद करने की धमकी दे रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान एक संप्रभु राष्ट्र की संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक रूप से उखाड़ फेंकने के लिए उकसाने के अलावा और कुछ नहीं हैं। नेबेंजिया ने कहा कि ईरान में जो हो रहा है, वह रंग क्रांति के लिए आजमाए हुए तरीकों के इस्तेमाल का एक और उदाहरण है, जिसमें विशेष रूप से उकसाने वाले शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को बेमतलब की हिंसा में बदल देते हैं। जैसा कि हमने पहले ही कई देशों में बार-बार देखा है, ये सभी कार्रवाई या तो बाहरी ताकतों द्वारा निर्देशित या समर्थित हैं जो शासन परिवर्तन में रुचि रखते हैं। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका और उसके समर्थक आम ईरानियों को होने वाली आर्थिक और सामाजिक मुश्किलों का फायदा उठा रहे हैं जो पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर लगाए गए गैर-कानूनी प्रतिबंधों के कारण हुई हैं। इनका मकसद लोगों में तनाव उत्पन्न करना और देश की राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करना है। सबसे चिंता की बात अमेरिका का ईरान के खिलाफ सैन्य बल प्रयोग की धमकी है।

पुतिन ने नेतन्याहू, पेजेशक्यान से की फोन पर बात

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की स्थिति एवं ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के अनुसार पुतिन ने पश्चिम एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक और राजनयिक प्रयासों को तेज करने के पक्ष में रूस के रुख को दोहराया। पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशक्यान से भी टेलीफोन पर बात की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पुतिन क्षेत्र में तनाव को कम करने के उद्देश्य से प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी चरम पर है, क्योंकि ट्रंप ईरान पर हमले के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप से ईरान पर हमले टालने का किया आग्रह

वाशिंगटन। अमेरिका के कई पश्चिम एशियाई सहयोगियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन से प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की घातक कार्रवाई को लेकर उसके खिलाफ हमलों की योजना टालने का आग्रह किया है। अरब के एक राजनयिक ने अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि मिस्र, ओमान, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष अधिकारियों ने पिछले 48 घंटे में चिंता जताई है कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला देगा तथा पहले से ही अस्थिर क्षेत्र को और अस्थिर कर देगा। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान के मामले में ट्रंप के लिए सभी विकल्प खुले हैं। कहा कि सच्चाई यह है कि केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही जानते हैं कि वह क्या करने जा रहे हैं।

संरा प्रमुख ने की वैश्विक कानून के उल्लंघन की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुलेआम उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू (व्यंजन सूची) नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। गुतारेस ने कहा कि जब नेता अपनी सुविधा के हिसाब से यह चुनते हैं कि किस नियम को मानना है और किसे नहीं तो वे दुनिया की व्यवस्था को कमजोर करते हैं और एक बेहद खतरनाक मिसाल कायम करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर रहे गुतारेस ने गुरुवार को 193 सदस्यीय महासभा में कहा कि वह 2026 के हर दिन को सार्थक बनाएंगे और वह बेहतर दुनिया के लिए काम करने, लड़ने एवं प्रयास जारी रखने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध तथा दृढ़ संकल्पित हैं। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण तथा अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में गुतारेस ने कहा कि दुनिया संघर्ष, असमानता और अनिश्चितता से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी दुनिया जो आत्मघाती भू-राजनीतिक विभाजनों... अंतर्राष्ट्रीय कानून के धड़ल्ले से उल्लंघनों, विकास एवं मानवीय सहायता में कटौती से ग्रस्त है।

आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग न किए जाए

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- पाकिस्तान के विभाजनकारी एजेंडे पर संरा में बोला भारत

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद इस विश्व निकाय के मंचों का अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुरुपयोग करने पर इस्लामाबाद से कड़ी नाराजगी जताई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर एल्डोस मैथ्यू पुन्नूज ने गुरुवार को कहा कि आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सदस्य देशों को संकीर्ण विचारों से ऊपर उठना चाहिए, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के सभी मंचों और प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर पुन्नूज ने कहा कि यह मंच भी इसका अपवाद नहीं है और पाकिस्तान ने भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग जम्मू कश्मीर का अनुचित उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित एक मौलिक सिद्धांत है। हालांकि, इस अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद के प्रोत्साहन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

कश्मीर मुद्दा उठाने पर बिफरा भारत

भारत की कड़ी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा महासभा में अपने वक्तव्य में जम्मू कश्मीर का संदर्भ दिए जाने के बाद आई। पाकिस्तान बार-बार संयुक्त राष्ट्र और उसके विभिन्न मंचों पर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन इस मामले में उसे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से कोई खास समर्थन नहीं मिला है। अपने वक्तव्य में पुन्नूज ने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ को विकास वित्तपोषण, जलवायु न्याय और वित्त समेत कई क्षेत्रों में विशिष्ट विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

निपाह वायरस को लेकर झारखंड में राज्य सरकार ने जारी किया अलर्ट

रांची, एजेंसी

झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो मामलों की पुष्टि के मद्देनजर एक परामर्श जारी करते हुए सभी जिलों के सिविल सर्जन को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में अब तक निपाह का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है लेकिन प्रभावित क्षेत्रों से लोगों की आवाजाही संभावित खतरा पैदा कर सकती है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा, रोग की अत्यधिक संक्रामक प्रकृति और

- परामर्श जारी, जिलों में निगरानी बढ़ाने के दिए गए निर्देश

इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए विभाग ने निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों से मनुष्यों और जानवरों में फैलता है। इसका संक्रमण चमगादड़ों की लार या मूत्र से दूषित फलों या कच्चे खजूर के रस के सेवन से या संक्रमित व्यक्तियों और उनके शारीरिक द्रवों के निकट संपर्क से भी फैल सकता है।

परामर्श में निपाह के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, गले में खराश, मानसिक स्थिति में बदलाव तथा दौरे और कोमा जैसी तंत्रिका संबंधी गंभीर जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है, जिलों को निर्देश दिया जाता है कि वे निपाह प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से जांच और निगरानी करें, ताकि किसी संभावित प्रकोप को रोका जा सके। संदिग्ध मामलों की एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को तुरंत सूचना दी जाए।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को 5 साल कैद की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा मार्शल लॉ लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया। उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों में मार्शल लॉ लागू किया जाना देश में विद्रोह करने के बराबर है।

गाजा योजना के दूसरे चरण की हुई शुरुआत, ट्रंप ने बनाया शांति बोर्ड

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा की निगरानी के लिए शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की है। यह घोषणा इजराइल और हमास के बीच दो साल के संघर्ष के पश्चात हुए संघर्ष विराम के कुछ महीने बाद की गई है। गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी 20 सूत्री शांति योजना के दूसरे चरण के रूप में ट्रंप ने संघर्ष विराम से अपना ध्यान हटाकर विसैन्यीकरण, तकनीकी शासन एवं पुनर्निर्माण पर केंद्रित किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका ने आधिकारिक रूप से गाजा शांति

- इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद की घोषणा

योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है जिसका मुख्य कारण संघर्ष विराम के दौरान वितरित की गई मानवीय सहायता का रिकॉर्ड स्तर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, संघर्ष विराम के बाद से लगातार मेरी टीम ने गाजा में रिकॉर्ड स्तर की मानवीय सहायता पहुंचाने में मदद की है जिससे ऐतिहासिक गति से बड़ी संख्या में नागरिकों तक सहायता पहुंची है। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे अभूतपूर्व उपलब्धि बताया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है कि शांति बोर्ड का गठन हो चुका है। बोर्ड के सदस्यों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी लेकिन मैं विश्वासपूर्वक कह सकता हूं कि यह अब तक किसी भी समय, किसी भी स्थान पर गठित किया गया सबसे महान एवं प्रतिष्ठित बोर्ड है। ट्रंप ने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ का हवाला देते हुए घोषणा किया कि हमने आधिकारिक रूप से गाजा की 20 सूत्री शांति योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है।

ब्रिटेन ने बांग्लादेश में प्रत्येक तरह की हिंसा की निंदा की

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश में हर तरह की हिंसा की निंदा की और शांतिपूर्ण एवं विश्वसनीय चुनाव कराने की अपील की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की हत्याओं का मुद्दा ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में उठाये जाने पर ब्रिटेन सरकार ने यह बात कही।

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने गुरुवार को संसद में लेबर पार्टी नीत सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि (बांग्लादेश में) फरवरी में होने वाले चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 18 जनवरी 00.03 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

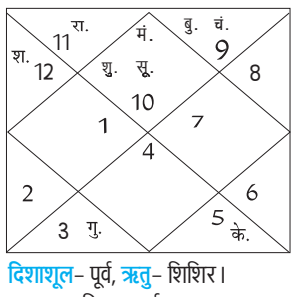

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 08.12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज किसी प्रिय व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। व्यापार में आपको बड़े प्रोजेक्ट्स मिलने के योग बन रहे हैं। आपके परिवार में प्रेम और सामंजस्य अच्छा रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को बड़ा पद मिल सकता है।

वृष — आज नव विवाहित आज काफी रोमान्टिक पल बितायेंगे। भाई-बहनों के साथ हँसी-मजाक का आनंद उठाएंगे। बच्चे माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे। बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। विद्यार्थी पढ़ाई में आप फोकस बनाए रखें।

मिथुन — आज घर और समाज के कार्यों में आपके योगदान की लोग काफी प्रशंसा करेंगे। बच्चों के प्रति आपका मोह बढ़ेगा। घर का वातावरण सुमधुर रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों को लेकर बड़ा जोखिम न लें। विपरीत लिंग के लोग आपसे काफी आकर्षित हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी प्रिय मित्र से परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना रहेगी। भावनाओं के बजाय समझदारी से काम करना आपके लिए हितकर होगा। बातचीत के दौरान शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखें।

सिंह — आज करियर को लेकर नए मार्ग खुल सकते हैं। उच्च अधिकारी आपकी उन्नति से काफी उत्साहित रहने वाले हैं। अपने से बड़ों की बातें ध्यान से सुनें। अफवाहों से बचने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

कन्या — आज एकांत और शांति में समय बिताना आपको काफी पसंद होगा। नौकरीपेशा लोग जातक धन की आवक को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। निवेश के लिए समय अच्छा है। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रहेगा, जो आपके चेहरे पर भी दिखलाई देगा। अपने जीवनमूल्यों को लेकर काफी गौरव की अनुभूति कर सकते हैं। घर की सफाई के दौरान कोई पुरानी, लेकिन जरूरी वस्तु आपको मिल सकती है।

वृश्चिक — आज व्यापारी उधार में माल की बिक्री करने से बचें तो उत्तम होगा। अधिक लाभ की अपेक्षा आपको नहीं करनी चाहिए। अपने अधिकारों का गलत उपयोग करने के कारण अपमान झेलना पड़ सकता है।

धनु — आज आप नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। किसी निकटस्थ व्यक्ति से शुभ समाचार मिलेगा। जटिल कार्यों को सरलता से पूर्ण कर लेंगे। समाज में आपको लोकप्रियता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

मकर — आज आर्थिक योजना बनाने के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। कारोबार में परंपरागत तरीकों का पालन करें। आपको सामाजिक नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। प्रशासन से जुड़े लोग अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी निष्ठावान रहें।

कुंभ — आज आपका स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा रहेगा। कुछ नजदीकी लोग ही आपको धोखा दे सकते हैं। इसीलिए लोगों की बातों पर अधिक ध्यान न दें। आपके भीतर आंतरिक ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा। कार्यक्षेत्र में काफी तीव्रता के साथ काम करेंगे।

मीन — आज अति आत्मविश्वास के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। भाग्य का पूरा साथ नहीं मिलेगा। मन में कुंठा की भावना न पनपने दें। दूसरों के दोष दर्शन में अपना समय व्यर्थ न करें। नौकरी पेशा लोगों को सावधानी से काम करना चाहिए।

सुडोकू-34

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

5		3		9			6	
	7		8				5	1
4			6			3		
	3			1			4	
1		4			2		3	
			3			1		6
3				5			1	
8			4				7	3
		5			8	6		

सुडोकू - 33 का हल

8	1	2	6	7	5	3	9	4
3	6	5	1	4	9	8	2	7
9	7	4	3	8	2	5	1	6
1	9	6	5	2	7	4	3	8
2	4	3	8	6	1	9	7	5
7	5	8	4	9	3	1	6	2
6	3	1	2	5	8	7	4	9
5	2	7	9	1	4	6	8	3
4	8	9	7	3	6	2	5	1

पुरुषों को कोचिंग देने की तुलना में महिलाओं को कोचिंग देने में ज्यादा बातचीत की जरूरत होती है। मैं हर दिन ख़ुद को भी सिखा रहा हूं कि, सुनो अभिषेक, अपना मुंह खोलो, बात करो, और कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है।
-अभिषेक नायर, यूपी वॉरियर्ज के कोच

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 17 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब- विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी की होगी खिताबी जंग

बेंगलुरु। चेतन साकरिया (चार विकेट) के बाद विश्वराज जडेजा (नाबाद165), कप्तान हार्विक देसाई (64) और प्रेरक मांकड (नाबाद 52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में पंजाब को 63 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में जहग बना ली है। जहां उसका मुकाबला विदर्भ से होगा। 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र के लिए कप्तान हार्विक देसाई और विश्वराज जडेजा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के जीत की नींव रखी। प्रेरक मांकड ने विश्वराज जडेजा के साथ 121 रनों की अविजित साझेदारी कर अपनी टीम 39 .3 ओवरों एक विकेट पर 293 रन बनाकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी।

फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ अभ्यास किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद, रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर, जिन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे।

बाएज और मेनसिक में होगा खिताबी मुकाबला

ऑकलैंड। विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर के खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट ऑकलैंड ओपन के दो दिन तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। शेल्टन अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज से 7-5, 6-3 से हार गए, जो गैरवरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर हैं। गुरुवार रात को भारी बारिश के कारण यह मैच स्थगित करना पड़ा था। बाएज ने शुक्रवार को बाद में हुए सेमीफाइनल में अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-4 से हराया। बारिश के कारण खेल बाधित होने की वजह से तीन क्वार्टरफाइनल और दोनों सेमीफाइनल एक ही दिन खेले गए। फाइनल में बाएज का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त याकूब मेनसिक से होगा, जिन्होंने सेमीफाइनल में फैबियन मारोज़सन को 7-6 (9), 4-6, 6-1 से हराया। मारोज़सन ने पहले दौर में मौजूदा चैंपियन गेल मोनफिल्स और दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को हराया था।

मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है : हेनिल

अंडर-19 विश्व कप

बुलावायो, एजेंसी

अमेरिका के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में पांच विकेट लेकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन की मैदान पर आक्रामकता से प्रेरणा मिलती है। पटेल ने गुरुवार को यहां खेले गए मैच में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे पांच बार के चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

यह पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप में किसी भारतीय गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे बेहतर प्रदर्शन केवल कमल पासी (2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 23 रन देकर छह विकेट) और अनुकूल रॉय (2018 में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट) ने किया है। पटेल ने आईसीसी डिजिटल से कहा मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है। उनकी गेंदबाजी इतनी अच्छी थी कि कोई भी बल्लेबाज उनके सामने खुलकर नहीं खेल पाता था। उनका सामना करना बहुत मुश्किल था। पटेल के पांच में से तीन विकेट अपने शुरुआती स्पेल में लिए। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने खुलासा किया कि गेंदबाजी की शुरुआत करते समय उनकी सफलता की कुंजी विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना था। पटेल ने कहा मैं हमेशा बल्लेबाज को तीन से चार गेंदों के भीतर आउट करने के बारे में सोचता हूं। मेरा मकसद जल्दी विकेट लेना है। मैं इसी मानसिकता के साथ खेलता हूं और शांति से अपने काम को अंजाम देता हूं। मैं सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास करता हूं और मैच में भी यही प्रक्रिया अपनाता हूं। इस बीच भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को अमेरिका के खिलाफ मैच में कम विकेट खोकर जीत हासिल करनी चाहिए थी।

बांग्लादेश के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

बुलावायो। पहले मैच में आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के बावजूद जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पांच बार की चैंपियन भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को केवल 107 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने सात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। उसके बल्लेबाज बांग्लादेश के खिलाफ क्रीज पर लंबा समय बिताने की उम्मीद करेंगे क्योंकि अमेरिका के खिलाफ उन्हें खेलने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। बांग्लादेश को कमजोर नहीं आंका जा सकता है और उसकी टीम आयुष म्हात्रे के नेतृत्व वाली टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 8 विकेट से पीटा

विंडहोक। स्टीवन होगान (नाबाद 115) की शानदार शतकीय पारी और उनकी नितेश सैमुअल (नाबाद 77) के साथ दूसरे विकेट के लिए 186 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष अंडर-19 विश्व कप के पांचवें मुकाबले में शुक्रवार को आयरलैंड को 62 गेंद शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। आयरलैंड ने रॉब ओ'ब्रायन (79) और फ्रेडी ओगिल्बी (49) की जुझारू पारियों के दम पर सात विकेट पर 235 रन का सम्मानजक स्कोर बनाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 39 .4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 237 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

निर्णायक मुकाबले में भारत की निगाह होगी कुलदीप और स्पिन रणनीति पर

न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होगा तीसरा व अंतिम एकदिवसीय मैच

इंदौर, एजेंसी

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए अपने गेंदबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि पहले दो मैचों में उसके स्पिन गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि उसके बल्लेबाजों को कीवी टीम के धीमी गति के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए देखा गया।

राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने आसानी से जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली, जिसमें भारत की बीच के ओवरों की कमजोरियां उजागर हो गईं। इनमें सबसे अधिक संघर्ष कुलदीप यादव को करना पड़ा जो न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने ना तो नियंत्रण बना सके और ना ही विकेट लेने का खतरा पैदा कर सके। इस मैच में शतक लगाने वाले डैरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की ''लेंथ और लाइन'' दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवरों में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बल्लेबाजों ने उनकी गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से स्वीप किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। इंदौर का मैदान अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां विविधता के बजाय अनुशासित गेंदबाजी करना अधिक महत्व रखता है। भारत के गेंदबाजों विशेषकर कुलदीप को गेंद को अधिक सपाट रखना होगा, स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा और मैदान के बड़े हिस्सों का पूरी चतुराई के साथ इस्तेमाल करना होगा।

कप्तान शुभमन गिल के साथ कुलदीप यादव। एजेंसी

अर्शदीप सिंह पर असमंजस बरकरार

यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप सिंह को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा लेकिन पिछले दो मैच में उनका प्रदर्शन खराब नहीं रहा है। प्रसिद्ध की गेंदबाजी की लेंथ उनके खिलाफ जा सकती है। उनकी स्वाभाविक लेंथ बैक ऑफ द लेंथ है, जिसका फायदा छोटे मैदानों पर उठाया जा सकता है, जबकि अर्शदीप अपनी फुल लेंथ गेंदबाजी से होलकर स्टेडियम में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं। मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो भारत के मुख्य बल्लेबाजों में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर केंद्र में बने हुए हैं।

जीत का जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ीं। एजेंसी

बेंगलुरु ने गुजरात को हराकर लगाई जीत की हैट्रिक

नवी मुंबई, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने राधा यादव (66 रन) के अर्धशतक और ऋचा घोष के साथ शतकीय भागीदारी के बाद ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल (23 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी से शुक्रवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गुजरात जाएंट्स को 32 रन से शिकस्त दी।

स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी ने जीत की लय जारी रखते हुए तीसरे मुकाबले में लगातार तीसरी जीत हासिल की जबकि गुजरात जायंट्स को चौथे मैच में दूसरी हार झेलनी पड़ी। आरसीबी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राधा और ऋचा घोष (44 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की भागीदारी से सात विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। पर लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स की टीम श्रेयंका (3.5 ओवर में 23 रन देकर पांच विकेट) और इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल (चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने 18.5 ओवर में 150 रन पर ढेर हो गई। टीम के लिए भारती फूलमाली 39 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। अरूंधति रेड्डी और नाडिन डि क्लर्क ने भी एक एक विकेट झटका। गुजरात की टीम ने कप्तान बेथ मूनी (27 रन) की मदद से आक्रामक शुरूआत की। लेकिन जल्द ही विकेट गिरने शुरू हो गए जिससे टीम ने 46 रन पर तीन विकेट खो दिए थे। टीम ने नौंवे ओवर में कनिका आहुजा (16 रन) का विकेट खोने के बाद 11वें ओवर में जॉर्जिया वारेहम (13 रन) के रूप में अपना पांचवां विकेट गंवा दिया जिससे स्कोर पांच विकेट पर 70 रन हो गया था।

महिला प्रीमियर लीग

- राधा यादव ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी
- श्रेयंका पाटिल ने 5 और लॉरेल बेल ने लिए 3 विकेट

महिलाओं की कोचिंग आसान नहीं रही : नायर

नवी मुंबई। डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सीजन से पहले यूपी वॉरियर्ज के हेड कोच का पद संभालने वाले अभिषेक नायर ने स्वीकार किया कि उनके शुरुआती कुछ दिन आसान नहीं थे। महिला क्रिकेट में उन्हें उम्मीद से ज़्यादा "हैंड्स-ऑन" (सीधे तौर पर शामिल) रहने की जरूरत पड़ी है।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ शॉट लगाते भारत के लक्ष्य सेन। एजेंसी

इंडिया ओपन में भारतीय चुनौती खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- लक्ष्य सेन तीन गेमों तक खिंचे संघर्ष में परास्त

अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन शुक्रवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी को चुनौती देने के बाद हार गए, जिससे टूर्नामेंट में घरेलू चुनौती भी समाप्त हो गई।

लक्ष्य ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में कड़ी टक्कर दी लेकिन निर्णायक पलों में पीछे रह गए। उन्होंने आखिरी पलों में मिली बढ़त गंवा दी और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी से 21-17 13-21 18-21 से हार गए। यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण था जिसमें लंबी रैलियां और नेट पर तेज शॉट देखने को मिले। दोनों खिलाड़ियों ने थका देने वाले तीन गेम में एक-दूसरे के सयंम और सटीकता की परीक्षा ली।

लक्ष्य ने जोरदार शुरुआत करते हुए लिन को तेज रैलियों में उलझाया। शुरुआती दौर में स्कोर 4-4 से 7-7 तक बराबर रहा जिसके बाद लक्ष्य ब्रेक में आगे निकल गए। दो शानदार विनर ने लक्ष्य को 13-10 पर पहुंचा दिया और लिन की गलतियों की वजह से लगातार दबाव बनाकर उन्होंने इसे 16-11 तक बढ़ा लिया। 54 शॉट की एक रैली लिन के बाहर शॉट फेंकने के साथ खत्म हुई जिससे लक्ष्य को जल्द ही पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने तीसरे मौके पर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में परिस्थितियों ने शटल पर नियंत्रण करना मुश्किल बना दिया और लक्ष्य को अपनी लेंथ के साथ संघर्ष करना पड़ा जिससे ब्रेक में वह 11-5 से पीछे थे। एक तेज रिटर्न ने उन्हें अंतर को कम करने में मदद की।

विश्व कप विवाद सुलझाने के लिए बांग्लादेश जाएंगे आईसीसी अधिकारी

दुबई, एजेंसी

- भारत से बाहर मैच कराने की मांग पहले ही हो चुकी है खारिज

भारत में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर गतिरोध को खत्म करने के लिये आईसीसी का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाएगा। आईसीसी पहले ही संकेत दे चुकी है कि बांग्लादेश के मैच अन्यत्र आयोजित करा पाना संभव नहीं है।

आईसीसी का दल सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करेगा। बांग्लादेश आईसीसी से लगातार अनुरोध कर रहा है कि सुरक्षा कारणों से कोलकाता और मुंबई में होने वाले उसके मैच भारत के बाहर आयोजित कराएं जाएं। बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द किए जाने के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग उठाई है। एक जानकार सूत्र ने बताया इस समय यही सूचना (आईसीसी अधिकारियों का ढाका दौरा) मिली है। बातचीत चल रही है और मामले का हल निकालने के सभी संभावित तरीकों पर बात होगी। उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार के अधिकारी भी बातचीत में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में एक वीडियो कांफ्रेंस में आईसीसी को अपनी चिंताओं से अवगत कराया है, खासकर मुंबई में खेलने को लेकर । बांग्लादेश को 17 फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम पर नेपाल से खेलना है। बोर्ड ने आईसीसी से कहा कि मुंबई में कुछ भारतीय राजनेताओं के बयान उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरे की तरह माने जा रहे हैं। बीसीबी सूत्र ने संकेत दिया कि बांग्लादेश के मैच दक्षिण भारत के किसी शहर या श्रीलंका में कराये जाने पर विचार हो सकता है। समझा जाता है कि आईसीसी का मानना है कि मैचों को स्थानांतरित करने का दमदार कारण चाहिये लिहाजा काल्पनिक परिदृश्य नहीं देखा जा सकता।

खिलाड़ियों ने बहिष्कार खत्म किया बीपीएल फिर शुरू

ढाका। बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के कल्याण संघ के बीच सहमति बनने के बाद खेल के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया जिससे शुक्रवार से बीपीएल टी20 के मैच फिर से शुरु हो गए। बृहस्पतिवार को सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम की उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में बगावत कर दी थी जिससे बोर्ड की शीर्ष टी20 लीग के ठप होने का खतरा पैदा हो गया था।

बांग्लादेश खिलाड़ी संघ के प्रमुख को मिल रही जान से मारने की धमकी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्ल्यूएबी) के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन ने कहा है कि बोर्ड के एक आला अधिकारी द्वारा अपमानजनक बयानबाजी के बाद खिलाड़ियों का पक्ष लेने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। मिथुन ने कहा कि वह चाहते हैं कि बांग्लादेशी टीम अगले महीने टी20 विश्व कप खेले लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ नहीं। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों से विश्व कप के अपने चार लीग मैच भारत की बजाय श्रीलंका में कराने की मांग कर रहा है ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल इस्लाम ने कहा कि अगर आईसीसी उनके मैच अन्यत्र नहीं कराती है और टीम टूर्नामेंट से नाम वापिस लेती है तो उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों ने ऐसा कुछ खास नहीं किया है जिससे उन्हें भुगतान मिलना चाहिए।

मुकाबला | **टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट आज से, भारतीय खिलाड़ियों की होगी कड़ी परीक्षा**

पहले मैच में डी गुकेश का सामना सिंदारोव से

विज्क आन जी(नीदरलैंड्स), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश 2025 की अपनी असफलताओं को पीछे छोड़कर शनिवार से यहां शुरू होने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में नई शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जहां पहले दौर में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव से होगा।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। इसकी शुरुआत 1938 से हुई थी और 2011 से इसका आयोजन टाटा स्टील के बैनर तले किया जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों को इस बार टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

वह टाटा स्टील टूर्नामेंट में पिछली बार हमवतन आर प्रज्ञानानंदा से टाइब्रेक में हार कर दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार वह खिताब जीतने के लिए किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। मौजूदा चैंपियन प्रज्ञाननंदा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है। इस प्रतियोगिता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी हैं, जो कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे, लेकिन 2025 के आखिर तक वह भारतीय खिलाड़ियों में रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहे।

अर्जुन का लक्ष्य यहां अच्छा प्रदर्शन करके रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम हैं, जो अपने करियर के सबसे मुश्किल टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। प्रज्ञाननंदा पहले मैच में अर्जुन से भिड़ेंगे जबकि चिदंबरम का सामना जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम से होगा। भारतीय खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड के अनीश गिरी, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जर्मनी के विन्सेंट कीमर जैसे खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस बार टूर्नामेंट में नई समय नियंत्रण प्रणाली लागू की गई है जिसके तहत खिलाड़ियों को 40 चालें चलने तक कोई अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।

प्रज्ञानानंद-गुकेश में हुआ विश्व चैंपियनशिप का फाइनल तो मुकाबला चेन्नई में : आनंद

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष और भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि अगर आर प्रज्ञानानंद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर मौजूदा चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को चुनौती देते हैं तो इस साल की विश्व चैंपियनशिप चेन्नई में हो सकती है। बीस वर्षीय प्रज्ञाननंदा उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस वर्ष मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में गुकेश का सामना करेगा। फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा, अनीश गिरी, वेई यी, जावोखिर सिंदारोव, एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। आनंद ने कहा जो भी खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीतेगा वह विश्व चैंपियनशिप में कड़ी चुनौती पेश करेगा। मुझे लगता है कि अगर प्रज्ञानानंद क्वालीफाई करने में सफल रहता है तो यह मुकाबला दोनों भारतीय खिलाड़ियों के लिए भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होगा।